गुरुवार, 25 जून 2026

**मौसम**

तापमान 28 – 33
आर्द्रता 82%
सूर्योदय: 04:53 सूर्यास्त: 18:24

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

# समाज्ञा

कोलकाता, ज्येष्ठ (शुद्ध) शुक्लपक्ष एकादशी, वि.स. 2083, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी मामले में पांच दिन के भीतर 'अस्थायी' तौर पर राशि वापस करें बैंक: आरबीआई पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : जब दाग खोजें तो समझ लेना आपकी चमक उसे बर्दाश्त नहीं हो रही है।

# तारातला में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढहने से पांच मजदूरों की मौत

## 20 लोगों को बचाया गया

**हादसे में कई मजदूर अभी भी मलबे में फंसे, सेना और बचाव दल राहत कार्य में जुटे**

**मुख्यमंत्री समेत कई मंत्रियों, केएमसी प्रशासक एवं कोलकाता पुलिस आयुक्त ने किया घटनास्थल का दौरा**

**मुख्यमंत्री ने अस्पताल में घायलों से की मुलाकात**

**कोलकाता, समाज्ञा :** कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार को निर्माणाधीन गोदाम ढहने के हादसे में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 लोगों को जीवित बाहर निकाला गया है। घायलों को एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, कई लोग अभी भी मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। घटनास्थल पर सेना, एनडीआरएफ, दमकल और पुलिस की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं। भारी कंक्रीट ढांचे और लोहे की बीमों को हटाने के लिए कई क्रेन तथा 50 टन क्षमता वाली हाइड्रोलिक क्रेन लगाई गई हैं। पुलिस ने लापता लोगों की तलाश के लिए स्निफर डाग की भी मदद ली है। प्रशासन ने रातभर बचाव अभियान जारी रखने की तैयारी की है। इसके लिए बड़े जेनरेटर, अस्थायी मेडिकल कैंप और अतिरिक्त एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, करीब डेढ़ वर्ष से निर्माणाधीन यह गोदाम बुधवार की दोपहर अचानक ढह गया। हादसे के समय वहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम कर रहे थे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी समेत कई मंत्रियों अग्निमित्रा पाल, डॉ. शरद्वत मुखर्जी, इंद्रनील खान के अलावा केएमसी प्रशासक स्मिता पांडे एवं कोलकाता पुलिस आयुक्त ने घटनास्थल का दौरा किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने एसएसकेएम अस्पताल में घायल कर्मचारियों से मुलाकात की और उनकी हालत के बारे में जानकारी ली। सरकारी अस्पताल के बाहर मीडिया कर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वेयरहाउस से लगभग 25 लोगों को बचाया गया। पांच लोगों की मौत हो गई है। 20 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो लोगों की हालत गंभीर है। सभी घायलों का इलाज यहां चल रहा है। कुछ कर्मचारी अभी भी फंसे हुए हैं। वे जीवित हैं और हमने उनसे संपर्क कर लिया है। बचाव अभियान जोर-शोर से चल रहा है। उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही बाहर निकाल लिया जाएगा।

**नवान्न में खुला कंट्रोल रूम**

राज्य सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए नवान्न में कंट्रोल रूम खोल दिया है। जिसके नंबर 1070, 8697981070, 033-22143526/22535185 हैं।

**मालिक पर केस दर्ज, कुल तीन गिरफ्तार**

इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार की शाम पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया, इनकी पहचान परियोजना पर्यवेक्षक सैयद मोहम्मद गुलजार और दो श्रमिक आपूर्तिकर्ताओं मोहम्मद अताउल तथा सुभाष चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतक श्रमिकों में से एक के परिजनों की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई। वहीं, गोदाम के मालिकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। जांच के तहत पुलिस ने भवन का स्वीकृत नक्शा और अन्य दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि निर्माण कार्य और मंजूरी प्रक्रिया में कोई अनियमितता तो नहीं हुई। कोलकाता पुलिस की जासूसी शाखा और अन्य विशेषज्ञ टीमों ने घटनास्थल का दौरा कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं।

**कोलकाता इलाके में 31 जुलाई तक कमर्शियल निर्माण पर रोक, ऑडिट का आदेश**

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि इस जमीन की मालिक श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट अथॉरिटी है, और इसे 'बेहेरा ब्रदर्स' के पार्टनर शंभूनाथ बेहेरा को पट्टे पर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोदाम के 'त्रुटिपूर्ण' निर्माण नक्शे को इसी साल 17 जनवरी को तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल के दौरान केएमसी से मंजूरी मिली थी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मैंने जो देखा, उससे मुझे पूरा यकीन हो गया है कि यह हादसा बारिश या कमजोर मिट्टी के कारण नहीं हुआ है, जिस पर यह निर्माण किया जा रहा था। यह खराब ढांचागत डिजाइन की वजह से हुआ, जिसमें लोहे के खंभे कंक्रीट का वजन नहीं संभाल पाए और भरभराकर जमीन पर गिर गए। उन्होंने कहा कि मैंने केएमसी आयुक्त और शहरी विकास एवं नगर नियोजन विभाग को पिछली सरकार द्वारा अनुमोदित सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं, विशेष रूप से व्यावसायिक इमारतों पर काम रोकने का निर्देश दिया है। इन सभी का ऑडिट किया जाएगा। ऐसे स्थलों पर निर्माण कार्य 31 जुलाई तक निलंबित रहेगा। अधिकारी ने कहा कि जांच में सही पाए जाने की शर्त पर, इन स्थलों पर एक अगस्त से काम दोबारा शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद इस ऑडिट का दायरा हावड़ा और विधाननगर नगर निगम क्षेत्रों तक भी बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऑडिट एक बहु-एजेंसी टीम द्वारा किया जाएगा, जिसमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन सेवा, कोलकाता पुलिस और केएमसी के अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह टीम मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में काम करेगी। यह टीम अपनी रिपोर्ट सौंपने से पहले स्थल योजना, भवन नक्शों की जांच करेगी और मौके पर जाकर निरीक्षण करेगी।

बचाव कर्मियों से राहत कार्य की जानकारी लेते मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी एवं मंत्री अग्निमित्रा पाल

राहत कार्य में तत्परता से जुटे सेना के साथ डिजास्टर मैनेजमेंट, एनडीआरएफ, फ़ायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम

**विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति से मुआवजे पर ऐलान : मुख्यमंत्री**

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विधानसभा सत्र चल रहा है इसलिए वह तारातला की बिल्डर कंपनी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई और पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति से आज विधानसभा में करेंगे।

**RED-X**
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

## अमेरिका की अदालत ने ट्रंप प्रशासन को देशभर में अवैध प्रवासियों के त्वरित निर्वासन की अनुमति दी

**वाशिंगटन :** अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को न केवल सीमा क्षेत्रों में, बल्कि पूरे देश में अवैध प्रवासियों के त्वरित निर्वासन की प्रक्रिया फिर शुरू करने की मंगलवार को अनुमति दे दी। 'डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट' के लिए अपीलीय अदालत की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने अधीनस्थ अदालत के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसके तहत ट्रंप प्रशासन द्वारा त्वरित निष्कासन के दायरे का विस्तार करने पर अस्थायी रोक लगाई गई थी। संस्था एसीएलयू की आव्रजक अधिकार परियोजना से जुड़े वरिष्ठ स्टाफ अटॉर्नी आनंद बालकृष्णन ने एक बयान में कहा, ''त्वरित निर्वासन पर ट्रंप प्रशासन के जोर देने से लोग एक पक्षपातपूर्ण और त्रुटिपूर्ण व्यवस्था का शिकार होंगे।'' पीठ के सदस्य न्यायाधीश जस्टिन आर. वॉकर ने कहा कि वादी यह साबित नहीं कर सके कि त्वरित निष्कासन के दायरे का विस्तार संवैधानिक न्यायिक प्रक्रिया के अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने अपने फैसले में लिखा कि प्रवासियों को निष्कासन संबंधी कार्रवाई की सूचना दी जाती है और उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर भी प्रदान किया जाता है।

**प्रगति बैठक में साइबर अपराध और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा**

## डिजिटल मंचों के दुरुपयोग पर चिंता, साइबर धोखाधड़ी पर त्वरित कार्रवाई जरूरी : मोदी

**नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल मंचों के माध्यम से बढ़ रही साइबर धोखाधड़ी और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि ऐसे मामलों में सभी संबंधित एजेंसियों को समन्वित, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को एक विभाग से दूसरे विभाग के चक्कर काटने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।प्रधानमंत्री ने बुधवार को 'प्रगति' की 52वीं बैठक में साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट जिम्मेदारी तय करने, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित करने तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों और डिजिटल मंचों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। मोदी ने कहा कि वित्तीय नुकसान रोकने और जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए समय पर कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने राज्यों से साइबर धोखाधड़ी के मामलों में शीघ्र प्राथमिकी दर्ज करने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 'ई-जीरो एफआईआर' व्यवस्था को प्रभावी बनाने का आह्वान किया। साथ ही व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया।बैठक में प्रधानमंत्री ने चार राज्यों में सड़क, बिजली, औद्योगिक गलियारे और मेट्रो रेल क्षेत्र से जुड़ी लगभग 30 हजार करोड़ रुपये लागत वाली चार महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी से लागत बढ़ती है और जनता तथा उद्योगों को मिलने वाले लाभ प्रभावित होते हैं। उन्होंने मंत्रालयों और राज्य सरकारों को लंबित मुद्दों का युद्धस्तर पर समाधान करने का निर्देश दिया।मोदी ने 'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के प्रभावी उपयोग और पोर्टल पर परियोजनाओं से संबंधित सूचनाओं को नियमित रूप से अद्यतन रखने की आवश्यकता बताई। इसके अलावा उन्होंने 'टीबी मुक्त भारत अभियान' की समीक्षा करते हुए कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग, जन-जागरूकता बढ़ाने तथा एनसीसी कैडेटों एवं 'माय भारत' स्वयंसेवकों को अभियान से जोड़ने का सुझाव दिया।

## एअर इंडिया का विमान पाकिस्तानी वायुक्षेत्र में दाखिल हुआ

**एटीसी, चालक दल पर कार्रवाई**

**नयी दिल्ली :** एअर इंडिया का एक विमान सोमवार रात राष्ट्रीय राजधानी से उड़ान भरने के बाद अमृतसर हवाई अड्डे पर 'गो-अराउंड' (उतरने से पहले आसमान में चक्कर लगाने का निर्देश) की प्रक्रिया के दौरान पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में दाखिल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि अमृतसर में वायु यातायात नियंत्रक और विमानन कंपनी के उक्त विमान को संचालित कर रहे चालक दल के सदस्यों के खिलाफ अंतरिम कार्रवाई की गई है, क्योंकि उन्होंने घटना की जानकारी नहीं दी। एअर इंडिया ने बुधवार को एक बयान में कहा कि घटना की जानकारी डीजीसीए को दे दी गई है और इसकी आंतरिक जांच की जा रही है। डीजीसीए ने एक बयान में कहा कि 'रडार वेक्टरिंग' के आधार पर 'गो-अराउंड' की प्रक्रिया शुरू करने के बाद विमान कुछ देर के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में चला गया था। 'रडार वेक्टरिंग' वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी) की एक प्रक्रिया है, जिसमें नियंत्रक यात्रा के संबंध में परामर्श देने के लिए रडार निगरानी का इस्तेमाल करते हैं। बयान में कहा गया है, ''इस घटना के बाद पाकिस्तान के एटीसी अधिकारियों के साथ समन्वय किया गया। आखिरकार विमान का रास्ता बदलकर उसे दिल्ली भेजा गया और वह सुरक्षित रूप से राष्ट्रीय राजधानी में उतरा।'' पाकिस्तान ने अप्रैल 2025 से भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। एअर इंडिया के मुताबिक, 22 जून को दिल्ली से अमृतसर जाने वाली उड़ान एआई479 के चालक दल ने अमृतसर हवाई अड्डे पर 'गो-अराउंड' करते समय पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था।

## भारत ने हालात में सुधार के बावजूद ईरान की गैर-जरूरी यात्रा न करने की सलाह दी

**दुबई :** भारत ने ईरान में हालात में हाल में सुधार के बावजूद अपने नागरिकों को अगली सूचना तक वहां की गैर-जरूरी यात्राओं से परहेज करने की बुधवार को सलाह दी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि वह ईरान में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और हालिया सकारात्मक घटनाक्रम तथा समग्र हालात में आए सुधार को देखते हुए संशोधित यात्रा परामर्श जारी कर रहा है। दूतावास ने अपने परामर्श में कहा, ''हाल में हालात में सुधार के बावजूद भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक ईरान की सभी गैर-आवश्यक यात्राओं से बचने की सलाह दी जाती है।'' दूतावास ने परामर्श की प्रति सोशल मीडिया पर साझा की। इसमें कहा गया है कि वर्तमान में ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों और अपरिहार्य कारणों से वहां यात्रा करने वाले लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए, हर समय सतर्क रहना चाहिए तथा आसपास की परिस्थितियों के प्रति लगातार चौकस रहना चाहिए। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से विश्वसनीय सूचना स्रोतों के माध्यम से स्थानीय घटनाक्रम पर कड़ी नजर बनाए रखने और स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने का भी आग्रह किया।

**यूएनएससी की अनौपचारिक बैठक में भारत का कड़ा जवाब**

## जम्मू-कश्मीर भारत का आंतरिक मामला, पाकिस्तान की टिप्पणी अनावश्यक : भारत

**सुरक्षा परिषद सुधार और स्थायी सदस्यता की मांग दोहराई**

**नई दिल्ली/संयुक्त राष्ट्र :** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक अनौपचारिक बैठक में जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है और यह हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा रहा है, आगे भी रहेगा।'कार्यान्वयन की खाई को पाटना: सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना' विषय पर आयोजित अर्रिया-फॉर्मूला बैठक में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने कश्मीर मुद्दा उठाया था। इसके जवाब में हरीश ने कहा कि जिस सह-अध्यक्ष से निष्पक्षता की अपेक्षा थी, उसने मंच का राजनीतिकरण करने का विकल्प चुना।भारत ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश के अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्से हैं तथा इस विषय पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-6 और अध्याय-7 के तहत अपनाए जाने वाले उपाय परिस्थितियों के अनुसार बदलते हैं और उन्हें स्थायी नहीं माना जा सकता।उन्होंने यह भी कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा परिषद के अधिकार क्षेत्रों और कार्यप्रणाली की समीक्षा आवश्यक है। भारत ने सुरक्षा परिषद में सुधार और स्थायी सदस्यता की अपनी मांग भी दोहराई। भारत का कहना है कि वर्तमान 15 सदस्यीय परिषद समकालीन वैश्विक वास्तविकताओं को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करती और इसमें व्यापक सुधार की जरूरत है।

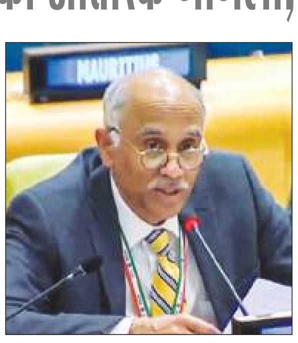

## फोन तोड़ना बड़े संकट का छोटा समाधान

आज स्मार्टफोन के बच्चों व किशोरों पर पड़ने वाले घातक प्रभावों से पूरी वैश्विक बिरादरी फिक्रमंद है। लाइलाज मर्ज बनती इस लत के खिलाफ परंपरागत समाजों व विकासशील देश ही नहीं, बल्कि आस्ट्रेलिया, फ्रांस,ब्रिटेन आदि विकसित देशों में भी एक उम्र के बाद ही स्मार्ट फोन के इस्तेमाल करने के लिए कानून बन रहे हैं। सोशल मीडिया के जनक अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ अदालतों में मोटे मुआवजे वसूले गए हैं। इसी बीच हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव में एक अभिनव पहल हुई है। यूं तो स्मार्टफोन आज आवश्यक बुराई बनते जा रहे हैं, लेकिन सुखपुरी के दुख अलग हैं। गांव की पहचान साइबर क्राइम के हब के रूप में होने लगी है। आये दिन गांव में पुलिस की दस्तक से उन्हें बदनामी महसूस होती है। उनका कहना है कि इस गांव के कुछ युवाओं के साइबर क्राइम में शामिल होने के आरोपों के चलते बाहरी ग्रामीण गांव में रिश्ते करने से कतरा रहे हैं। गांव में पंचायत प्रतिनिधियों ने अधिकारियों के सामने 55 मोबाइल हैंडसेट पटककर तोड़ दिए। उनका मकसद गांव को साइबर क्राइम हब के दाग से मुक्त कराना था। ग्रामीणों ने जरूरत के लिये बेसिक फोन इस्तेमाल करने का फैसला लिया है। बताते हैं कि नूंह क्षेत्र के 57 गांवों के लोगों ने भी ऐसी पहल करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी में बड़े-बुजुर्गों के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उनका मानना है कि इस फैसले से उनकी आर्थिक प्रगति बाधित होगी। कई लोग ऐसे हैं जिनकी कमाई पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भर है। उनकी दलील है कि महज कुछ लोगों की गलती की सजा पूरी पीढ़ी को नहीं दी जा सकती। वे ऑनलाइन पढ़ाई व स्कॉलरशिप पोर्टल से कट जाएंगे। वहीं यूपीआई पेमेंट समेत ऑनलाइन भुगतान के तौर-तरीके बाधित होंगे। लेकिन सुखपुरी के लोगों के गांव का नाम साइबर क्राइम से जुड़ने के दुख को भी समझने की जरूरत है।

सही मायने में आज जरूरत एक बीच का रास्ता तलाशने की है। ताकि साइबर क्राइम में युवाओं के लिप्त होने से गांव की बदनामी भी न हो, और डिजिटल गतिविधियां भी चलती रहें। निस्संदेह, तकनीक को धोखा देने और गैर-कानूनी फायदा उठाने का जरिया नहीं बनने दिया जाना चाहिए। नियामक एजेंसियों को सामुदायिक नेताओं की मदद से ऐसे लोगों पर अंकुश लगाना चाहिए, जो अक्सर साइब्रर फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन और ऑनलाइन स्कैम में लिप्त रहते हैं। वाकई आज स्मॉर्ट फोन दुधारी तलवार बन गए हैं। ऐसा जिन्न, जिसमें अच्छाई भी है और बुराई भी। जिसकी वजह से तुरंत पैसा कमाने के फेर में युवा साइबर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। सवाल केवल साइबर अपराधों का ही नहीं है, सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्मों में अश्लील सामग्री का बोलबाला है। जिससे किशोर व युवा पथभ्रष्ट हो रहे हैं। कई तरह की भाषाई विकृतियां सामने आ रही हैं। समय व पैसा बचाने के लिये शादियों के कार्ड व्हाट्स ऐप के जरिये भेजने का प्रचलन तो बढ़ा है, लेकिन इससे विवाह समारोह के आमंत्रण की गरिमा व प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। ये स्पष्ट है कि आज स्मॉर्ट फोन सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये शिक्षा, बैंकिंग,सरकारी सेवाओं, रोजगार के मौके तलाशने व वीडियो कॉलिंग का जरिया भी हैं। ऐसे समय में, जब गांवों में सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिये डिजिटल कनेक्टिविटी अपरिहार्य है, स्मार्टफोनों के उपयोग से युवाओं को पूरी तरह से वंचित नहीं किया जा सकता। डिजिटल दौर में उन युवाओं के भी अलग-थलग पड़ने की आशंकाएं हैं, जिनका भविष्य बचाने के लिये यह पहल की जा रही है। दरअसल, मुद्दा स्मॉर्ट फोन डिवाइस का नहीं है, बल्कि इसके गलत इस्तेमाल का है। जिसे समाज में बढ़ती बेरोजगारी, कौशल की कमी और रातों-रात अमीर बनने की चाह बढ़ावा देती है। ऐसे कृत्यों के कानूनी नतीजों से युवाओं को जागरूक करने की जरूरत है। इस संकट के मूल को तलाशकर, उसका उपचार करना जरूरी है। आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि साइबर साक्षरता व डिजिटल जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की है। बहरहाल, सुखपुरी की सामूहिक कार्रवाई और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का सम्मान किया जाना चाहिए।

## आज का पंचांग

**कोलकाता :** 25 जून, गुरुवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ (शुद्ध) शुक्लपक्ष एकादशी, 20:11 तक, नक्षत्र : स्वाति, 16:24 तक, योग : शिव, 10:47 तक, सूर्योदय: 04:53, सूर्यास्त: 18:24, चन्द्रोदय : 15:13, चन्द्रास्त: 01:42, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 13:56 से 15:36

## राशिफल

**मेष :** आज किस्मत आपके व्यापार और धन के दरवाजे खोलती नजर आ रही है। आमदनी बढ़ने से मन खुश रहेगा और लंबे समय से अटका पैसा भी अचानक वापस मिल सकता है।

**वृष :** आज का दिन नए अवसरों और आर्थिक तरक्की का संकेत दे रहा है। आय बढ़ने के योग हैं और कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन शानदार रहेगा।

**मिथुन :** आज आपका मन आराम, स्वादिष्ट भोजन और सुकून भरे पलों में डूबा रहेगा। सरकारी कामों में थोड़ी रुकावट आ सकती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है।

**कर्क :** आज सितारे आपको एक ही संदेश दे रहे हैं। अपनी सेहत को नजरअंदाज मत कीजिए। कामकाज में कुछ चुनौतियां आएंगी, लेकिन आपका धैर्य आपको संभाल लेगा।

**सिंह :** आज का दिन नई शुरुआत और जीत का एहसास कराने वाला है। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। कानूनी मामलों में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है, जिससे राहत मिलेगी।

**कन्या :** आज व्यापार में थोड़ी उठा-पटक देखने को मिल सकती है। किसी सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन गुस्से की बजाय समझदारी से काम लें।

**तुला :** आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। किसी काम में उम्मीद के मुताबिक परिणाम न मिलने से मन उदास हो सकता है। जल्दबाजी में किया गया निवेश नुकसान दे सकता है।

**वृश्चिक :** आज खुशियों की हल्की-हल्की बारिश आपके मन को तरोताजा कर देगी। कुछ नया करने की प्रेरणा मिलेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। बिजनेस में बदलाव के लिए यह समय बेहद अनुकूल है।

**धनु :** आज मन किसी अनजानी चिंता में उलझा रह सकता है। संतान पक्ष से जुड़ी कोई बात आपको परेशान कर सकती है। जल्दबाजी में लिए गए फैसले नुकसान करा सकते हैं।

**मकर :** आज का दिन सुख-सुविधाओं और नए अवसरों से भरा रहेगा। नौकरी बदलने का सोच रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है। काम के सिलसिले में यात्रा के योग बन रहे हैं।

**कुम्भ :** आज मन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है और आत्मविश्वास भी कमजोर महसूस होगा। किसी काम को लेकर यदि दिल पूरी तरह तैयार नहीं है, तो जल्दबाजी में कदम न उठाएं।

**मीन :** आज का दिन भागदौड़ और जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना रिश्तों में दूरी बढ़ा सकता है, इसलिए खुद को शांत रखें। व्यवसाय को लेकर मन में चिंता बनी रहेगी।

# लोकतंत्र अमर रहे: स्वतंत्रता को याद रखना क्यों महत्वपूर्ण है

गजेन्द्र सिंह शेखावत

आपातकाल लागू होने के पचास वर्ष बाद भी, देश उस दौर पर विचार कर रहा है जिसे भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक के रूप में याद किया जाता है। संविधान हत्या दिवस - (लोकतंत्र अमर रहे) के राष्ट्रीय स्मरणोत्सव के समापन समारोह के आयोजन का उद्देश्य केवल इतिहास को याद करना नहीं है, बल्कि उन चिरस्थायी मूल्यों पर चिंतन करना है जो हमारे गणतंत्र को कायम रखते हैं।

**डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने एक बार कहा था :** संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है, यह जीवन का एक माध्यम है और इसकी भावना हमेशा युग की भावना होती है।

हमारी संवैधानिक यात्रा के सार को इन शब्दों से अधिक सशक्त रूप से व्यक्त करना मुश्किल है। संविधान केवल एक कानूनी ढांचा नहीं है जो राज्य के मामलों को नियंत्रित करता है। यह नागरिकों और संस्थाओं के बीच, अधिकारों और जिम्मेदारियों के बीच, स्वतंत्रता और उत्तरदायित्व के बीच जीवंत समझौता है।

**लोकतंत्र को संरक्षित रखने के लिए उसे याद रखना आवश्यक है :** भारत की लोकतांत्रिक भावना हमारी सभ्यतागत परंपराओं में गहराई से निहित है। सदियों से, हमारे समाज ने परामर्श, सामूहिक विचार-विमर्श और जनभागीदारी की संस्थाओं का पोषण किया है। यह याद रखना आवश्यक है कि भारत को लोकतंत्र विरासत में नहीं मिला, बल्कि इसने लोकतंत्र का पोषण किया है। प्राचीन सभाओं और समितियों से लेकर स्वतंत्रता के बाद की संसदीय प्रणाली तक, हमने सदैव जनता की सामूहिक इच्छा में विश्वास किया है।

संविधान ने इन परंपराओं को आधुनिक लोकतांत्रिक ढांचे में रूपांतरित किया, साथ ही उन मूल्यों को भी संरक्षित रखा जिन्होंने पीढ़ियों से इन्हें कायम रखा था। प्रस्तावना आज भी हमारा संवैधानिक मार्गदर्शक है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व। ये मात्र संवैधानिक आदर्श नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय आकांक्षाएं हैं। ये सार्वजनिक नीतियों का मार्गदर्शन करते हैं, संस्थाओं को आकार देते हैं और राज्य तथा नागरिक के बीच संबंधों को परिभाषित करते हैं।

साथ ही, इतिहास हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र को कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। 1975-77 का आपातकाल स्वतंत्र भारत के सामने आई सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक थी। इसने दिखाया कि संवैधानिक सुरक्षा उपायों के कमजोर होने और जनता की स्वतंत्रता पर अंकुश लगने पर लोकतांत्रिक संस्थाएं किस प्रकार दबाव में आ सकती हैं। उस दौर का प्रभाव राजनीतिक जीवन से कहीं अधिक व्यापक था। उसने देश भर के नागरिकों के दैनिक अनुभवों को प्रभावित किया। इसकी मानवीय कीमत बहुत गहरी थी।

ये अनुभव इस बात की सशक्त याद दिलाते हैं कि संवैधानिक अधिकार अमूर्त कानूनी सिद्धांत नहीं हैं; वे ऐसे सुरक्षा उपाय हैं जो नागरिकों की गरिमा, स्वतंत्रता और दैनिक जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। जब इन अधिकारों का हनन होता है, तो इससे केवल संस्थाएं ही नहीं बल्कि आम लोग, परिवार और समुदाय भी सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, जिनकी स्वतंत्रता और आकांक्षाएं अत्यंत संवेदनशील होती हैं। फिर भी, उस दौर की सबसे महत्वपूर्ण सीख लोकतांत्रिक लचीलापन है।

भारत की जनता ने संवैधानिक प्रक्रियाओं में असाधारण विश्वास दिखाया। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं ने अंततः लोकतांत्रिक विकृतियों को दूर किया। शांतिपूर्ण भागीदारी और मतदान के माध्यम से नागरिकों ने इस सिद्धांत की पुष्टि की कि संप्रभुता जनता में निहित है। यह भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है - चुनौतियों के दौर से सीखने, अनुकूलन करने, आत्मसुधार करने और मजबूत होकर उभरने की क्षमता।

इस अवसर को चिह्नित करते हुए, एक सुनियोजित प्रदर्शनी समारोह का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह प्रदर्शनी भारतीय लोकतंत्र के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में से एक की दृश्य यात्रा प्रस्तुत करती है, जिसमें अभिलेखीय सामग्री, प्रतिरोध की कहानियां, संवैधानिक उपलब्धियां और आपातकाल के दौरान लोगों के अनुभव शामिल हैं। इस अवसर का एक अन्य महत्वपूर्ण तत्व पद्म भूषण से सम्मानित अनुभवी पत्रकार और लेखक श्री राम बहादुर राय का विशेष स्मृति व्याख्यान है, जो संवैधानिक सतर्कता और लोकतांत्रिक नवीनीकरण के व्यापक विषय को समकालीन प्रासंगिकता प्रदान करता है।

**जन इतिहासों का पुनरुद्धार और स्वतंत्रता की जीवंत गाथाएं :** इस समापन समारोह के घटक जीवंत और विकसित होते राष्ट्रीय अनुभव के रूप में लोकतंत्र की व्यापक समझ को दर्शाते हैं। डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी (डीडीआर) वर्ष 2021 में आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के उपलक्ष्य में शुरू की गई अग्रणी पहल है। डीडीआर पहल पर प्रदर्शनी का उद्देश्य देश के कोने-कोने से बलिदान, साहस और जनभागीदारी की सैकड़ों अनसुनी कहानियों को सामने लाना है। संस्कृति मंत्रालय ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम की इन अनसुनी कहानियों से संबंधित 10 लघु फिल्में भी बनाई हैं।

ये सभी पहल हमें याद दिलाती हैं कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब संवैधानिक मूल्यों को सांस्कृतिक स्मृति, ऐतिहासिक जागरूकता और राष्ट्रीय जुड़ाव की गहरी भावना से सुदृढ़ किया जाता है। अब तक डीडीआर की समर्पित वेबसाइट पर 19,500 से अधिक वृत्तांत उपलब्ध कराए गए हैं। डीडीआर पहल में योगदान देने वाले संस्थानों और विभागों में, संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन, सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के कम ज्ञात पहलुओं को उजागर करने वाली कई कहानियों के दस्तावेजीकरण और संकलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर, हमें दो ऐसे जीवंत स्वतंत्रता सेनानियों के साथ उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है जो साहस, त्याग और सेवा के साक्षात प्रतीक हैं - महाराष्ट्र के श्री शेषराव लक्ष्मणराव खोट, जिन्होंने युवा छात्र के रूप में हैदराबाद मुक्ति आंदोलन में भाग लिया था; और आंध्र प्रदेश के श्री एड्डुला सूर्यनारायण रेड्डी, जिन्होंने बचपन से ही स्वतंत्रता आंदोलन का समर्थन किया और ग्यारह वर्ष की आयु में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए थे। उनकी उपस्थिति हमें याद दिलाती है कि स्वतंत्रता कोई दूर का इतिहास नहीं बल्कि जीवंत स्मृति है।

**विरासत और सांस्कृतिक निरंतरता :** इसके साथ ही विरासत का 11वां संस्करण उन सांस्कृतिक परंपराओं, कलात्मक अभिव्यक्तियों और साझा धरोहर का उत्सव मनाता है, जिन्होंने पीढ़ियों से संवाद, विविधता और सामाजिक एकता को बढ़ावा दिया है। यह स्वतंत्रता सेनानी, सांस्कृतिक दूरदर्शी और संस्था निर्माता कमलादेवी चट्टोपाध्याय की स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। शास्त्रीय प्रस्तुतियाँ उन संगीत परंपराओं पर आधारित हैं जो पीढ़ियों, क्षेत्रों और विचारधाराओं के बीच सदियों से चले आ रहे संवाद के माध्यम से विकसित हुई हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत स्वयं निरंतरता, विविधता, अनुशासन और रचनात्मक स्वतंत्रता के मूल्यों का प्रमाण है, ये ऐसे मूल्य हैं जो जीवंत लोकतंत्र के लिए समान रूप से आवश्यक हैं।

'एनाजोरी : लोकनाद-जनजातीय समरसता का स्वर-संगम' नामक प्रस्तुति असम और उत्तर-पूर्वी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का उत्सव मनाती है। विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाली संगीत और नृत्य परंपराओं के माध्यम से, यह खूबसूरती से विविधता में एकता के विचार को प्रदर्शित करती है, जो हमारे गणतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों में से एक है। यह हमें याद दिलाती है कि भारत की शक्ति अनेक पहचानों को समाहित करने की उसकी क्षमता में निहित है।

सीसीआरटी के विद्वानों द्वारा प्रस्तुत विशेष विषयगत प्रस्तुति, मौन से आवाज तक, अंधकार से भोर तक विशेष रूप से सार्थक है। भारतीय शास्त्रीय संगीत की भाषा के माध्यम से, यह भय और दमन से साहस, नवीनीकरण और लोकतांत्रिक पुनरुत्थान तक की यात्रा का वर्णन करती है।

इस समारोह से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण घटना महर्षि दयानंद सरस्वती कला गुरुकुल और कलाग्राम की आधारशिला रखने से संबंधित है, जिसका उद्देश्य ऐसे केंद्र स्थापित करना है जहां भारत की कलात्मक विरासत का अध्ययन और अभ्यास किया जा सके। यह गुरुकुल प्रणाली की सदियों पुरानी परंपरा से प्रेरित है। जिस प्रकार लोकतांत्रिक मूल्यों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है, उसी प्रकार सांस्कृतिक परंपराओं को भी ऐसे संस्थानों की आवश्यकता होती है जो उन्हें संरक्षित और नवीनीकृत कर सकें। इसी सिद्धांत के अनुरूप, सेवा पर्व दर्शाता है कि सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां आज भी लोगों की चेतना और नागरिक भावना पर प्रभाव डालती हैं।

संविधान हत्या दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सभी घटक मिलकर साझा संदेश देते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र केवल राजनीतिक व्यवस्था मात्र नहीं है, बल्कि जीवंत परंपरा है। यह जनभागीदारी से पोषित होता है और जागरूक एवं सचेत नागरिकों द्वारा संरक्षित है। 2047 में स्वतंत्रता शताब्दी की ओर बढ़ते हुए, आइए हम इस भावना को नए सिरे से प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाएं!

-लेखक केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं

# एक बार की इमरजेंसी: हमेशा के लिए एक चेतावनी....

अर्जुन राम मेघवाल

'आपातकाल' शब्द सुनते ही मन में असहजता और चिंता का भाव पैदा होता है। आमतौर पर इसका मतलब होता है कि किसी बड़े उद्देश्य के नाम पर सामान्य नियमों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कुछ समय के लिए रोक दिया जाए। हालांकि, हर तरह का आपातकाल एक जैसा नहीं होता। उदाहरण के लिए, अस्पतालों की आपातकालीन सेवाएं लोगों की जान बचाने का काम करती हैं और संकट के समय तुरंत मदद पहुंचाती हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर युद्ध, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियां भी एक तरह का आपातकाल हैं। इनसे निपटने के लिए दुनिया के सभी देशों को मिलकर काम करना पड़ता है और संकीर्ण सोच से ऊपर उठना पड़ता है।

आज का समाज भी मानो हमेशा जल्दबाज़ी की स्थिति में जी रहा है। हर काम तुरंत करने, फौरन नतीजे पाने और बिना देर किए फैसले लेने की होड़ में लोग एक तरह के अदृश्य और अघोषित आपातकाल का सामना कर रहे हैं। इसके विपरीत, हाल ही में मनाए गए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने हमें शांति, संतुलन, धैर्य और सजगता का महत्व याद दिलाया। इतिहास गवाह है कि मानव समाज ने समय-समय पर अलग-अलग तरह के संकटों का सामना किया है।

लेकिन भारत जैसे प्राचीन सभ्य और लोकतांत्रिक देश के लिए 1975 का राजनीतिक कारणों से लगाया गया 'राष्ट्रीय आपातकाल' सबसे दर्दनाक और चिंताजनक अध्याय रहा है। यह घटना आज भी हमें लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हमेशा सतर्क रहने की सीख देती है।

आज पूरा देश 'संविधान हत्या दिवस' मना रहा है। 1975 में लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास पर एक ऐसा स्थायी दाग है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। आधी सदी बीत जाने के बाद भी उस अंधकारमय और पीड़ादायक दौर की यादें आज भी 'लोकतंत्र की जननी' भारत को झकझोरती हैं।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। साथ ही, यह हमें उन कठिन संघर्षों और बलिदानों की भी याद दिलाता है, जिनकी बदौलत हमें आज़ादी और लोकतांत्रिक अधिकार मिले। इतिहास के इस सबसे कठिन दौर से सीख लेकर हमें अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा सतर्क रहना चाहिए।

भारत एक ऐसा देश है जिसकी सभ्यता और संस्कृति में लोकतांत्रिक परंपराएँ सदियों से रही हैं। यहाँ बहस, संवाद और विचार-विमर्श की समृद्ध परंपरा रही है, जिसने जनभागीदारी पर आधारित शासन व्यवस्था को मजबूत किया। प्राचीन काल की सभा और समिति जैसी संस्थाएँ तथा 12वीं शताब्दी का 'अनुभव मंटप' लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।

हमारा संविधान इन्हीं शाश्वत लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत दस्तावेज है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान को जीवन का ऐसा वाहन, जिसमें युगों की आत्मा समाई हुई है बताया था। लेकिन आपातकाल लागू कर इन मूल लोकतांत्रिक सिद्धांतों को दरकिनार किया गया, जिससे संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की उस पवित्र भावना को गहरी चोट पहुँची।

1975 का राष्ट्रीय आपातकाल केवल एक राजनीतिक घटना नहीं था, बल्कि इसने भारत के लोकतांत्रिक विमर्श और सार्वजनिक जीवन की कार्यप्रणाली को गहराई से प्रभावित किया। इंदिरा गांधी के सत्ता-केंद्रित और स्वार्थपूर्ण शासन ने संविधान की मूल भावना को दरकिनार करते हुए नैतिक शासन व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुँचाया।

1971 के लोकसभा चुनाव में हुई अनियमितताएं, इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला और उनके इस्तीफे की बढ़ती जन-आवाज़, ये भारत में कोई आंतरिक अशांति नहीं थीं। वास्तव में यह संकट स्वयं इंदिरा गांधी के लिए था, जो लंबे समय से परिवारवाद के आधार पर मिली राजनीतिक विरासत का लाभ उठाती रही थीं। लेकिन अपने इस राजनीतिक संकट से निपटने के लिए पूरे देश पर 'आंतरिक अशांति' के नाम पर आपातकाल लागू करना एक गंभीर और गलत फैसला था।

घटनाओं का क्रम इंदिरा गांधी की लोकतंत्र-विरोधी सोच को स्पष्ट रूप से सामने लाता है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनाव याचिका की सुनवाई के दौरान 19 मार्च 1975 को वह अदालत में गवाही देने वाली भारत की पहली प्रधानमंत्री बनीं। इसके बाद 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट की कोर्ट नंबर 24 ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने उनका चुनाव रद्द कर दिया और उन्हें छह वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया।

इसके बाद इंदिरा गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया। 24 जून 1975 को सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर सशर्त रोक लगाई। अदालत ने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में संसद की कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति दी, लेकिन अंतिम फैसला आने तक उन्हें संसद में मतदान करने और वेतन लेने का अधिकार नहीं दिया।

इसके बाद 26 जून की सुबह 6 बजे मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई, जो केवल औपचारिकता निभाने के लिए थी। इस तरह न्यायपालिका की अनदेखी करते हुए और मंत्रिमंडल की सामूहिक जिम्मेदारी को कमजोर करके संविधान की मूल भावना को गंभीर आघात पहुँचाया गया। यह घटना सत्ता के शीर्ष स्तर पर संस्थाओं की गरिमा में आई गिरावट और राजनीतिक सत्ता बचाने के लिए अपनाए गए तानाशाही तरीकों का उदाहरण बन गई।

आपातकाल के दौरान प्रेस की स्वतंत्रता पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया गया। इससे न केवल पत्रकारों और विचार व्यक्त करने वालों की आवाज़ दबा दी गई, बल्कि करोड़ों नागरिकों से सच, पारदर्शिता और जवाबदेही तक पहुँच का अधिकार भी छीन लिया गया।

यह वह दौर था जब देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया गया। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, संविधान सभा की ऐतिहासिक बहसें और लोकतांत्रिक आदर्शों को दरकिनार कर सत्ता-केंद्रित और अलोकतांत्रिक सोच को प्राथमिकता दी गई। शासन के हर क्षेत्र में ऐसा लगने लगा कि राष्ट्र प्रथम की जगह कुर्सी प्रथम का सिद्धांत हावी हो गया है।

नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर रोक लगा दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत मिलने वाली अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने का अधिकार और देश में कहीं भी आने-जाने की स्वतंत्रता एक आदेश से निलंबित कर दी गई। अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा भी लगभग समाप्त हो गई। सबसे गंभीर बात यह रही कि नागरिकों से अनुच्छेद 32 के तहत अदालत जाने का अधिकार भी छीन लिया गया, जिसे संविधान की आत्मा और हृदय कहा जाता है।

इसके साथ ही आंतरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम (मीसा) और डिफेंस ऑफ इंडिया रूल्स (डीआईआर) का कड़ा इस्तेमाल किया गया, जिसके तहत हजारों लोगों को जेल भेज दिया गया। इस तरह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के इस अंधकारमय और दमनकारी दौर के घाव हर नागरिक ने किसी न किसी रूप में महसूस किए।

विडंबना यह है कि आज उसी गांधी परिवार के उत्तराधिकारी राजनीतिक लाभ के लिए लाल रंग की छोटी संविधान की प्रति हाथ में लेकर संविधान की रक्षा का दावा करते हैं।

अतीत के घावों को याद रखते हुए मोदी सरकार ने 11 जुलाई 2024 को जारी राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किया। यह दिन उन सभी लोगों के साहस और योगदान को याद करने तथा सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने राष्ट्रीय आपातकाल का विरोध किया और लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े रहे।

अब वह दौर बीत चुका है, जब असहमति की आवाज़ को दबा दिया जाता था और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके विचारशील लोगों की आवाज़ कुचल दी जाती थी। 21वीं सदी का भारत यह संदेश देता है कि हर समस्या का समाधान चर्चा, बहस, संवाद और लोकतांत्रिक तरीकों से होना चाहिए, ताकि भविष्य में कभी ऐसी स्थिति न आए, जिसमें आपातकाल लगाने की आवश्यकता पड़े। यही लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और लोकतंत्र की भावना को आगे बढ़ाने का सही रास्ता है। हर आपात स्थिति से बाहर निकलने के बाद राहत की अनुभूति होती है। ऐसे कठिन और पीड़ादायक अनुभवों पर विचार करने से भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सीख मिलती है। बुद्धिमान वही हैं, जो अतीत की घटनाओं पर विचार करें, आत्ममंथन करें और उनसे सीख लेकर यह सुनिश्चित करें कि वही गलतियाँ दोबारा न दोहराई जाएँ।

आज, जब हम 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में भारतीय लोकतंत्र के उस सबसे अंधकारमय अध्याय को याद कर रहे हैं, तो हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम हर स्तर पर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक मजबूत करेंगे। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सही मूल्यों को अपनाना और उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। तभी हम राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे और उस भारत के निर्माण में योगदान देंगे, जिसकी कल्पना सदियों पहले स्वामी विवेकानंद ने की थी। उनके शब्दों में- हर राष्ट्र का अपना एक उद्देश्य होता है, हर राष्ट्र के पास दुनिया को देने के लिए एक संदेश होता है और हर राष्ट्र को एक विशेष मिशन पूरा करना होता है।

आइए, मानव गरिमा, विविधता में एकता, संवैधानिक मूल्यों और निस्वार्थ सेवा का भारत का संदेश 21वीं सदी की दुनिया में और अधिक स्पष्ट तथा प्रभावशाली ढंग से गूंजे। यदि हम इन आदर्शों पर दृढ़ता से कायम रहें, तो हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि लोकतंत्र केवल कायम ही न रहे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों तक और अधिक मजबूत तथा समृद्ध होता रहे।

(लेखक, भारत सरकार के केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री हैं)

## वर्ग पहेली नं. 3479

*बायें से दायें :-* 1) ख़ौफ़नाक, 4) आश्चर्यजनक, 7) उथल-पुथल, 8) एक भाषा, 9) संस्था; अधिवेशन, 11) घड़ा, 13) सच्चाई, 15) आधा; चीर्णपर्णी वृक्ष, 16) ज़लज़ला, 18) स्वार्थी, 21) नमकीन, 22) तत्पर; कटिबद्ध; आतुर, 23) एक लंबोतरा मीठा कंद, 25) गुज़ारा, 26) ज़िंदा, 27) क़ालीन, 29) गीला, 30) मंडप, 31) मुक्त.

*ऊपर से नीचे :-* 1) मानसिक असंतोष, 2) पत्नी *(बोलचाल)*; न तू न मैं; यह नहीं, 3) शपथपूर्वक, 4) वस्त्र टाँगने के लिए बँधी रस्सी या बाँस, 5) एक पालतू जानवर, 6) उकसाना, 10) बंधुत्व, 12) मिट्टी का बना बाल्टी जैसा पात्र जिसमें फूल-पौधे लगाए जाते हैं, 14) रुपया-पैसा, 16) अन्न और वस्त्र के कष्ट से पीडित, 17) रणांगण, 19) चौबीसों घंटे, 20) वस्तु, 22) आशा; इच्छा; भरोसा, 24) एक फल, 25) अवशिष्ट, 26) हराना, 28) एक फल.

*(उत्तरः अगले अंक में)*

*पिछली पहेली का उत्तर*

Mob. No. 08329510310

## सुडोकू-पहेली-3438

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | 8 | 6 | 4 |
| | 7 | 3 | | | 5 | | | |
| 1 | | 4 | | 2 | 9 | | | 7 |
| | | | | 5 | | | 4 | |
| | 5 | | 1 | | 8 | 9 | 7 | |
| 9 | 4 | | | 3 | | | 1 | 5 |
| | | | 3 | 9 | 1 | | | 6 |
| 2 | 1 | 7 | | | | | | |
| | 9 | | 2 | | | 5 | | |

**प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।**

••••

**आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।**

**सूडोकू पहेली - 3437 का उत्तर**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 4 | 8 | 6 | 7 | 1 | 5 | 2 | 9 |
| 7 | 6 | 9 | 3 | 5 | 2 | 8 | 4 | 1 |
| 1 | 2 | 5 | 4 | 8 | 9 | 6 | 3 | 7 |
| 8 | 1 | 4 | 7 | 2 | 3 | 9 | 5 | 6 |
| 5 | 9 | 2 | 8 | 4 | 6 | 1 | 7 | 3 |
| 6 | 3 | 7 | 1 | 9 | 5 | 4 | 8 | 2 |
| 4 | 5 | 3 | 9 | 1 | 7 | 2 | 6 | 8 |
| 2 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 3 | 9 | 4 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 3 | 4 | 7 | 1 | 5 |

# चीखों के बीच शुरू हुआ महाअभियान, मंत्री से लेकर सेना तक सब उतरे मैदान में

## तेज फैसले और त्वरित कार्रवाई से बचीं कई जिंदगियां, तारातला हादसे में युद्धस्तर पर राहत-बचाव

**कोलकाता :** तारातला थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट डिपो रोड स्थित एक गोदाम में बुधवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया, जब निर्माण कार्य के दौरान लोहे के ढांचे पर की जा रही कंक्रीट कास्टिंग अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। घटना दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है।

घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मलबे में फंसे लोग मदद के लिए लगातार चिल्ला रहे थे। घटनास्थल का दृश्य बेहद भयावह था। चारों ओर टूटे हुए लोहे और कंक्रीट के ढेर फैले हुए थे, जबकि कई घायलों के खून के निशान भी दिखाई दे रहे थे। अपने परिजनों की तलाश में पहुंचे परिवार के सदस्य रोते-बिलखते नजर आए और बचावकर्मियों से मदद की गुहार लगाते रहे।

सूचना मिलते ही मंत्री इंद्रनील खान तथा भाजपा नेता राकेश सिंह सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इस बीच स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया। शुरुआती घंटों में मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए हाथों और उपलब्ध संसाधनों से प्रयास किए गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए दोपहर करीब 2:30 बजे सेना के जवानों और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने मौके पर पहुंचकर अभियान की कमान संभाली। भारी-भरकम क्रेन मशीनों को तैनात किया गया और विशेष कटर मशीनों की मदद से लोहे तथा कंक्रीट के ढांचों को काटकर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया गया। बचाव अभियान को तेज करने के लिए एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और अन्य एजेंसियों को भी लगाया गया।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार अब तक कुल 21 लोगों (20 पुरुष और 1 महिला) को मलबे से निकालकर एसएसकेएम अस्पताल भेजा गया है। इनमें से पांच लोगों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है।

हादसे के बाद मंत्री डॉ. सारदावत मुखर्जी, मंत्री अग्निमित्रा पॉल तथा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिस, दमकल, सेना और एनडीआरएफ अधिकारियों के साथ बैठक कर बचाव कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी बाद में एसएसकेएम अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों से उनके गृह जिले, कार्यस्थल, चोटों की स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियां लीं तथा बेहतर उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मंत्री इंद्रनील खान लगातार घटनास्थल पर मौजूद रहकर अभियान की निगरानी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह हादसा गोदाम के लोहे के ढांचे पर चल रही कंक्रीट कास्टिंग के अचानक ध्वस्त हो जाने के कारण हुआ। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

# 'जल्द मुलाकात होगी बोलकर अब कभी नहीं लौटेगा रोहित'

❑ **तारातला की घटना में अपने भाई को खोने के बाद फूट-फूटकर रोई बहन**

**कोलकाता, समाज्ञा :** मंगलवार की रात करीब 10 बजे आखिरी बार छोटे भाई से फोन पर बात की थी। उसने कहा था कि बहुत जल्द मुलाकात होगी। लेकिन, रोहित चौधरी अपनी बात नहीं रख सका। तारातला की घटना उसकी मौत हो गई। अपने भाई को खोने के बाद उसकी बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। एसएसकेएम अस्पताल पहुंचने के बाद भी, वह कठोर वास्तविकता को स्वीकार करने में असमर्थ नजर आई। मिली जानकारी के अनुसार, रोहित चौधरी नदिया जिला के कृष्णानगर का निवासी हैं। वह लगभग पांच महीनों से तारातला में इस निर्माणाधीन गोदाम और कोल्ड स्टोरेज में काम कर रहा था। रोहित वेल्डर का काम करता था। वह बुधवार की सुबह भी काम कर रहा था।

दोपहर कारखाने का शेड अचानक धमाके के साथ गिर गया। कृष्णानगर में बैठी बहन को टेलीविजन स्क्रीन पर इस खबर की जानकारी मिली। इसके बाद से उसके मन में बुरे ख्याल आ रहे थे। उसके दिमाग में एकमात्र सवाल चल रहा था कि क्या उस शेड के नीचे उसके भाई तो नहीं? वह अपने पति के साथ एसएसकेएम अस्पताल पहुंची। वहां पहुंचकर उसे पता चला कि उसका डर सच हो गया है। उसके भाई की बेजान शरीर अंदर पड़ी थी। यह सुनकर वह खुद को रोक नहीं पाई। वह बेकाबू होकर रोती रही। रोहित की बहन इस कड़वी सच्चाई को मान नहीं पाई। वह अपने आंसू नहीं रोक पाई।

### बेटे की मौत से पत्थर बनीं बूढ़ी मां, परिवार में इकलौता कमाने वाला था कृष्णा चौधरी

**कोलकाता, समाज्ञा :** छह महीने पहले जूट मिल में नौकरी चली गई थी, जिसके बाद कृष्णा चौधरी (30) ने अपने परिवार का पेट पालने के लिए मेहनत-मजदूरी शुरू कर दी। उसे जहां भी काम मिलता, वह वहीं चला जाता था। हाल ही में, भाटपाड़ा निवासी यह मजदूर तारातला में एक पाइपलाइन प्रोजेक्ट में वेल्डिंग के काम में शामिल हुआ था। बुधवार को तारातला की घटना में उसकी मौत हो गई। परिवार में इकलौते कमाने वाले सदस्य को खोने के बाद मातम पसरा हुआ है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, भाटपाड़ा नगरपालिका के वार्ड 15 के पुर्बाशा इलाके का रहने वाला कृष्णा लंबे समय से भाटपाड़ा रिलायंस जूट मिल में काम कर रहा था। करीब छह महीने पहले छंटनी के कारण उसकी नौकरी चली गई। उसकी बुजुर्ग मां समेत परिवार के कई सदस्य उसकी कमाई पर निर्भर थे। परिवार का खर्च चलाने के लिए उसने जूट मिल के बाहर कई तरह की मजदूरी करना शुरू कर दिया था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि कृष्णा दो दिन पहले तारातला में एक पाइपलाइन प्रोजेक्ट में वेल्डिंग के काम में शामिल हुआ था। इस दिन, गोदाम की छत गिर गई, जिसमें दबकर उसकी मौत की खबर घर पहुंची।

# टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से राहत, गिरफ्तारी वारंट पर रोक बरकरार

**कोलकाता, समाज्ञा :** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी को मानहानि मामले में मध्यप्रदेश हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने उनकी पूर्व में खारिज की गई याचिका को पुनः बहाल करते हुए भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन पर लगी रोक को बरकरार रखने के आदेश दिए हैं। बता दें कि मामला भाजपा नेता आकाश विजयवर्गीय द्वारा वर्ष 2021 में भोपाल स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में दायर मानहानि परिवाद से जुड़ा है। परिवाद में आरोप लगाया गया था कि नवंबर 2020 में कोलकाता में आयोजित एक सार्वजनिक सभा के दौरान अभिषेक बनर्जी ने उन्हें 'गुंडा' कहा था। शिकायतकर्ता का दावा है कि इस टिप्पणी से उनकी और उनके परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष न्यायालय ने 12 नवंबर 2025 को अभिषेक बनर्जी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद, उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर वारंट और परिवाद की वैधता को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया था कि वे एक निर्वाचित सांसद हैं और उनके फरार होने की कोई संभावना नहीं है। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हालांकि, मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष की ओर से पैरवी को लेकर अदालत की नाराजगी सामने आई थी। बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद पर्याप्त पैरवी नहीं होने पर हाई कोर्ट ने 17 जून को याचिका खारिज कर दी थी और गिरफ्तारी वारंट पर लगी अंतरिम रोक भी समाप्त कर दी थी। इसके बाद, अभिषेक बनर्जी की ओर से याचिका को पुनः बहाल करने तथा अंतरिम राहत जारी रखने की मांग करते हुए नया आवेदन प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेजों और परिस्थितियों का अवलोकन किया। इसके बाद, अदालत ने याचिका को रिस्टोर करने की अनुमति देते हुए गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन पर लगी रोक को भी यथावत बनाए रखने का आदेश जारी कर दिया।

### इलाज के लिए विदेश जाने संबंधी अभिषेक बनर्जी की याचिका पर अदालत का तत्काल सुनवाई से इनकार

**कोलकाता, समाज्ञा :** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने सांसद के वकील से सोमवार को अदालत के सामने इस मामले का जिक्र करने को कहा। इलाज के लिए विदेश जाने की अभिषेक बनर्जी की याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए, न्यायाधीश ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि देश में ही इलाज की सुविधाएं मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने 21 मई को, अभिषेक बनर्जी को अप्रैल में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा में की गई उनकी टिप्पणियों को लेकर दर्ज प्राथमिकी के मामले में 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से राहत दी थी। न्यायाधीश ने तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव को जांच में सहयोग करने और अदालत की अनुमति के बिना विदेश नहीं जाने का निर्देश दिया था।

### करोड़ों का सोना बरामदगी के अगले दिन ही महिला तृणमूल नेता अपने पति के साथ गायब, जांच में जुटी पुलिस

**कोलकाता, समाज्ञा**

पुलिस ने बुधवार को बताया कि नदिया जिला परिषद की सदस्य और तृणमूल कांग्रेस नेता टीना भौमिक साहा और उनके पति लापता हो गए हैं। उनके घर से 4.39 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत के तीन किलो से ज्यादा सोने के गहने बरामद होने के एक दिन बाद यह घटना हुई है। पुलिस टीना भौमिक साहा की तलाश कर रही है, जो गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस नेता और बिधाननगर नगर निगम के पूर्व मेयर सब्यसाची दत्ता की करीबी दोस्त हैं।

पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात शुरू हुई और मंगलवार की शाम तक चली तलाशी के दौरान टीना भौमिक साहा और उनके पति नदिया जिले के तेहट्टा में स्थित अपने घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने उनके माता-पिता और ससुरालवालों के घरों की भी तलाशी ली थी। उनकी बुजुर्ग सास ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि यह दंपति सोमवार को एक साथ काम पर गया था और तबसे उनकी अपने बेटे और बहू से कोई बात नहीं हुई है। पड़ोसियों ने बताया कि दोनों को अपनी कार में जाते हुए देखा गया था।

सवाल उठ रहे हैं कि क्या उन्हें अपने घर पर तलाशी की खबर मिल गई थी और उन्होंने घर न लौटने का फैसला किया। आशंका है कि भारी मात्रा में सोने के गहने मिलने के बाद यह दंपति कहीं छिप गया है। दूसरी ओर, बिधाननगर साउथ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने उन्हें बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया है।

# टीएमसी विधायकों ने बजट परियोजनाओं के लिए धन आवंटन को बताया 'अपर्याप्त'

❑ **योजनाओं के लिए धन दिल्ली से आएगा या राज्य के भीतर ही संसाधन जुटाए जाएंगे : कुणाल घोष**

**कोलकाता, समाज्ञा :** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक कुणाल घोष ने बजट में की गई कई घोषणाओं का बुधवार को स्वागत किया जिनमें भर्ती और कर्मचारियों एवं अनुबंध पर काम करने वालों के वेतन बढ़ाने के प्रस्ताव शामिल हैं। उन्होंने इन योजनाओं के लिए कोष के स्रोत के बारे में स्पष्ट जानकारी भी मांगी। इस दिन, विधानसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए घोष ने कहा कि टीएमसी का मानना है कि भाजपा नीत सरकार को कामकाज को पटरी पर लाने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता की लोगों को राहत देने और नए रोजगार सृजित करने की योजना का पूरी तरह समर्थन करता हूं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इन योजनाओं के लिए धन दिल्ली से आएगा या राज्य के भीतर ही संसाधन जुटाए जाएंगे। घोष ने कहा कि दासगुप्ता के बजट भाषण में बार-बार केंद्र सरकार का ज़िक्र किया गया और यह बात दोहराई गई कि दिल्ली पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बंगाल बेहतर है। टीएमसी विधायक ने कहा कि यदि बजट प्रस्तावों में आय के स्रोत और राजस्व अर्जन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई होती, तो घोषित विभिन्न परियोजनाओं के वित्तपोषण को लेकर सवाल नहीं उठते। वित्त मंत्री दासगुप्ता ने मध्यम अवधि के वित्तीय नीति वक्तव्य और राजकोषीय नीति के संबंध में बयान पेश किया, जिसके बाद बजट पर चर्चा शुरू हुई।

❑ **कई परियोजनाओं के लिए अधिक वित्तीय आवंटन की आवश्यकता : समीर जाना**

टीएमसी विधायक समीर जाना ने कई कल्याणकारी और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का स्वागत किया लेकिन कहा कि कुछ योजनाओं के लिए किए गए बजट प्रावधान अपर्याप्त प्रतीत होते हैं। समीर जाना ने कहा कि 22 जून को प्रस्तुत बजट में घोषित कई परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिक वित्तीय आवंटन की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता 20 प्रतिशत बढ़ाने के बीजेपी सरकार के फैसले का भी स्वागत किया। जाना ने कहा कि सरकार ने कई बड़ी और महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। हमें उम्मीद है कि केंद्र सरकार बजट में प्रस्तावित आधारभूत परियोजनाओं को लागू करने के लिए जरूरी आर्थिक मदद देगी।

❑ **टीएमसी के शासनकाल में औद्योगिक केंद्रों में लगातार गिरावट देखी गई : हिरण्मय चट्टोपाध्याय**

चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा विधायक हिरण्मय चट्टोपाध्याय ने कहा कि बजट सिर्फ एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि राज्य के आर्थिक पुनरुद्धार का खाका है। चट्टोपाध्याय ने दावा किया कि पिछली सरकार के समय औद्योगिक विकास पर बुरा असर पड़ा था। उन्होंने कहा कि टीएमसी के शासनकाल में एक दशक से ज़्यादा समय तक हावड़ा और हल्दिया, दुर्गापुर व खड़गपुर जैसे औद्योगिक केंद्रों में लगातार गिरावट देखी गई। चांचल से भाजपा विधायक प्रसून बनर्जी ने कहा कि बजट में राज्य के विकास को गति देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण उपाय शामिल हैं।

❑ **टीएमसी विधायक दिनेन रॉय ने उत्तर बंगाल की घोषणा की सराहना की**

खड़गपुर सदर से टीएमसी विधायक दिनेन रॉय ने उत्तर बंगाल में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और अन्य मेडिकल एवं शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने की घोषणा के लिए राज्य सरकार की सराहना की।

### 29 जून को विधानसभा का विशेष सत्र, भ्रष्टाचार के खिलाफ नया बिल पेश करेगी सरकार

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य की नई भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की घोषणा के बाद राज्य सरकार भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्तियों को जब्त और नीलाम करने के लिए एक नया सख्त भ्रष्टाचार विरोधी कानून लाने जा रही है। इस कानून को जल्द पारित कराने के लिए 29 जून को राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी है। विधानसभा सूत्रों के अनुसार, मौजूदा बजट सत्र का पहला चरण 25 जून तक निर्धारित था और दूसरा चरण 7 जुलाई से शुरू होना है। लेकिन, मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद राज्य सरकार इस विधेयक को जल्द लागू करना चाहती है। इसी कारण 29 जून को विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी है।

**Change of Name**

I, Shubham Singh (formerly known as Subham Singh), son of Rakesh Kumar Singh, residing at 12A, Orphangunj Road, Alipore, Kolkata – 700023, do hereby solemnly affirm and declare that I have changed the spelling of my name from "Subham Singh" to "Shubham Singh" through Affidavit No. 54397 sworn before the Learned 1st Class Judicial Magistrate at Alipore on 24th June 2026.I further declare that the names "Subham Singh" and "Shubham Singh" refer to one and the same person, and henceforth I shall be known and identified as "Shubham Singh" for all purposes.

**Change of Name**

I, Lalan Kumar Gupta, son of Tejilal Sah, residing at 88/6, Bhairab Dutta Lane, Bamungachi, Howrah -711106, do hereby solemnly affirm and declare that my father's actual name is Tejilal Prasad Gupta and Tejilal Sah and Tejilal Prasad Gupta is the same and one identical person via affidavit in the Court of Ld Executive Magistrate 1st Class at Howrah dated 23rd June 2026.

I, Neha Gupta, wife of Anand Kumar Gupta, residing at 212, Girish Ghosh Road, Block-F, Flat No.703, Rangoli Mall, Belur, Howrah - 711202, do hereby solemnly affirm and declare that my mother's actual name is Mithlesh Gupta and Mithlesh Gupta and Mithilesh Gupta is the same and one identical person via affidavit in the Court of Ld Executive Magistrate 1st Class at Howrah dated 23rd June 2026.

**पूर्व रेलवे**

**ई-नीलामी आमंत्रण सूचना**

**ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/20 दिनांक : 23.06.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे के तहत तारकेश्वर स्टेशन, बर्द्धमान स्टेशन और हावड़ा स्टेशन के पास गुलमोहर कॉलनी, डॉबसन रोड में **मल्टी-शॉपिंग आर्केड** की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव हेतु अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-20, नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 08.07.2026 को 14.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं.** और **विवरण** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-टीएके-एसटीजीईएन-79-26-2 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत तारकेश्वर रेलवे स्टेशन पर मल्टी-शॉपिंग आर्केड की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एए/2,** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-एसटीजीईएन-80-26-2 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत बर्द्धमान रेलवे स्टेशन पर मल्टी-शॉपिंग आर्केड की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एए/3,** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-एसटीजीईएन-83-26-2 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास गुलमोहर कॉलोनी, डॉबसन रोड में मल्टी-शॉपिंग आर्केड की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। प्रत्याशित बोलीदाताओं को विस्तृत विवरण के लिए ई-ऑक्शन मॉड्यूल के माध्यम से आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने का अनुरोध किया जाता है। HWH-171/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

**उत्तर रेलवे के तहत ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन**

उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर विभिन्न स्थानों में दिनांक 24.06.2026 से 13.09.2026 तक की अवधि के दौरान विभिन्न समय में ब्लॉक के कारण, निम्नलिखित ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन निम्नानुसार किया जाएगा: • **13035/13036 हावड़ा-देहरादून-हावड़ा उपासना एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 24.06.2026 से 13.09.2026) और **13037/13038 हावड़ा-देहरादून-हावड़ा कुंभ एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 24.06.2026 से 13.09.2026) दोनों दिशाओं में उतरेटिया-लखनऊ-आलमनगर के बदले उतरेटिया-ट्रॉसपोर्ट नगर-आलमनगर होकर मार्ग परिवर्तित करेंगी। • **09451 गांधीधाम - भागलपुर स्पेशल** (यात्रा शुरू दिनांक 26.06.2026, 03.07.2026 एवं 10.07.2026) और **09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल** (यात्रा शुरू दिनांक 29.06.2026 एवं 06.07.2026) दोनों दिशाओं में मानक नगर-लखनऊ-मल्हौर के बदले मानक नगर-ऐशबाग-मल्हौर होकर मार्ग परिवर्तित करेंगी और दोनों ट्रेनें लखनऊ स्टेशन पर नहीं रुकेंगी एवं परिवर्तित मार्ग पर ऐशबाग और बादशाहनगर स्टेशनों पर रुकेंगी। • **13430 आनंद विहार (टी) - मालदा टाउन एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 27.06.2026, 04.07.2026 एवं 11.07.2026) आलमनगर-लखनऊ-उतरेटिया के बदले आलम नगर-ट्रॉसपोर्ट नगर-उतरेटिया होकर मार्ग परिवर्तित करेगी और यह ट्रेन लखनऊ स्टेशन पर नहीं रुकेगी एवं परिवर्तित मार्ग पर आलमनगर और उतरेटिया स्टेशनों पर रुकेगी। • **13065 हावड़ा-आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 16, 23, 30.07.2026, 06, 13, 20, 27.08.2026, 03 और 10.09.2026) उतरेटिया-लखनऊ-आलमनगर के बदले उतरेटिया-ट्रॉसपोर्ट नगर-आलमनगर होकर मार्ग परिवर्तित करेगी और यह ट्रेन लखनऊ स्टेशन पर नहीं रुकेगी एवं परिवर्तित मार्ग पर उतरेटिया और आलमनगर स्टेशनों पर रुकेगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

**पूर्व रेलवे**

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

**पूर्व रेलवे**

**शुद्धिपत्र 1**

**ई-निविदा सूचना सं. एसजी. निविदा/डीवाईसीपीएम/एस एंड टी/एसएन/01 दिनांक 17.06.2026**

ई-निविदा संख्या डीसीपीएम-जीएस-एसएनटी-एसएन-01-26-27 दिनांक 17.06.2026 के प्रकाशन के लिए शुद्धिपत्र संख्या 1 जो कि उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट/एस एंड टी, सियालदह द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए पूर्व में प्रकाशित की गई थी- न्यू मदनपुर, छोटाअमबोना, तापसी और सोनाचारा स्टेशनों पर अनुमोदित एसआईपी के अनुसार यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के सिलसिले में दुमका-बासुकीनाथ और दुमका-बारापलासी खंडों में न्यू मदनपुर (एमपीयूआर) स्टेशन पर, अंडाल जंक्शन (यूडीएल)-सीतारामपुर (एसटीएन) खंड में तापसी (टीओपी) स्टेशन पर और सीतारामपुर (एसटीएन)-प्रधानखांटा (पीकेए) खंड में छोटाअमबोना (सीएएम) स्टेशन पर नवीनतम संशोधनों के साथ आरडीएसओ ईआई विनिर्देश आरडीएसओ/एसपीएन/192/2019 के अनुरूप नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) सिस्टम के प्रावधान के संबंध में एस एंड टी कार्य; अंडाल जंक्शन (यूडीएल)-सीतारामपुर (एसटीएन) खंड में सोनाचारा (एसएससीआर) स्टेशन पर मौजूदा अलसांडो (हिताची) प्रस्तुतकारक माइक्रोलोक-II ईआई सिस्टम में बदलाव/परिवर्तन और आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे के मार्शलिंग यार्ड में अंडाल नये आरओएच शेड में साइट की ज़रूरतों के अनुसार विभिन्न एस एंड टी आइटमों के संबंधित एस एंड टी कार्य। उपर्युक्त प्रकाशित ई-निविदा संख्या डीसीपीएम-जीएस-एसएनटी-एसएन-01-26-27 दिनांक 17.06.2026 में निम्नलिखित शुद्धिपत्र प्रकाशित किए गए हैं:- 1.निविदाकागजात4ईआई (फाइल का नाम- ASNtenderdocument 22.06.26final11.pdf) जोड़ा गया है। 2. अनुसूची 1- आइटम नं. 273 में शामिल है-आइटम का विवरण सोनाचारा (एसएससीआर) ईआई परिवर्तन कार्य:- नवीनतम आरडीएसओ दिशानिर्देशों /टीएएन के अनुसार हिताची (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग) के मौजूदा वितरित (सेंट्रल +2 ईआई हट) ईआई माइक्रोलोक-II प्रस्तुतकारक में संशोधन/परिवर्तन। इसमें शामिल हैं: मौजूदा इंटरफेस और इंटरलॉकिंग सर्किट एवं ईआई सिस्टम के लॉजिक में डिजाइन और संशोधन जिसमें शामिल है वीडीयू (वीडियो डिस्प्ले यूनिट)/एलसीपी (लोकल कंट्रोल पैनल)/सीसीआईपी (कंट्रोल कम इंडिकेशन पैनल), मेंटेनेंस टर्मिनल (एमपीसी), डेटा लॉगर, रिले रैक वायरिंग में संशोधन। संपूर्ण कार्य नवीनतम आरडीएसओ विनिर्देशों और दिशानिर्देशों एवं अनुमोदित एसआईपी और सर्किट आरेखों के अनुसार पालन करना चाहिए। सभी ईआई सामग्री (इंटरफ़ेस कार्ड / वायरिंग सामग्री / कनेक्टर / फ्यूज / संचार उपकरण आदि) ठेकेदार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। इस कार्य में संशोधित चयन तालिका की आपूर्ति भी शामिल है यदि आवश्यकता हो तो , इंटरफेस सर्किट, वीडीयू / एलसीपी / सीसीआईपी आरेख और सभी आवश्यक ईआई हार्डवेयर कार्ड, कनेक्टर और वायरिंग सामग्री, फ्यूज आदि जो संशोधित अनुमोदित एसआईपी के अनुरूप हैं। इसमें रेलवे के साथ संयुक्त रूप से एफएटी, एसएटी (जैसा लागू हो) और संतोषजनक कमीशनिंग भी शामिल है। सभी योजनाएं/ड्राइंग/सर्किट आदि ऑटोकैड पर तैयार किए जाने चाहिए, पेन ड्राइव पर सॉफ्टकॉपी की आपूर्ति की जानी चाहिए और हार्ड कॉपी के 06 सेट भी आपूर्ति की जानी चाहिए। संबंधित एप्लिकेशन लॉजिक और इंटरफेस सर्किट के साथ ईआई सिस्टम का पुनः डिजाइन। फैक्ट्री एक्सेप्टेंस टेस्ट (एफएटी) - टेस्टिंग और कमीशनिंग सपोर्ट। प्रस्तावित प्रोग्राम की स्थापना। (iv)एनडीकेआर1/आरडीकेआर1 का कार्यान्वयन। दस्तावेज़ की आपूर्ति (इंटरफ़ेस सर्किट और एप्लिकेशन लॉजिक सर्किट) (यह सीडी / पेन ड्राइव और हार्ड कॉपी में 6 सेट में आपूर्ति की जाएगी)। रिले की आपूर्ति रेलवे द्वारा की जाएगी। ईआई सामग्री का निरीक्षण आरडीएसओ किया जाएगा और वायरिंग सामग्री जैसी अन्य सामग्री का निरीक्षण कंसाइनी अधिकारियों द्वारा किया जाएगा, को जोड़ा जाता है। 3. निविदा कागजात (फाइल का नाम-ASNtenderdocument 17.06.26final1.pdf) हटा दिया गया है। 4. अनुसूची 1- आइटम नं. 4 में शामिल है-आइटम का विवरण:- नवीनतम आरडीएसओ दिशानिर्देशों / टीएएन के अनुसार हिताची (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग) के मौजूदा वितरित (सेंट्रल +2 ईआई हट) ईआई माइक्रोलोक-II प्रस्तुतकारक में संशोधन/परिवर्तन। इसमें शामिल हैं: मौजूदा इंटरफेस और इंटरलॉकिंग सर्किट एवं ईआई सिस्टम के लॉजिक में डिजाइन और संशोधन जिसमें शामिल है वीडीयू (वीडियो डिस्प्ले यूनिट)/एलसीपी (लोकल कंट्रोल पैनल)/सीसीआईपी (कंट्रोल कम इंडिकेशन पैनल), मेंटेनेंस टर्मिनल (एमपीसी), डेटा लॉगर, रिले रैक वायरिंग में संशोधन। संपूर्ण कार्य नवीनतम आरडीएसओ विनिर्देशों और दिशानिर्देशों और अनुमोदित एसआईपी एवं सर्किट आरेखों के अनुसार पालन करना चाहिए। सभी ईआई सामग्री (इंटरफ़ेस कार्ड / वायरिंग सामग्री / कनेक्टर / फ्यूज / संचार उपकरण आदि) ठेकेदार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। इस कार्य में संशोधित चयन तालिका की आपूर्ति भी शामिल है यदि आवश्यकता हो तो , इंटरफेस सर्किट, वीडीयू / एलसीपी / सीसीआईपी आरेख और सभी आवश्यक ईआई हार्डवेयर कार्ड, कनेक्टर और वायरिंग सामग्री, फ्यूज आदि जो संशोधित अनुमोदित एसआईपी के अनुरूप हैं। इसमें रेलवे के साथ संयुक्त रूप से एफएटी, एसएटी (जैसा लागू हो) और संतोषजनक कमीशनिंग भी शामिल है। सभी योजनाएं/ड्राइंग/सर्किट आदि ऑटोकैड पर तैयार किए जाने चाहिए, पेन ड्राइव पर सॉफ्टकॉपी की आपूर्ति की जानी चाहिए और हार्ड कॉपी के 06 सेट भी आपूर्ति की जानी चाहिए। संबंधित एप्लिकेशन लॉजिक और इंटरफेस सर्किट के साथ ईआई सिस्टम का पुनः डिजाइन। फैक्ट्री एक्सेप्टेंस टेस्ट (एफएटी) - टेस्टिंग और कमीशनिंग सपोर्ट। प्रस्तावित प्रोग्राम की स्थापना। (iv)एनडीकेआर1/आरडीकेआर1 का कार्यान्वयन। दस्तावेज़ की आपूर्ति (इंटरफ़ेस सर्किट और एप्लिकेशन लॉजिक सर्किट) (यह सीडी / पेन ड्राइव और हार्ड कॉपी में 6 सेट में आपूर्ति की जाएगी)। रिले की आपूर्ति रेलवे द्वारा की जाएगी। ईआई सामग्री का निरीक्षण आरडीएसओ किया जाएगा और वायरिंग सामग्री जैसी अन्य सामग्री का निरीक्षण कंसाइनी अधिकारियों द्वारा किया जाएगा, को हटाया जाता है। SDAH-97/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

# कोलकाता में मोहर्रम जुलूस में हथियारों के प्रदर्शन और डीजे पर रोक

## ताजिया की ऊंचाई भी रहेगी नियंत्रित, अतिरिक्त बलों की तैनाती

**कोलकाता, समाज्ञा :** मुहर्रम के मौके पर कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए कोलकाता पुलिस ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पुलिस ने साफ कर दिया है कि इस बार मुहर्रम के जुलूसों में किसी भी प्रकार के हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही डीजे बजाने और अत्यधिक ऊंचे ताजिए निकालने पर भी रोक लगा दी गई है। कोलकाता पुलिस ने बुधवार को बताया कि इस संबंध में मंगलवार की शाम को उसके अधिकार क्षेत्र के सभी थानों को निर्देश भेज दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ये फैसले शहर में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के

फाइल फोटो

उद्देश्य से लिए गए हैं। बता दें कि अगले शुक्रवार को कोलकाता समेत पूरे राज्य में मुहर्रम मनाया जाएगा। इसे देखते हुए संबंधित पुलिस थानों के डिप्टी कमिश्नर स्तर के अधिकारियों ने विभिन्न थाना प्रभारियों के साथ बैठक की। इस दौरान लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी निर्देशों की जानकारी सभी थानों को दी गई।

पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया कि मुहर्रम के दौरान किसी भी नए जुलूस को अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल वही जुलूस निकल सकेंगे, जो कई वर्षों से परंपरागत रूप से आयोजित होते आ रहे हैं। इसके अलावा, किसी भी जुलूस में हथियारों का प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस ने ताजियों की ऊंचाई को लेकर भी विशेष निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि ताजिए जरूरत से ज्यादा ऊंचे नहीं होने चाहिए, ताकि बिजली के तारों, केबलों और अन्य ढांचों को नुकसान न पहुंचे तथा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कोलकाता पुलिस ने यह भी आदेश दिया कि किसी भी जुलूस में डीजे का इस्तेमाल नहीं होगा। यदि माइक या लाउडस्पीकर का उपयोग किया जाता है, तो उसे कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा निर्धारित ध्वनि सीमा के भीतर ही रखना होगा। जुलूस आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी तरह का ध्वनि प्रदूषण न फैले। पुलिस ने संवेदनशील या भड़काऊ संदेशों से भी बचने की सलाह दी है और अधिकारियों को ऐसे मामलों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, जुलूस आयोजकों के साथ बैठक कर सभी नियमों की जानकारी देने को कहा गया है। शुक्रवार को जिन रास्तों से मुहर्रम के जुलूस गुजरेंगे, वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि पूरे आयोजन के दौरान शांति और आपसी भाईचारा बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

# संपत्ति हड़पने के मामले में पूर्व टीएमसी विधायक अतिन घोष और बेटी पर मुकदमा, पूछताछ के लिए तलब

**कोलकाता, समाज्ञा :** तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक अतिन घोष, उनकी बेटी और दामाद के खिलाफ संपत्ति हड़पने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व विधायक और उनकी बेटी तथा दमाद पर पूर्व कोलकाता में करीब चार करोड़ रुपये कीमत के तीन-मंजिला बंगले और उससे सटी जमीन पर करीब नौ साल तक अवैध रूप से कब्जा रखने का आरोप है। घोष और उनकी बेटी ने आरोपों से इनकार किया है। कोलकाता के पूर्व उप महापौर की बेटी ने उन पर लगे आरोपों को बेबुनियाद करार देते हुए कहा कि वह 'झूठे और दुर्भावनापूर्ण आरोपों' के लिए मानहानि का मुकदमा दायर करेंगी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बिधाननगर की एक महिला व्यवसायी की

शिकायत के आधार पर अतिन घोष, उनकी बेटी प्रियदर्शिनी घोष और उनके दामाद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता कमलिनी पॉल ने आरोप लगाया कि पूर्वी कोलकाता के प्रगति मैदान इलाके में स्थित मकान और भूखंड को उनसे जबरन बाजार भाव से बहुत कम कीमत पर ले लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घोष के खिलाफ जमीन हड़पने, आपराधिक धमकी देने, धोखाधड़ी और साजिश रचने समेत कई सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें लिखित शिकायत मिली है और मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोप भूखंड और मकान का जबरन बैनामा कराने से जुड़े हैं। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता द्वारा जमा किए गए दस्तावेजी सबूतों की जांच की जा रही है और सभी संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे। मामले की जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि शिकायत शुरू में कोलकाता पुलिस के प्रगति मैदान पुलिस थाने में दर्ज कराई गई थी और बाद में जांच के लिए इसे बिधाननगर उत्तर पुलिस थाना भेज दिया गया, क्योंकि यह संपत्ति उसके अधिकार क्षेत्र में आती है। अधिकारी ने कहा कि घोष को जांचकर्ताओं के सामने इसी सप्ताह पूछताछ के लिए पेश होने के लिए एक नोटिस जारी किया गया है।

### मुर्शिदाबाद में ड्यूटी के दौरान वज्रपात से बीएसएफ जवान की मौत

**मुर्शिदाबाद :** जिले में ड्यूटी के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान की मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान विनीत कुमार दुबे (46) के रूप में हुई है। वह 71वीं बटालियन में तैनात थे और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात विनीत कुमार दुबे मुर्शिदाबाद के जंगीपुर क्षेत्र स्थित बाबुरा घाट सीमा चौकी पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान मिथुपुर इलाके में अचानक तेज आंधी, बारिश और वज्रपात शुरू हो गया। वज्रपात की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी जवान उन्हें जंगीपुर उपमंडल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद जवान का पार्थिव शरीर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक घर कन्नौज, उत्तर प्रदेश भेजा जाएगा।

## मिड-डे मील के फर्जी मेन्यू की तस्वीरें वायरल, इस्कॉन ने अफवाहों को बताया 'फर्जी'

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य में इस्कॉन द्वारा मिड डे मील का भोजन देने के मुद्दे पर हंगामा जारी है। दावा किया जा रहा है कि मिड डे मील से अंडे को हटा दिया गया है। टीएमसी ने इसकी आलोचना की है। अब सोशल मीडिया पर मिड डे मील में परोसे जाने वाले खाने का मेन्यू साझा किया जा रहा है। इस पर, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे कथित नए मेन्यू संबंधी पोस्टों को फर्जी और भ्रामक बताया है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता राधारमण दास ने एक सोशल मीडिया बयान जारी कर लोगों से ऐसी पोस्टों के झांसे में न आने की अपील की है। अपने बयान में दास ने उन वायरल पोस्टों को भी साझा किया, जिनमें इस्कॉन द्वारा परोसे जाने वाले प्रस्तावित मिड-डे मील का कथित मेन्यू दिखाया गया था। उन्होंने साफ किया कि ये पोस्ट पूरी तरह काल्पनिक और भ्रामक हैं। वायरल पोस्ट में सप्ताह के अलग-अलग दिनों के लिए भोजन की सूची दी गई थी, जिसमें परोसे जाने वाले खाने को लेकर कई तरह के दावे किए गए थे। आलोचकों का कहना था कि इस मेन्यू में पर्याप्त पोषणयुक्त सामग्री का अभाव है। अब राधारमण दास ने सफाई देते हुए कहा कि मेरे जानकारी में आया है कि कुछ लोग कोलकाता में मिड-डे मील के लिए एक कथित प्रस्तावित मेन्यू साझा कर रहे हैं। मैं साफ करना चाहता हूं कि अभी तक ऐसा कोई मेन्यू फाइनल नहीं किया गया है और यह सूची हमारी ओर से जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मेन्यू तय होने के बाद इस्कॉन इसकी आधिकारिक घोषणा करेगा। साथ ही, लोगों से गलत और भ्रामक सूचनाओं को साझा करने से बचने का आग्रह किया।

## केन्याई प्रतिनिधिमंडल और सीडबल्यूबीटीए की बैठक में भारत-केन्या व्यापारिक सहयोग पर जोर

**कोलकाता, समाज्ञा :** भारत और केन्या के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कोलकाता स्थित कॉन्फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशन्स (सीडबल्यूबीटीए) के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में केन्या के हाई कमिश्नर एम्बेसडर पीटर मुनिरी (ओजीडबल्यू) और केन्याई दूतावास की काउंसलर (पॉलिटिकल) जेन कारिउकी ने भाग लिया। दोनों अतिथियों का सीडबल्यूबीटीए की ओर से गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर केन्या के ऑनरेरी काउंसल (कोलकाता) प्रणय पोद्दार ने दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बैठक की अध्यक्षता सीडबल्यूबीटीए के प्रेसिडेंट सुशील पोद्दार ने की। चर्चा के दौरान भारत और केन्या के बीच आयात-निर्यात को बढ़ावा देने, व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा निवेश के नए अवसरों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि जे. एल. बर्डिया, प्रदीप लुहारीवाला, विनोद के. संचेती, एन. के. कपाड़िया, एस. के. चौरड़िया और आर. के. राठी सहित कई वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने के लिए

अपने सुझाव साझा किए।

हाई कमिश्नर एम्बेसडर पीटर मुनिरी ने भारतीय निवेशकों को केन्या में उपलब्ध व्यापारिक अवसरों और निवेश-अनुकूल नीतियों की जानकारी दी। सीडबल्यूबीटीए के पदाधिकारियों ने इस बैठक को दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे पश्चिम बंगाल के व्यापारियों को अफ्रीकी बाजारों में नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही भविष्य में निवेश और व्यापारिक साझेदारी को नई गति मिलने की उम्मीद भी जताई गई।

## मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद नदिया में छात्रा की मौत के मामले में दो और गिरफ्तार

**कोलकाता, समाज्ञा**

नदिया जिले में एक छात्रा की हत्या के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिसके बाद इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 13 हो गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का विधानसभा में आश्वासन दिए जाने के 24 घंटे से भी कम समय में ये गिरफ्तारियां हुईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि साबिर शेख और जियारुल शेख नाम के दो लोगों को मंगलवार की देर रात एक अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया और उन्हें बुधवार को अदालत में पेश किया गया। उल्लेखनीय है कि नदिया जिले के कालीगंज निवासी 13 वर्षीय छात्रा तमन्ना खातून की पिछले साल 23 जून को कालीगंज विधानसभा उपचुनाव के नतीजे आने के बाद तृणमूल कांग्रेस के विजय जुलूस के दौरान फेंके गए बम की चपेट में आने से मौत हो गई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना में शामिल सभी लोगों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 'जांच आगे बढ़ रही है और न्याय सुनिश्चित करने के लिए सभी कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि तमन्ना की मां सबीना यास्मीन ने मंगलवार शाम विधानसभा में मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी।

# राज्य में झूठे राजनीतिक मुकदमों के पीड़ितों को मिलेगा 5000 का 'संग्रामी भत्ता'

- **सभी दलों के कार्यकर्ताओं को मिलेगा फायदा**
- **आपातकाल में जेल गए पत्रकारों को 10,000 रुपये की सहायता**
- **राजनीतिक हिंसा पीड़ितों के 315 परिवारों को 5 लाख रुपये**

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य की नई सरकार ने अपना पहला पूर्ण बजट पेश करते हुए राज्य के नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का पिटारा खोल दिया है। वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता द्वारा पेश किए गए वर्ष 2026-27 के बजट में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करने वाली योजना 'संग्रामी भत्ता' रही। इस योजना के तहत पूर्ववर्ती शासनकाल में

राजनीतिक प्रतिशोध, लोकतांत्रिक आंदोलनों में भाग लेने अथवा वैचारिक मतभेदों के कारण झूठे मुकदमों का शिकार हुए नागरिकों को राज्य सरकार की ओर से प्रति माह 5,000 रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस योजना को लेकर स्पष्ट किया कि यह कोई खैरात या वित्तीय सहायता नहीं है, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ने वाले 'संग्रामियों' के प्रति राज्य सरकार का एक सर्वोच्च सम्मान है। इस योजना का लाभ सभी राजनीतिक दलों और संगठनों के उन कार्यकर्ताओं को मिलेगा जो दमनकारी नीतियों के शिकार हुए थे। इसके अलावा, बजट में आपातकाल के दौरान जेल जाने वाले निर्भीक पत्रकारों के लिए 10,000 रुपये और सामान्य सेवानिवृत्त पत्रकारों के लिए पेंशन राशि को 2,000 से बढ़ाकर 5,000 रुपये करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। राजनीतिक हिंसा में मारे गए 315 परिवारों को 5 लाख रुपये की सहायता और रोजगार देने की भी घोषणा की गई है।

## अरक्कोनम स्टेशन पर नॉन - इंटरलॉकिंग कार्य के कारण रेल परिचालन प्रभावित

**कोलकाता, समाज्ञा :** दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के अंतर्गत अरक्कोनम स्टेशन पर नॉन - इंटरलॉकिंग कार्य किए जाने के कारण रेल परिचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। इस कार्य के चलते कई लंबी दूरी की ट्रेनों के मार्ग को डायवर्ट किया गया है। जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 22306 जसीडीह-एसएमवीबी बेंगलुरु एक्सप्रेस, जिसकी यात्रा 26 जून 2026 को प्रारंभ होगी, अब अपने निर्धारित रास्ते की जगह गुडूर, रेनीगुंटा, तिरुत्तणी, मेलपक्कम और कातपाडी के रास्ते चलेगी और इस दौरान यह ट्रेन पेरम्बूर स्टेशन पर नहीं रुकेगी। इसी प्रकार, 12503 एसएमवीबी बेंगलुरु-अगरतला एक्सप्रेस, जिसकी यात्रा 26 जून 2026 को शुरू होगी और 12504 अगरतला- एसएमवीबी बेंगलुरु एक्सप्रेस, जिसकी यात्रा 28 जून 2026 को होगी, दोनों ट्रेनों को भी परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा, जो कातपाडी, मेलपक्कम, तिरुत्तणी, रेनीगुंटा और गुडूर होकर गुजरेगा और इन दोनों ट्रेनों का पेरम्बूर स्टेशन पर ठहराव रद्द रहेगा। इसके अलावा, 22305 एसएमवीबी बेंगलुरु-जसीडीह एक्सप्रेस, जिसकी यात्रा 28 जून 2026 को निर्धारित है, उसे भी मेलपक्कम, अरक्कोनम, रेनीगुंटा और गुडूर के मार्ग से डायवर्ट किया गया है और इस ट्रेन का भी पेरम्बूर स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा।

## दो पद्म नेताओं को कारण बताओ नोटिस, अस्थायी रूप से निलंबित

**बर्दवान :** विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से बर्धमान शहर, बर्दवान उत्तर विधानसभा क्षेत्र तथा जामालपुर में भारतीय जनता पार्टी के भीतर गुटबाजी लगातार खुलकर सामने आ रही है। कई स्थानों पर वसूली, आपसी संघर्ष और संगठन विरोधी गतिविधियों के आरोप भी लगे हैं। पार्टी के पुराने और नए नेताओं के बीच टकराव तथा राजनीतिक हिंसा की घटनाओं ने संगठन की चिंता बढ़ा दी है। राज्य नेतृत्व की ओर से कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

इसी पर कड़ा रुख अपनाते हुए भारतीय जनता पार्टी के राज्य नेतृत्व ने दो नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। पार्टी की ओर से बर्धमान उत्तर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी संजय दास तथा जामालपुर मंडल अध्यक्ष प्रधानचंद्र पाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। दोनों नेताओं पर संगठन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने तथा पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं।

भाजपा के राज्य अनुशासन समिति प्रमुख प्रताप बंद्योपाध्याय द्वारा जारी पत्र में दोनों नेताओं को सात दिनों के भीतर लिखित जवाब देने का निर्देश दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि उनके खिलाफ प्राप्त शिकायतों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। इसलिए अंतिम निर्णय होने तक दोनों नेताओं को तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से निलंबित किया जाता है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, चुनाव के बाद विभिन्न क्षेत्रों में संगठन के भीतर बढ़ती खींचतान और सार्वजनिक रूप से सामने आ रहे विवादों को लेकर राज्य नेतृत्व काफी चिंतित है। नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक कलह का असर संगठन की छवि और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर पड़ रहा है। इसी कारण अनुशासन बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई का फैसला लिया गया है।

इस घटनाक्रम के बाद बर्धमान और जामालपुर के राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। अब सबकी नजर दोनों नेताओं के जवाब और राज्य नेतृत्व के अगले कदम पर टिकी हुई है। भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट संकेत दिया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों या अनुशासनहीनता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### वैश्विक झटकों के बीच भारत की मजबूती बरकरार : पीएल एसेट मैनेजमेंट

**कोलकाता :** पीएल कैपिटल ग्रुप की एसेट मैनेजमेंट कंपनी पीएल एसेट मैनेजमेंट ने मई 2026 के लिए अपना पीएमएस मंथली न्यूज़लेटर जारी किया है। इसमें बताया गया है कि भारतीय बाजारों ने हाल के वर्षों के सबसे चुनौतीपूर्ण बाहरी माहौल का सफलतापूर्वक सामना किया है। फंडमैनेजरऔर हेड, एसेटमैनेजमेंट, पीएलकैपिटल का नजरिया वैश्विक शेयर बाजारों की बढ़त अब तेजी से सिर्फ एआई और सेमीकंडक्टर से जुड़े बाजारों तक ही सिमट कर रह गई है। मई के महीने में दक्षिण कोरिया में 28.45%, ताइवान में 14.92% और नैस्डैक 100 में 10.49% की तेजी आई, जो दमदार मुनाफे और एआई में हो रहे रिकॉर्ड निवेश को दर्शाती है। हालांकि, यह मजबूती अब पूरी तरह से कुछ ही कंपनियों पर निर्भर है: दक्षिण कोरिया के इंडेक्स में वहां की टॉप-5 कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग 70% है, और ताइवान के बाजार में यह करीब 60% है।

# द हेरिटेज स्कूल ने केंद्रीय मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार की उपस्थिति में मनाई 25वीं वर्षगांठ

**कोलकाता, समाज्ञा :** कोलकाता स्थित द हेरिटेज स्कूल ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भव्य रजत जयंती समारोह का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता, समग्र विकास और मूल्य-आधारित शिक्षा की गौरवशाली यात्रा का उत्सव मनाया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गीत से हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलन, प्रार्थना, गणेश वंदना, गीता पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इसके बाद विद्यालय की 25 वर्षों की यात्रा पर आधारित फिल्म प्रदर्शित की गई। समारोह में आईसीएसई और आईएससी के टॉपर्स, उत्कृष्ट खिलाड़ियों और मेधावी विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सुकांत मजूमदार द्वारा विद्यालय की

वार्षिक पत्रिका 'वृत्तांत' के विशेष अंक का विमोचन किया गया। द हेरिटेज स्कूल की प्राचार्या सीमा सपरू ने विद्यालय की 25 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य हमेशा मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को सशक्त बनाना रहा है।

इस अवसर पर कल्याण भारती ट्रस्ट और स्कूल प्रबंधन समिति के अनेक प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें चेयरमैन हरि कृष्ण चौधरी, स्कूल मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन एवं कल्याण भारती ट्रस्ट के वाइस-चेयरमैन विक्रम स्वरूप, संस्थापक ट्रस्टी एवं सचिव सज्जन भजंका, ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष सज्जन कुमार बंसल, संस्थापक ट्रस्टी एवं द हेरिटेज स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष जयदीप चितलांगिया, संस्थापक ट्रस्टी के.के. डूगर, एम.पी. अग्रवाल, एम. के. जालान, ट्रस्टी विकास अग्रवाल, भावना अग्रवाल, संस्थापक ट्रस्टी वी. सरन, हरि प्रसाद बुधिया, ट्रस्टी गौरव स्वरूप, संस्थापक ट्रस्टी एन.पी. डालमिया, ट्रस्टी सुनीप शाह तथा स्कूल मैनेजिंग कमेटी की सदस्य स्वाति बुधिया सरावगी शामिल रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सुकांत मजूमदार ने अपने संबोधन में द हेरिटेज स्कूल को 25 वर्षों की सफल यात्रा के लिए बधाई दी और कहा कि संस्था ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, नवाचार और मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, कोलकाता के सीईओ प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि यह रजत जयंती केवल वर्षों का उत्सव नहीं, बल्कि उन सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों और सहयोगियों को समर्पित है जिन्होंने इस संस्थान की गौरवशाली विरासत को निर्मित किया है।

## बी.आर. सिंह अस्पताल को 2.64 करोड़ रुपये के अत्याधुनिक उपकरणों की सौगात

- **स्वास्थ्य सेवाएं होंगी मजबूत**

**कोलकाता, समाज्ञा :** पूर्व रेलवे के प्रमुख बी.आर. सिंह अस्पताल में आज स्वास्थ्य अवसंरचना उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अस्पताल को 2.64 करोड़ रुपये की लागत से खरीदे गए पांच अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण समर्पित किए जाएंगे। यह परियोजना भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत प्रदान की गई वित्तीय सहायता से पूरी की गई है। भारतीय रेलवे और आईआरएफसी के बीच हुए समझौते के तहत अस्पताल की चिकित्सा सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में यह पहल की गई है।

अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग को सेंट्रल मॉनिटरिंग सिस्टम, एडवांस्ड एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन तथा आधुनिक इकोकार्डियोग्राफी मशीन उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे हृदय रोगों की जांच और उपचार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। वहीं, ईएनटी विभाग को 4के ईएनटी एंडोस्कोपिक सेट और माइक्रो डिब्राइडर सेट प्रदान किया जाएगा, जिससे जटिल सर्जरी अधिक सटीक और कम आक्रामक तरीके से की जा सकेगी। इस कार्यक्रम का आयोजन बी.आर. सिंह अस्पताल, कोलकाता के सभागार में सुबह 11 बजे होगा। भारतीय रेलवे वित्त निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज दुबे मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउसकर सहित वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और चिकित्सक भी समारोह में उपस्थित रहेंगे।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि यह पहल केवल आधुनिक उपकरणों की स्थापना नहीं, बल्कि रेलवे लाभार्थियों को उच्चस्तरीय और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

## मेट्रो निर्माण कार्य के लिए जून और जुलाई में बंद रहेगा चिंगड़ीघाटा फ्लाईओवर

**कोलकाता :** महानगर में मेट्रो रेल परियोजना के महत्वपूर्ण निर्माण कार्य के कारण चिंगड़ीघाटा फ्लाईओवर को दो चरणों में अस्थायी रूप से बंद रखने का निर्णय लिया गया है। यातायात विभाग और कोलकाता पुलिस की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्य को निर्बाध रूप से पूरा करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

जानकारी के अनुसार, फ्लाईओवर आगामी शुक्रवार रात 8 बजे से सोमवार रात 8 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगा। इसके बाद दूसरे चरण में 3 जुलाई की रात 8 बजे से 6 जुलाई की सुबह 8 बजे तक फ्लाईओवर पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

कोलकाता पुलिस द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया है कि विश्व बांग्ला सरणी के निकट ऑरेंज लाइन मेट्रो परियोजना के अंतर्गत सुकांत नगर क्षेत्र में रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा निर्माण कार्य किया जाएगा। इस दौरान मेट्रो के पिलरों पर भारी गार्डर स्थापित किए जाएंगे। भारी मशीनरी और तकनीकी कार्यों को देखते हुए सुरक्षा कारणों से फ्लाईओवर को अस्थायी रूप से बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

प्रशासन का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना या अप्रिय घटना से बचने के लिए यातायात को पूरी तरह नियंत्रित करना आवश्यक है। इसी कारण निर्धारित अवधि में फ्लाईओवर पर वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इस अवधि में चिंगड़ीघाटा फ्लाईओवर का उपयोग करने वाले उत्तरमुखी वाहनों को बेलियाघाटा मेन रोड और ईएम बाइपास के जंक्शन से ब्रॉडवे की ओर मोड़ दिया जाएगा। यातायात पुलिस विभिन्न महत्वपूर्ण चौराहों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती करेगी ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा की योजना बनाते समय यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करें तथा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। अधिकारियों का मानना है कि इस निर्माण कार्य के पूरा होने के बाद मेट्रो परियोजना को गति मिलेगी और भविष्य में शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

## सरकार की इंफ्रास्ट्रक्चर पहल से नई परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद : मयंक जालान

**कोलकाता, समाज्ञा**

राज्य बजट 2026-27 को लेकर केवेंटर ग्रुप के चेयरमैन मयंक जालान ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे राज्य की विकास, निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में एक स्वागत योग्य बदलाव बताया है।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से राज्य की अपार संभावनाएं पूरी तरह उपयोग में नहीं लाई जा सकी थीं, लेकिन इस बार का बजट एक प्रगतिशील और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उद्योग, बुनियादी ढांचा, कृषि और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर विशेष ध्यान दिया गया है। श्री जालान ने विशेष रूप से कृषि और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर पर सरकार के फोकस का स्वागत किया और कहा कि यह क्षेत्र न केवल किसानों के लिए मूल्य संवर्धन का माध्यम बनेगा बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करेगा।

उन्होंने राज्य सरकार की इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी पहलों की भी सराहना की और कहा कि इससे कुलपी पोर्ट जैसी लंबित परियोजनाओं को नई गति मिलने की संभावना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केवेंटर ग्रुप, डीपी वर्ल्ड के साथ मिलकर, इस परियोजना में निवेश और सहयोग के लिए सरकार के साथ चर्चा करने को इच्छुक है ताकि इसे जल्द से जल्द आगे बढ़ाया जा सके।

# महिषादल : बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में वृद्ध गिरफ्तार

- **कड़ी सजा की मांग पर सड़क पर उतरे लोग**

**पूर्व मेदिनीपुर :** जिले के महिषादल क्षेत्र में साढ़े तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में एक वृद्ध को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना के विरोध में बुधवार की सुबह स्थानीय लोगों ने आरोपित को कड़ी सजा देने की मांग करते हुए हल्दिया-मेचेदा 116 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। बाद में, पुलिस के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त हुआ। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, महिषादल के कपासएड़िया इलाके में एक वृद्ध व्यक्ति की खाने की दुकान है। उसके पास ही आरोपित वृद्ध की साइकिल मरम्मत की दुकान स्थित है। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से अच्छे संबंध बताए जा रहे हैं। मंगलवार की रात करीब 8.30 बजे आरोपित वृद्ध बच्ची को घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया। करीब रात 9 बजे वह बच्ची को वापस उसके घर छोड़कर चला गया। परिजनों ने बच्ची की स्थिति देखकर उसके साथ शारीरिक अत्याचार की आशंका जताई। इसके बाद, तुरंत बच्ची को महिषादल के बसुलिया ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में परिजनों ने महिषादल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए देर रात आरोपित वृद्ध को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद, बुधवार की सुबह इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और महिलाएं हल्दिया-मेचेदा 116 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठ गए और आरोपित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क जाम होने के कारण बसों और मालवाहक वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में, पुलिस अधीक्षक अंशुमान साहा ने घटनास्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद, करीब 45 मिनट बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया।

# मुख्यमंत्री ने जनता दरबार में सुनीं जन शिकायतें

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य में आम लोगों की समस्याओं और शिकायतों को सीधे सुनने के उद्देश्य से आयोजित 'जनता के दरबार' कार्यक्रम में बुधवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने लोगों की समस्याएं सुनीं। यह कार्यक्रम साल्टलेक स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों ने अपनी स्थानीय समस्याएं, मांगें और शिकायतें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। नागरिकों ने प्रशासनिक सेवाओं, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सरकारी योजनाओं से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। साथ ही, संबंधित विभागों को मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

## ममता के भाई पर संपत्ति कब्जाने का आरोप, शिकायत लेकर 'जनता दरबार' पहुंचीं कैंसर पीड़ित महिला

**कोलकाता के हरिश चटर्जी स्ट्रीट की निवासी रंजना हाजरा ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के जनता दरबार में पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री के भाई अजीत बनर्जी के खिलाफ संपत्ति कब्जाने का आरोप लगाया है। महिला का दावा है कि पिछले करीब 27 वर्षों से उनकी पैतृक संपत्तियों पर कब्जे की कोशिश की जा रही है। रंजना हाजरा, जो स्वयं कैंसर से पीड़ित होने का दावा करती हैं, ने आरोप लगाया कि हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित उनकी कुछ पैतृक संपत्तियों पर वर्ष 1999 से कब्जे की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि एक स्थान पर पहले व्यवसाय शुरू किया गया और बाद में निर्माण कार्य भी किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अन्य संपत्तियों पर भी वर्षों से कब्जे के प्रयास किए गए, जिनमें कुछ मामलों में सफलता मिली। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि विरोध करने पर उन्हें कई बार प्रताड़ना और हमलों का सामना करना पड़ा। उनके अनुसार, वर्ष 2017 में 12-13 हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित एक संपत्ति पर कब्जा कर वहां व्यवसाय शुरू किया गया। इससे पहले भी उन्होंने कई बार पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। अब सत्ता परिवर्तन के बाद उन्होंने दोबारा उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री को लिखित शिकायत सौंपने के बाद उन्हें मामले की जांच कराने और आरोपों की सत्यता की जांच करवाने का आश्वासन मिला है।**

# विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में ममता गुट को नहीं मिली जगह

❑ **ऋतब्रत गुट और विपक्षी दलों का बढ़ा दबदबा**

**कोलकाता, समाज्ञा :** विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के भीतर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के प्रति वफादार माने जाने वाले गुट को एक और बड़ा झटका लगा है। नवगठित बिजनेस एडवाइजरी (बीए) कमेटी में इस गुट के किसी भी विधायक को स्थान नहीं दिया गया है। नवगठित बीए कमेटी की सूची के अनुसार, समिति में कुल 19 स्थायी सदस्य हैं। इनमें 14 सदस्य सत्तारूढ़ भाजपा से और पांच सदस्य विपक्षी तृणमूल कांग्रेस से हैं। हालांकि, विपक्ष के हिस्से में आए सभी पांच स्थायी सदस्य तृणमूल कांग्रेस के उस 'बागी लेकिन बहुमत' वाले गुट से हैं, जिसका नेतृत्व निष्कासित विधायक ऋतब्रत बनर्जी कर रहे हैं। इनमें नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी, विपक्ष के मुख्य सचेतक अखरुज्जामान, सत्तापक्ष के मुख्य सचेतक व भाजपा विधायक अमलान भादुड़ी प्रमुख हैं। इसके अलावा, कई कैबिनेट मंत्रियों- दिलीप घोष, निशिथ प्रमाणिक, अग्निमित्रा पाल, दीपक बर्मन, तापस राय, शंकर घोष, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, स्वप्न दासगुप्ता और शारद्वत मुखू समेत कई विधायक सदस्य बनाए गए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ऋतब्रत बनर्जी के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंत्री बिप्लब मित्र और समीर कुमार जना को भी पूर्णकालिक सदस्य बनाया गया है, जिससे उनके गुट की पकड़ और मजबूत मानी जा रही है। स्थायी सदस्यों के अलावा समिति में 10 आमंत्रित सदस्य भी शामिल किए गए हैं। इनमें चार सदस्य भाजपा से (बंकिम चंद्र घोष, पार्थ सारथी चट्टोपाध्याय, सुदीप कुमार मुखर्जी, अरुण हलदार) और दो सदस्य तृणमूल कांग्रेस (संदीपन साहा और जावेद अहमद खान) से हैं, जिनमें से एक ऋतब्रत बनर्जी गुट का प्रतिनिधि है। वहीं, विधानसभा में कांग्रेस के दो विधायकों में से एक मोहताब शेख को भी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा, माकपा के एकमात्र विधायक, नौशाद सिद्दीकी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (एआईएसएफ) के एकमात्र प्रतिनिधि तथा आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के अकेले विधायक को भी समिति में आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

## सिंडिकेट मामला : पूर्व कोलकाता पुलिस डीसी के करीबी तीन पुलिस कर्मियों को ईडी का समन

❑ **सोना पप्पू के परिवार के सदस्यों को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया**

**कोलकाता, समाज्ञा :** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आपराधिक सिंडिकेट से जुड़े मामले में गिरफ्तार पूर्व कोलकाता पुलिस उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास के करीबी तीन पुलिस अधिकारियों को पूछताछ के लिए तलब किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि जिन तीन पुलिस कर्मियों को समन जारी किया गया है, उनमें दक्षिण कोलकाता के एक थाने में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर भी शामिल है। इसके अलावा, ईडी ने गिरफ्तार सिंडिकेट संचालक बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू के परिवार के सदस्यों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। उनकी पत्नी सोमा पोद्दार सहित परिवार के कई सदस्यों को इस सप्ताह ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

बिना अनुमति वीआईपी जोन में घुसकर लियोनेल मेस्सी के साथ सेल्फी

## अब जुई विश्वास को शतद्रु ने भेजा 10 करोड़ रुपये के मुआवजे का नोटिस

**कोलकाता, समाज्ञा**

मशहूर फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के कोलकाता इवेंट में हुए हंगामे और अराजकता को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले में इवेंट के आयोजक शतद्रु दत्ता ने कोलकाता नगर निगम के वार्ड 81 की पार्षद जुई विश्वास को मानहानि और मुआवजे के लिए कानूनी नोटिस भेजा है। शतद्रु दत्ता का आरोप है कि राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास की रिश्तेदार जुई विश्वास बिना किसी आधिकारिक अनुमति और आमंत्रण के न केवल वीआईपी और सुरक्षित जोन में दाखिल हुईं, बल्कि सुरक्षा घेरा तोड़कर मेस्सी के साथ सेल्फी भी ली। शतद्रु दत्ता द्वारा भेजे गए नोटिस में साफ कहा गया है कि जुई विश्वास की इस सुरक्षा चूक और गैर-जिम्मेदाराना हरकत की वजह से इवेंट की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनामी हुई और आयोजकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। उन्होंने जुई से 15 दिनों के भीतर लिखित रूप से बिना शर्त माफी मांगने और 10 करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। तय समय में जवाब न मिलने पर मामला अदालत ले जाने की चेतावनी दी गई है।

दिलचस्प बात यह है कि खुद जुई विश्वास ने मीडिया के सामने यह स्वीकार किया था कि पूर्व खेल मंत्री के प्रभाव के कारण उन्हें उस प्रतिबंधित क्षेत्र में आसानी से प्रवेश मिल गया था।

# गिरफ्तारी से बचने के लिए हाई कोर्ट पहुंचे पूर्व मंत्री मानस भुइयां

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य के पूर्व मंत्री और सबंग विधानसभा क्षेत्र के सात बार के विधायक मानस भुइयां ने आर्थिक धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने बुधवार को उन्हें इस संबंध में याचिका दायर करने की अनुमति दे दी। मानस भुइयां के खिलाफ पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबंग क्षेत्र में आर्थिक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता विष्णुपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र का निवासी है। शिकायत के अनुसार, विधानसभा चुनाव से पहले शिकायतकर्ता की पत्नी को तेमाथानी सिंचाई बंगले में सीआईएसबी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधीन नौकरी दिलाई

गई थी। आरोप है कि यह नियुक्ति तत्कालीन मंत्री मानस भुइयां की मध्यस्थता से हुई थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि नौकरी के बदले शेख अबू कलाम बक्स और भोलानाथ दे को पांच लाख रुपये दिए गए थे। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसकी पत्नी ने नौकरी ज्वाइन करने के बाद मार्च में वेतन भी प्राप्त किया था, लेकिन दो महीने के भीतर उसे नौकरी से हटा दिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसकी पत्नी की नौकरी चली गई और परिवार के पांच लाख रुपये भी डूब गए। इसके बाद, उसने मानस भुइयां के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पूर्व सिंचाई मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। हालांकि, मानस भुइयां ने अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया है। अब उन्होंने कानूनी संरक्षण के लिए उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की मांग की है। अदालत सूत्रों के अनुसार, इस सप्ताह न्यायमूर्ति भट्टाचार्य की अदालत में मामले की सुनवाई हो सकती है। दूसरी ओर, मानस भुइयां ने मेदिनीपुर जिला अदालत में भी अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया है, जिस पर 29 जून को सुनवाई निर्धारित है।

## आमता विस्फोट मामले में एनआईए ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

**हावड़ा, समाज्ञा :** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हावड़ा के आमता इलाके में तलाशी के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 2022 में हुए उस बम धमाके के सिलसिले में की गई है, जिसमें बम बनाने वालों में से एक की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हो गए थे। एनआईए ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वे विस्फोटक पदार्थ तैयार करने का काम करते थे। जांच एजेंसी के अनुसार, हावड़ा (ग्रामीण) के आमता इलाके के रहने वाले असफार मिड्ड्या और एंताजुल मिड्ड्या को मंगलवार की रात गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी आरोपियों के संदिग्ध ठिकानों पर तीन जगहों पर तलाशी अभियान चलाने के बाद हुई है। इन दोनों आरोपियों की पहचान मुख्य आरोपियों के तौर पर की गई है। इन्हीं के निर्देश पर 23 फरवरी 2022 को आमता थाना इलाके में चंद्रपुर बाजार के पास अवैध रूप से देसी बम बनाए जा रहे थे। बम बनाने के दौरान हुए धमाकों में जहधर मोल्ला, मोहब्बत मोल्ला, मोइनुर रहमान और एसके महरम बुरी तरह घायल हो गए थे। इनमें से एसके महरम की बाद में चोटों के कारण मौत हो गई। अप्रैल 2024 में स्थानीय पुलिस से जांच अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने पाया कि असफार और एंटजुल बम बनाने का काम संभाल रहे थे। इन बमों का मकसद इलाके के लोगों को डराना-धमकाना और उनमें दहशत फैलाना था। एनआईए द्वारा पहले ही चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

## तालाब घाट के रास्ते को लेकर विवाद, महिलाओं पर हमले से इलाके में तनाव

**हावड़ा, समाज्ञा :** हावड़ा के जगतबल्लभपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर बाटन इलाके में पोखर (तालाब) घाट तक जाने वाले रास्ते की चौड़ाई को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। घटना में 5 से 6 महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, पम्पा घरामी अपनी जमीन पर नया मकान बनवा रही थीं। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य पर आपत्ति जताते हुए तालाब घाट तक जाने वाले रास्ते की चौड़ाई 4 फीट के बजाय 6 फीट करने की मांग की। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। पम्पा घरामी का आरोप है कि विरोध करने पर कुछ लोगों ने

बांस, ईंट और लाठियों से हमला किया, जिसमें कई महिलाएं घायल हो गईं। उन्होंने घटना को राजनीतिक प्रतिशोध से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि वह भाजपा समर्थक हैं, जबकि हमलावर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। खबर मिलते ही जगतबल्लभपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## चार माह के शिशु का हवाला देकर पूर्व विधायक अदिति मुंशी को अग्रिम जमानत

❑ **देवराज चक्रवर्ती की याचिका खारिज**

**कोलकाता :** तृणमूल कांग्रेस की पूर्व विधायक अदिति मुंशी को कोलकाता उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। वहीं तृणमूल पार्षद एवं उनके पति देवराज चक्रवर्ती को राहत नहीं मिली। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की एकल पीठ ने देवराज चक्रवर्ती की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने दोनों को जांच में पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजारहाट-गोपालपुर की पूर्व विधायक अदिति मुंशी और उनके पति देवराज चक्रवर्ती के खिलाफ कई गंभीर आरोप सामने आए थे। शिकायत में दावा किया गया था कि चुनाव से पूर्व दोनों ने लगभग 100 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां बेनामी रूप से अथवा रिश्तेदारों और परिचितों के नाम हस्तांतरित कर दी थीं। आरोप यह भी लगाया गया कि अदिति मुंशी ने अपने चुनावी शपथपत्र में वास्तविक संपत्ति का विवरण कम दिखाया था।

इसके अतिरिक्त दोनों के खिलाफ कथित वसूली, सिंडिकेट संचालन तथा जमीन कब्जाने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं। गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए अदिति मुंशी और देवराज चक्रवर्ती ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता विकासरंजन भट्टाचार्य ने दंपति की ओर से अदालत में पक्ष रखा। पिछली सुनवाई में उच्च न्यायालय ने दोनों को अंतरिम राहत देते हुए 19 जून तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

बुधवार को मामले की विस्तृत सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने कहा कि अदिति मुंशी के पास मात्र चार माह का शिशु है। इस मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए अदालत ने उन्हें अग्रिम जमानत प्रदान की। हालांकि अदालत ने उनके विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि अदिति मुंशी अपना पासपोर्ट निचली अदालत में जमा करें।

इसके साथ ही अदालत ने यह भी आदेश दिया कि अदिति मुंशी फिलहाल बागुईआटी थाना क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेंगी। दूसरी ओर देवराज चक्रवर्ती को अग्रिम जमानत देने से न्यायालय ने इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि उन्हें जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करना होगा और आवश्यकता पड़ने पर पूछताछ में उपस्थित होना होगा।

## हाई कोर्ट से अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती को बड़ी राहत, एफआईआर पर लगाई अंतरिम रोक

**कोलकाता, समाज्ञा :** उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव के एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुए विवाद के मामले में टॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत मिली है। जस्टिस कौशिक चंद की एकल पीठ ने शिकायतकर्ता तनय शास्त्री द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल अभिनेत्री के खिलाफ कोई भी दंडात्मक या सख्त कदम नहीं उठाया जा सकेगा। बता दें कि यह पूरा विवाद इस साल जनवरी का है, जब बनगांव में एक मंच कार्यक्रम के दौरान समय को लेकर मिमी चक्रवर्ती और आयोजक तनय शास्त्री के बीच

तीखी बहस हो गई थी। आयोजक का आरोप था कि मिमी काफी देर से आईं और प्रशासनिक नियमों के कारण कार्यक्रम जल्दी बंद करना पड़ा, जिससे उन्हें नुकसान हुआ। इसके बाद, मार्च में मिमी के खिलाफ 20 लाख रुपये की मानहानि और आपराधिक मामला दर्ज कराया गया था।

## मालदह जिला प्रशासन ने राज्यपाल को भेंट किए मालदह आम

**कोलकाता, समाज्ञा :** मालदह ज़िला प्रशासन ने राज्यपाल आर एन रवि को बेहतरीन गुणवत्ता के मालदह आम भेंट किए तथा किसानों की आजीविका बेहतर बनाने के मकसद से शुरू की गई पहल के बारे में बताया। बुधवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। मालदह के जिलाधिकारी राजनवीर सिंह कपूर की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में आम उत्पादन में ज़िले के योगदान को सामने रखा तथा 'आमार मालदह' पहल के तहत की जा रही कोशिशों के बारे में बताया। राज्यपाल मंगलवार को मालदह में थे। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस पहल का मकसद जिले में आम की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाना, किसानों की आमदनी बढ़ाना और आम पर आधारित पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत अच्छी गुणवत्ता वाले आमों के लिए बाजार से बेहतर जुड़ाव, फसल कटाई के बाद के प्रबंधन, ब्रांडिंग और निर्यात को बढ़ावा देने पर भी ध्यान दिया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत, ज़िला प्रशासन ने स्थानीय कॉलेजों में खाद्य प्रसंस्करण पाठ्यक्रम कर रहे विद्यार्थियों को नौकरी के बेहतर मौकों के लिए उद्योग के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

## हावड़ा में पुराने डकैती मामले में फरार आरोपी फरीद मोल्ला गिरफ्तार

**हावड़ा, समाज्ञा :** हावड़ा के डोमजूर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पुराने डकैती मामले में फरार चल रहे आरोपी फरीद मोल्ला को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी डोमजूर के मोल्लापाड़ा इलाके का निवासी है। वह लंबे समय से फरार था और गुप्त सूचना के आधार पर उसे उसके घर के पास से पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि फरीद मोल्ला डोमजूर और जगतबल्लभपुर क्षेत्रों में अवैध जमीन कब्जा, जलाशय भरने और अवैध मिट्टी कारोबार जैसी गतिविधियों से जुड़ा हुआ था। उसके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए उसे अपनी हिरासत में लेने की मांग की है। पुलिस अब इस कथित गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जांच और छापेमारी अभियान चला रही है।

## मुहर्रम के अवसर पर 26 जून को मेट्रो सेवाओं में बदलाव, ब्लू, ग्रीन और येलो लाइन पर कम सेवाएं

**कोलकाता, समाज्ञा**

मुहर्रम के अवसर पर घोषित अवकाश को देखते हुए कोलकाता मेट्रो रेलवे ने 26 जून 2026 (शुक्रवार) को ब्लू लाइन, ग्रीन लाइन और येलो लाइन पर संशोधित मेट्रो सेवाएं संचालित करने का निर्णय लिया है। हालांकि, यात्रियों की सुविधा के लिए इन लाइनों पर प्रथम और अंतिम मेट्रो सेवाओं के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, ब्लू लाइन पर सामान्य कार्यदिवस में संचालित होने वाली 260 सेवाओं के स्थान पर 26 जून को कुल 216 सेवाएं चलाई जाएंगी। वहीं, ब्लू लाइन के सभी टर्मिनल स्टेशनों से पहली और अंतिम मेट्रो का समय पूर्ववत रहेगा। येलो लाइन पर सामान्य दिनों में संचालित 120 सेवाओं के मुकाबले 92 सेवाएं संचालित की जाएंगी। इस लाइन पर भी पहली और अंतिम मेट्रो सेवाओं के समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

इसके अलावा, जय हिंद विमानबंदर से शहीद खुदीराम स्टेशन तक चलने वाली प्रत्यक्ष (डायरेक्ट) मेट्रो सेवाओं की संख्या घटाकर 7 से 4 कर दी गई है। ग्रीन लाइन पर भी सेवाओं में आंशिक कटौती की गई है। सामान्य कार्यदिवस में जहां 228 सेवाएं संचालित होती हैं, वहीं 26 जून को कुल 186 सेवाएं चलाई जाएंगी। ग्रीन लाइन के टर्मिनल स्टेशनों से पहली और अंतिम मेट्रो का समय भी यथावत रहेगा। इसके साथ ही, 26 जून को पर्पल लाइन और ऑरेंज लाइन की सेवाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा तथा इन दोनों लाइनों पर ट्रेन सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होंगी।

# आठ वर्ष पुराने दंपति हत्या प्रकरण में कार्रवाई, 10 आरोपी गिरफ्तार

**कोलकाता :** दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप क्षेत्र में आठ वर्ष पहले एक दंपति को कथित रूप से जिंदा जलाकर मार डालने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वर्ष 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान राजनीतिक हिंसा की पृष्ठभूमि में यह घटना हुई थी। लंबे समय से पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा था। जानकारी के अनुसार, काकद्वीप के बुधाखाली गांव निवासी देवू दास और उनकी पत्नी उषा दास वामपंथी विचारधारा के समर्थक थे। आरोप है कि पंचायत चुनाव से पहले उन पर हमला किया गया और उनके घर में आग लगाकर दोनों की हत्या कर दी गई। घटना के समय उनका पुत्र दीपंकर दास घर पर मौजूद नहीं था। बाद में लौटने पर उसने अपने माता-पिता के जले हुए शव देखे। घटना के बाद काकद्वीप थाने में 12 तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी।

हालांकि, परिवार का आरोप है कि उस समय पुलिस ने मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं की। दीपंकर दास का कहना है कि जिन लोगों को पहले गिरफ्तार किया गया था, उनके नाम प्राथमिकी में शामिल नहीं थे, जबकि नामजद आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हाल ही में दीपंकर दास ने राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी और न्याय की गुहार लगाई। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात के बाद मामले में नई गति आई। मुख्यमंत्री से मुलाकात के कुछ ही घंटों बाद काकद्वीप थाना पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

पूरी रात चले अभियान में 10 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद सभी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। बुधवार को गिरफ्तार आरोपियों को काकद्वीप महकमा अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने अदालत से आगे की जांच के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया। सूत्रों के अनुसार, सुंदरबन पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक विश्वचंद ठाकुर ने भी बुधवार को दीपंकर दास से बातचीत की और मामले की प्रगति की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि पुराने मामले से जुड़े सभी पहलुओं की पुनः जांच की जा रही है तथा उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद मृतक दंपति के परिजनों ने उम्मीद जताई है कि उन्हें लंबे इंतजार के बाद न्याय मिलेगा। वहीं क्षेत्र में इस गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी व्यापक चर्चा शुरू हो गई है।

## पश्चिम बंगाल के क्रिप्टो ट्रेडर्स दीर्घकालिक निवेश में सबसे आगे, 60% अपनाते हैं 'बाय-एंड-होल्ड' रणनीति : मड्रेक्स सर्वे

**कोलकाता, समाज्ञा :** पश्चिम बंगाल के क्रिप्टो ट्रेडर्स भारत में दीर्घकालिक निवेश के मामले में सबसे आगे नजर आ रहे हैं। क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म मड्रेक्स की 'हाउ इंडिया ट्रेड्स क्रिप्टो 2026' रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 60% क्रिप्टो ट्रेडर्स 'बाय-एंड-होल्ड' रणनीति पर भरोसा करते हैं, जो राष्ट्रीय औसत 41.2% से काफी अधिक है। मड्रेक्स द्वारा 22 राज्यों के 6,120 क्रिप्टो निवेशकों और ट्रेडर्स पर किए गए सर्वे में सामने आया कि भारतीय निवेशक अब क्रिप्टो को केवल त्वरित लाभ के साधन के बजाय लंबी अवधि की संपत्ति के रूप में देख रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 91% ट्रेडर्स बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान घबराहट में ट्रेडिंग करने से बचते हैं। सर्वे में यह भी पाया गया कि 48.4% निवेशक अपने कुल पोर्टफोलियो का 10% से कम हिस्सा क्रिप्टो में लगाते हैं। 35 से 44 वर्ष के निवेशकों में लॉन्ग-टर्म निवेश की प्रवृत्ति सबसे अधिक रही। वहीं, 46.4% महिला निवेशकों ने खुद को दीर्घकालिक होल्डर्स बताया। मड्रेक्स के संस्थापक और सीईओ एडुल पटेल ने कहा कि भारतीय क्रिप्टो निवेशक अब अधिक अनुशासित और सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं। कंपनी के अनुसार, 2025 में क्रिप्टो एसआईपी खातों में 220% से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

## अमेजन नाउ का 300 से अधिक शहरों में विस्तार, 'डिलीवरी इन मिनट्स' नेटवर्क बनाने की तैयारी

**कोलकाता, समाज्ञा :** अमेजन ने अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा अमेजन नाउ को देश के 300 से अधिक शहरों तक विस्तार देने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य भारत का सबसे बड़ा 'डिलीवरी इन मिनट्स' नेटवर्क तैयार करना है। लॉन्च के बाद से अमेजन नाउ के ऑर्डर हर तिमाही दोगुने हुए हैं। कंपनी अपने फुलफिलमेंट नेटवर्क को मजबूत कर ग्राहकों को किराना, फल-सब्जियां, फ्रोजन फूड, पर्सनल केयर, फैशन, ब्यूटी और घरेलू उत्पाद मिनटों या कुछ घंटों में उपलब्ध कराएगी। अमेजन ने डिलीवरी सहयोगियों के कल्याण के लिए 'सम्मान' कार्यक्रम भी शुरू किया है। इसके तहत शिक्षा सहायता, बेहतर बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और सड़क सुरक्षा से जुड़े उपाय उपलब्ध कराए जाएंगे। अमेजन इंडिया के कंट्री मैनेजर समीर कुमार ने कहा कि अमेजन नाउ को ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने बताया कि कंपनी डिलीवरी सहयोगियों और उनके परिवारों के बेहतर भविष्य के लिए लगातार काम कर रही है।

## पूर्व रेलवे का हरित भविष्य की ओर कदम, आज आसनसोल से शुरू होगा 'ग्रीन लिगेसी मिशन'

**कोलकाता, समाज्ञा :** पूर्व रेलवे आज आसनसोल में 'ग्रीन लिगेसी मिशन' की शुरुआत करेगा। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउसकर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में फलदार पौधों का वितरण किया जाएगा। महाप्रबंधक मिलिंद देउसकर स्वयं कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और अभियान को अपना समर्थन देंगे।

इस पहल का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों को 'ग्रीन एंबेसडर' के रूप में जोड़ना है, ताकि वे पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी को आगे बढ़ा सकें। आसनसोल से शुरू होने वाला यह अभियान भविष्य में पूर्व रेलवे के सभी मंडलों और वर्कशॉप तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे पूरे रेलवे परिवार को हरित अभियान से जोड़ा जा सके। आसनसोल के डीआरएम संग्रह मौर्य के मार्गदर्शन में यह अभियान कर्मचारियों और उनके परिवारों की भागीदारी के साथ आगे बढ़ेगा। इसके तहत, शाखा अधिकारी कर्मचारियों को फलदार पौधे वितरित करेंगे। इस अभियान में परिवारों को भी शामिल किया गया है। पौधारोपण के दौरान परिवार के सदस्य तस्वीरें लेकर अगले वर्ष 5 जून को अपने संबंधित शाखा व्हाट्सऐप समूहों में साझा करेंगे। इससे पर्यावरण संरक्षण एक सामूहिक और पारिवारिक जिम्मेदारी के रूप में विकसित होगा।

पूर्व रेलवे के सीपीआरओ शिबराम माझी ने कहा कि 'ग्रीन लिगेसी मिशन' केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और भविष्य के लिए उम्मीद की पहल है। उन्होंने कहा कि आसनसोल में लगाए जाने वाले प्रत्येक पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित विरासत का निर्माण करेंगे।

# परिसंरचना विकास को गति देने के लिए एडीबी ने दिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव

❑ **उद्योग गलियारे से पर्यटन तक पर जोर**

**कोलकाता :** पश्चिम बंगाल में समग्र आधारभूत संरचना विकास को नई गति देने के उद्देश्य से एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने राज्य सरकार के समक्ष कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे हैं। उद्योग, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, आवास और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश और विकास की संभावनाओं को लेकर मंगलवार को नवान्न में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार सुब्रत गुप्ता तथा एडीबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सूत्रों के अनुसार, एडीबी द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों का विस्तृत अध्ययन कर उन्हें मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के समक्ष रखा जाएगा, जिसके बाद आगे की कार्यवाही और अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

नवान्न सूत्रों के मुताबिक, एडीबी ने राज्य में चार सिटी इकोनॉमिक रीजन विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। इसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा कोलकाता, डानकुनी, दुर्गापुर और आसनसोल को जोड़ने वाले विनिर्माण गलियारे के विकास के लिए भी वित्तीय सहयोग का प्रस्ताव दिया गया है।

एडीबी ने हल्दिया-खड़गपुर औद्योगिक गलियारे तथा सिलीगुड़ी-जल्पाईगुड़ी कृषि उत्पाद प्रसंस्करण गलियारे के विकास में भी सहयोग की इच्छा जताई है। इन परियोजनाओं के माध्यम से उद्योग, कृषि और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है।

बैठक में डानकुनी, सिलीगुड़ी और हल्दिया में आधुनिक लॉजिस्टिक्स हब विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा गया। इसके साथ ही सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विद्युत चालित बसों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया।

एडीबी ने प्रवासी श्रमिकों, निम्न आय वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए किफायती एवं किराये के आवास निर्माण में भी सहयोग का आश्वासन दिया है। इसके अतिरिक्त राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों को जोड़कर पर्यटन क्लस्टर विकसित करने और पर्यटन अवसंरचना को मजबूत बनाने के लिए भी सहायता देने की बात कही गई है।

# ग्रीष्म ऋतु में स्वास्थ्य रक्षा

सिद्धार्थ शंकर

हमारे देश में समय के असर से ऋतु घुमाव होता है। इससे समान वर्ष क्रमानुसार ऋतु का आना होता है। इसी क्रम में बसन्त ऋतु के बाद ग्रीष्म ऋतु आती है जिसकी तेजी अप्रैल माह से जून तक ज्यादा होती है। हमारे शरीर में जलीयांश का ह्रास होता है जिससे हमें प्यास ज्यादा लगती है और शरीर का बल कम हो जाता है। ऋतु प्रभाव वश अग्निबल भी कम हो जाता है और अग्नि मन्द हो जाती है जिससे बहुत भारी आहार द्रव्यों के पाचन में कठिनता होती हैं। अतः इस ऋतु में लघु एवं द्रव आहार ही सुपाच्य होता है।

ग्रीष्म ऋतु में सूर्य की प्रचंड रश्मियों के कारण तथा उष्णता की वृद्धि तीव्रता एवं तेजी होने से हमारे शरीर में स्वाभाविक रूप से (डिहाइड्रेशन होता है जिसकी पूर्ति ज्यादा जल पीने से) होती है। शरीर में जब रसाभाव या जलीयांश की न्यूनता होती है तो प्राकृतिक रूप से उसकी पूर्त्ति के लिए उसकी मांग होती है जो प्यास के रूप में व्यक्त होती है। जलीयांश की कमी के कारण हमारा कण्ठ सूखने लगता है। यदि तुरन्त जल की आपूर्त्ति नहीं की गई तो बेचैनी बढ़ जाती है। ज्यादा मात्रा में जलाभाव हो जाने पर प्यास की तीव्रता बढ़ जाती है और उसकी शांति के लिए बार-बार जल पीना पड़ता है।

### मन्दाग्नि एवं उदर विकार:-

ऋतु एवं समय के प्रभाव से ग्रीष्म ऋतु में सामान्यतः मनुष्य की अग्नि मन्द हो जाती है और शरीर बल अल्प हो जाता है। मन्दाग्नि हो जाने के कारण मनुष्य की पाचन क्रिया प्रभावित होती है, अतः इस ऋतु में अपने आहार विहार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। आयुर्वेद के अनुसार अधिकांश रोग मन्दाग्नि के कारण होते हैं, अतः अग्नि के बल का विचार करते हुए मनुष्य को सुपाच्य आहार स्वल्प प्रमाण में अथवा उतने प्रमाण में लेना चाहिये जितना वह पचा सके अन्यथा अजीर्ण होकर अतिसार आदि उदर विकार होने की संभावना रहती है।

इस ऋतु में बासी भोजन के इस्तेमाल से भी बचना चाहिए। कुछ लोग शाम को या रात्रि में बनाए गए दाल, चावल, शाक-सब्जी आदि को दूसरे दिन प्रातः या दोपहर में गर्म करके खाते हैं। यह हानिकारक होता है क्योंकि बासी आहार द्रव्य को दूसरे दिन पुनः पकाने से उसमें मन्द विष यद्यपि अमारक होता है किंतु वह शरीर की पाचन क्रिया तथा जिगर आदि अवयवों की क्रियाओं को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर शनैः शनैः उनमें विकृति पैदा कर देता है। पेट विकार के परिणामस्वरूप अजीर्ण, अतिसार, अम्लपित्त, वमन, जी मिचलाना, भूख नहीं लगना, शारीरिक दुर्बलता, मुख पाक (मुख में छाले होना) रक्त विकार, खुजली आदि रोग पैदा हो जाते हैं।

इस ऋतु में उष्ण, तीक्ष्ण, कटु, कषाय, रस प्रधान आहार द्रव्यों का इस्तेमाल या प्रयोग करने से तथा ऋतु के असर से पित्त में विकृति हो जाती है। प्रकुपित या विकृत हुआ पित्त उपयुक्त विकारों को पैदा करता है। अतः अनुकूल आहार विहार के द्वारा विकृत पित्त का शमन कर उसे प्राकृत अवस्था में लाने का प्रयत्न करना चाहिए।

इसके प्रकुपित पित्त का शमन करने के लिए रसपूर्ण, शीतल और मधुर द्रव्यों का इस्तेमाल करना चाहिए जैसे गन्ने का रस, संतरा, अनन्नास, मौसमी आदि फलों का रस, नींबू की शिकंजी, शीतल शर्बत, ठंडाई आदि का इस्तेमाल हितकारी होता है। जो लोग अजीर्ण, अतिसार आदि पेट विकार से पीड़ित होते हैं उन्हें प्रातः काल 9-10 बजे के आसपास भुना हुआ जीरा, सोंठ, कालीमिर्च पीसकर मिलाया हुआ एक गिलास मट्ठा मक्खन निकाला हुआ अवश्य पीना चाहिये।

### हरी शाक सब्जी और मीठे फल:-

ग्रीष्म ऋतु में हल्के, सुस्वाद और सुपाच्य आहार के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया गया है। भोजन सुस्वाद और सुपाच्य बनाने में हरी और ताजी शाक-सब्जी का महत्त्वपूर्ण स्थान है। हमारे देश में ऋतु के अनुसार शाक-सब्जी एवं फलों की पैदावार हमारे लिए प्रकृति का अमूल्य वरदान है। हरी और ताजी शाक सब्जी में ग्रीष्म ऋतु में लौकी, परवल, तोरई, पेठा, सेम की फली, पुदीना, हरा धनिया, नींबू आदि प्रचुर मात्रा में सुलभ होती हैं। इनके साथ ही ककड़ी, खीरा, टमाटर आदि का प्रयोग भी सलाद के रूप में करना चाहिए।

पत्ते वाली शाक में पालक का स्थान विशेष महत्त्वपूर्ण है। यद्यपि पालक की सब्जी बनाकर उबाल कर उसका इस्तेमाल किया जाता है किंतु चिकित्सा विज्ञानियों का मत है कि पालक को उबालने से उसमें विद्यमान विटामिन तथा अन्य तत्व नष्ट हो जाते हैं। अतः सलाद के रूप में कच्चा ही इसका इस्तेमाल करना लाभदायक होता है। जो लोग स्त्री पुरूष या बालक (रक्ताल्पता) खून की कमी से पीड़ित रहते हैं, उन्हें यदि प्रतिदिन एक कप कच्चे पालक का रस पिलाया जाय तो बहुत जल्दी उनके शरीर में रक्त का निर्माण होकर रक्ताल्पता दूर होती है।

इस ऋतु में सुलभ होने वाले फलों में पपीता, सन्तरा, मौसमी, तरबूज और खरबूजा, आलू बुखारा, फालसा आदि मुख्य हैं। इस ऋतु के आरंभ में तरबूज और खरबूजे की बहार होती है तो मध्य ग्रीष्म से लेकर अन्त तक आम की बहार होती है। आम का रस निकाल कर जो आम रस बनाया जाता है वह शरीर के लिए तृप्ति कारक, बल प्रदान करने वाला, सुरूचिपूर्ण और परिपूर्ण आहार रूप होता है। वह शरीर को जलीयांश की पूर्त्ति तो करता ही है, शरीर में क्षीणता को प्राप्त हुई अन्य धातुओं की भी पूर्त्ति करता है। कच्चे आम का नमकीन या खट्टा-मीठा पना बनाकर पीना या भोजन के साथ लेना लाभदायक होता है।

### स्वल्प भोजन:-

इस ऋतु में स्वल्प प्रमाण में भोजन करना ही हितकारी होता है। दोनों समय ताजा बना हुआ भोजन रूचिकर और स्वास्थ्य के अनुकूल होता है। शरीर एवं पाचन संस्थान की स्थिति के अनुसार परिमित मात्रा में दिन में केवल दो बार ही भोजन लिया जाय। प्रातः 10 और 11 बजे के मध्य और सायं 6 और 7 बजे के मध्य। भोजन के बाद जल कम मात्रा में लिया जाय। आधा घंटे बाद भरपेट पानी पिया जा सकता है।

ग्रीष्म ऋतु में सौंफ और ठंडाई का इस्तेमाल अत्यन्त लाभदायक होता है। भोजन करने के बाद एक ग्राम सौंफ का चूर्ण जल के साथ मिलाकर पीना चाहिए। निरंतर उसका इस्तेमाल करने से पाचन तंत्रा व्यवस्थित रहता है, शरीर में गरमी से होने वाली प्यास का शमन होता है। प्राचीनकाल में सौंफ के साथ धनिया, गुलाब के फूल, काली मिर्च, बादाम और मगज पीस कर जल और दूध मिलाकर पीया जाता था। इसे ठंडाई कहा जाता है। इसे सर्वश्रेष्ठ शीतल पेय माना जाता था

### सावधानी:-

स्वास्थ्य रक्षा की दृष्टि से ग्रीष्म ऋतु में विशेष सावधानी अपेक्षित है। इस ऋतु में हमारा भोजन संतुलित और नियमित होना तो आवश्यक है ही। प्रकृति के विपरीत हमारा दुस्साहसिक आचरण हमें हानि पहुंचा सकता है। ग्रीष्म ऋतु में खाद्य वस्तुएं जल्दी सड़ जाती हैं या गल जाती है। लोभ के कारण ऐसी खाद्य वस्तुओं के इस्तेमाल से बचने का प्रयत्न करना चाहिए। काटे हुए फल को अधिक समय तक खुला नहीं रखना चाहिए।

रात्रि में पका हुआ चावल, दाल, सब्जी आदि दूसरे दिन बासा हो जाता है अतः वह अखाद्य है। यद्यपि आज कल रात को पकाए गए आहार द्रव्यों को फ्रिज में रखकर सुरक्षित मान लिया जाता है किंतु दूसरे दिन तक रखा हुआ होने के होने के कारण बासापन तो उसमें आ ही जाता है। अतः उसके इस्तेमाल से बचने का प्रयत्न करना चाहिए। दोपहर में घर से बाहर निकलने के पहले भरपेट पानी पी लेना चाहिए। इससे लू लगने की संभावना नहीं रहती और प्यास की बाधा भी पीड़ित नहीं करती। (स्वा.द.)

## सेहत की खबरें

सोनी मल्होत्रा

### 35 वर्ष के पश्चात् मां बनने से हो सकता है उक्त रक्तचाप का खतरा

लेक्सिंगटन में सेंट्रल बेपटिस्ट हास्पिटल में मेटर्नल फेटल मेडिसन के विशेषज्ञ डॉ. जान बार्टन द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार वे महिलाएं जो शादी के 10 वर्ष के पश्चात् मां बनती हैं उन्हें मोटापे से ग्रस्त महिलाओं की तुलना में उच्च रक्तचाप होने की संभावना अधिक होती है। जो महिलाएं प्रथम बार गर्भ धारण करती हैं उन्हें भी इसका खतरा रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार गर्भावस्था के दौरान प्रीक्लेम्पसिया हो जाता है जो बच्चे व मां दोनों के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है। यह अधिकतर गर्भावस्था की मध्यावस्था व उसके पश्चात देखने को मिलता है जिसके कारण उच्च रक्तचाप व सूजन हो जाते हैं।

डॉ. जान ने अपने इस शोध में 1784 गर्भवती महिलाओं का अध्ययन किया जिन्हें उच्च रक्तचाप की शिकायत थी। उन्होंने इस शोध में पाया कि मां की उम्र 35 वर्ष से अधिक होने पर पहली बार गर्भवती होने पर महिला को उच्च रक्तचाप होने की शिकायत पायी गयी। प्रीक्लेम्पसिया से उच्च रक्तचाप तो हो ही जाता है साथ ही मां के जिगर, गुर्दे व मस्तिष्क के कार्यकलाप आदि भी प्रभावित होते हैं।

### चाय हृदय रोगियों के लिए फायदेमंद

चाय एक ऐसा पेय है जो हर परिवार में पिया ही जाता है भले ही कम मात्रा में या ज्यादा मात्रा में। इसके फायदों को लेकर विशेषज्ञ एकमत नहीं हैं पर नवीनतम शोधों से यह तो सामने आया ही है कि चाय में एंटीआक्सीडेंट फ्लेव-ेनाइड्स पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं। बोस्टन बेथ इजराइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर के विशेषज्ञ केनथ जे मुकम्मल द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार चाय के सेवन का फायदा उन रोगियों में देखने को मिला जो हृदय रोगी थे। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित इस शोध में वे हृदय रोगी, जिन्हें हार्ट अटैक हुआ था और जो चाय का अधिक सेवन करते थे, उनमें उन हृदय रोगियों जो चाय का सेवन नहीं करते थे, की अपेक्षा मृत्यु दर कम पायी गयी। इस शोध में 60 वर्ष के 1900 व्यक्ति, जिनमें पुरूष व महिलाएं दोनों सम्मिलित थे, से उनके द्वारा सेवन की जाने वाली चाय की मात्रा के बारे में जाना गया और इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि चाय ने हृदय रोगियों को लाभ पहुंचाया। काली और हरी चाय में फ्लेवोनाइडस तो पाए ही जाते हैं, इसके अतिरिक्त कई सब्जियां भी लेवोनाइडस का अच्छा स्रोत हैं। विशेषज्ञों के अनुसार फ्लेवोनाइडस रक्तवाहिनियों की कार्यक्षमता में सुधार लाते हैं और रक्त में थक्कों को जमने से रोकते हैं। इन्हीं कारण से हृदय रोगियों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ा।

### काफी से हो सकता है बहुमूत्र

'ऑबस्टेटरिक्स एंड गॉयनाकॉलोजी' में प्रकाशित एक शोध के अनुसार जो महिलाएं कॉफी का व कैफीन के अन्य स्रोतों का अधिक सेवन करती हैं, उन्हें बहुमूत्र होने की संभावना अधिक होती है। इस शोध के अनुसार ऐसी महिलाओं को कैफीन का सेवन न करने वाली महिलाओं की अपेक्षा मूत्राशय की मांसपेशियों के कमजोर होने की संभावना दुगुनी से अधिक होती है। बहुमूत्र का मुख्य कारण ही कमजोर मूत्राशय है। इस शोध के विशेषज्ञ डॉ. लिली.ए. आर्या का कहना है कि वृद्ध महिलाओं में बहुमूत्र का मुख्य कारण यही है। कोला ड्रिंक्स में 24 मिलीग्राम कैफीन, ब्रू कॉफी के कप में 28 मिलीग्राम और इंस्टेट कॉफी में 66 मिलीग्राम कैफीन की मात्रा पायी जाती है।

### हर उम्र के व्यक्ति के लिए स्वास्थ्यवर्धक है पैदल चलना

विशेषज्ञों के अनुसार पैदल चलना फिट रहने का सबसे अच्छा तरीका है। नियमित पैदल चलने से आपका वजन नियंत्रित रहता है, शरीर की चर्बी कम होती है, रक्तचाप नियंत्रित रहता है और आपका हृदय भी मजबूत रहता है। पैदल चलना हर उम्र के व्यक्ति के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक है। एक नवीनतम शोध में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रतिदिन 3 किमी. चलना कोरोनरी हार्ट डिसीज की संभावना को कम करता है। पैदल चलने से रक्त में बुरे कोलेस्ट्रोल के स्तर में भी कमी आती है और हड्डियां मजबूत बनती हैं जिससे महिलाओं और पुरूषों, दोनों को आस्टियोपोरोसिस रोग से सुरक्षा मिलती है। पैदल चलने से कैलोरी खर्च होती है और व्यक्ति चुस्त रहता है। दौड़ने और जागिंग से अधिक लाभप्रद पैदल चलना है क्योंकि इससे घुटनों और शरीर पर कम तनाव पड़ता है और विशेषकर उन पुरूषों व महिलाओं को जिन्हें घुटनों का दर्द आदि रहता हो, उनके लिए इससे अच्छा व्यायाम कोई नहीं है।

### हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करती है ब्रोकली

हाल ही में हुए एक शोध से पता चला है कि ब्रोकली में एक ऐसा तत्व पाया जाता है जो उस बैक्टीरिया को नष्ट करता है जो पेट के कैंसर का कारण है। पेट के कैंसर का एक कारण हेलिकोबेक्टर पायलोरी बैक्टीरिया भी है और इस बैक्टीरिया को नष्ट करने में ब्रोकली का सेवन लाभप्रद है। वैसे तो ऐसे एंटीबायोटिक्स हैं जो महंगे होते हैं व इन बैक्टीरिया को नष्ट करते समय अच्छे बैक्टीरिया को भी पचाने में सहायक होते हैं। इसलिए अब बाल्टीमोर में जान्स हापिकन्स यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ और द फ्रेंच नेशनल सांइटफिक रिसर्च सेन्टर के विशेषज्ञों की टीम यह देखने लगी है कि इस बैक्टीरिया से होने वाले इन्फेक्शन को सिर्फ ब्रोकली के सेवन से खत्म किया जा सकता है या नहीं। इस शोध के विशेषज्ञ जेड फेहे के अनुसार दक्षिण अमेरिका, एशिया और अफ्रीका के कुछ भागों में बहुत बड़ी संख्या में लोग इस बैक्टीरिया के इन्फेक्शन से ग्रसित हैं। (स्वा.द.)

# गर्मी में बच्चों को क्या दें

मेघा

गर्मी का मौसम बच्चों के लिए परेशानी का मौसम होता है। इन दिनों इन पर पढ़ाई का कम दबाव होता है, छुट्टियां भी इन दिनों होती है।, दिन भी लंबे होते हैं। बच्चों को खेलने का समय भी इस मौसम में खूब मिलता है। उफ यह गर्मी बच्चों को खुले में खेलने देने में परेशानी का सबब बनती है । बच्चे तो हर मौसम में फुर्तीले रहते हैं पर मां-बाप ही उन्हें मौसम अनुसार बांध कर रखते हैं। इन दिनों जरा सा खेलने पर पसीना भी खूब आता है। बच्चों को ढेर सारा पानी पीने को दें और खाना साधारण संतुलित सुपाच्य और कम मसालेदार दें। विशेषज्ञों के अनुसार गर्मी में अगर छोटे बच्चों का सही ध्यान नहीं रखा जाएगा तो बच्चे बीमार पड़ सकते हैं।

### बच्चों को दें फल और जूस:-

गर्मी के मौसम में गर्मी से बचाने के लिए उन्हें तरबूज, खरबूजा, आम, लीची, केला जैसे फल दें। सलाद में खीरा, ककड़ी, टमाटर दें। पीने के लिए पानी के साथ-साथ छाछ, नींबू की शिंकजी, नारियल पानी, आम पन्ना, मिल्क शेक और ताजे फलों का जूस पीने को दें। ताकि शरीर में पानी की कमी न हो औरएनर्जी लेवल बना रहे।

### स्मूदी दें:-

बच्चों को फलों की स्मूदी थोड़ा दही में मिलाकर मिक्सी में चर्न कर दें। बच्चों का कुछ समय के लिए पेट भी भरा रहेगा और एनर्जी भी मिलेगी। जो बच्चे फ्रूट खाने में नखरे करते हैं उन्हें स्मूदी खूब पसंद आएगी। आम को भी दही के साथ चर्न कर मैंगो स्मूदी भी दे सकते हैं। बच्चों को दही अवश्य खाने को दें, दही पेट के लिए अच्छा होता है और तासीर ठंडी। इसलिए दही गर्मियों में फायदेमंद है।

### पानी का रखें ध्यान:-

बच्चे पानी पीने में लापरवाही बरतते हैं. हर थोड़ी देर में उन्हें पानी पीने को कहें और स्वयं भी ध्यान दें कि बच्चा दिन भर में कितना पानी पी रहा है। बच्चे जब भी खेलने जाएं, स्कूल जाएं, मार्केट या घूमने जाएं तो उन्हें पानी की बोतल देना न भूलें।

### क्या न दें:-

बच्चों को गर्मी के मौसम में नॉनवेज, अधिक तले खाद्य पदार्थ, ज्यादा मिर्च मसाले वाला भोजन न दें। नॉनवेज अगर बच्चे शौकीन हैं तो बहुत कम मात्रा में उन्हें खाने को दें। बच्चों को ज्यादा जंक फूड न दें, सप्ताह में एक टाइम जंक फूड खाने को दें। अगर आप बच्चों के साथ बाहर घूमने गए हैं तो कुछ लाइट स्नैक्स साथ रखें ताकि जरूरत पड़ने पर आप उन्हें दे सकें. जंक फूड पेट खराब करता है। (स्वा.द.)

# आपका टुथब्रश

सुनीता गाबा

दांतों की रक्षा के लिए हम प्रतिदिन दांतों को टुथब्रश से साफ करते हैं। यदि हम टूथब्रश को ही गंदा रखेंगे तो हमारे दांत कैसे साफ रह सकते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए हमें अपने ब्रश की देखभाल करना उतना ही आवश्यक है जितना अपने दांतों की। परिवार के प्रत्येक सदस्य का अपना अलग टुथब्रश होना चाहिए। कभी भी किसी दूसरे के ब्रश का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

- ब्रश को कभी खुला मत रखें। धूल मिट्टी वाला ब्रश आपके दांतों में भी गंदगी ले जाएगा। ब्रश को ढक कर रखें।
- टुथब्रश के बाल जैसे ही ढीले होने लगें, उस ब्रश को बदल लेने में ही भलाई होती है क्योंकि ढीले 'ब्रिसल' वाला ब्रश आपके दांतों को भी ढीला ढाला साफ करेगा।
- टुथब्रश को दो माह से अधिक उपयोग में मत लाए।
- सभी लोग एक स्थान पर अपने टुथब्रश को न रखें। अलग खानों में अपना ब्रश रखें।
- ब्रश स्टैन्ड को छाया में रखें नहीं तो ब्रश धूप में सख्त हो जायेगा।
- ब्रश के ब्रिसल्स को दांतों में चबायें नहीं, बस दांतों को अंदर से साफ करें। चबाने से ब्रश अपना सही आकार खो देगा।
- जब भी दांत साफ करें, पहले और बाद में टुथब्रुश को खुले पानी में धो लें।
- ब्रश खरीदते समय ध्यान रखें कि हमेशा ब्रश 'नर्म', मीडियम या 'यूनिवर्सल' खरीदें। 'सख्त' ब्रश से आपके मसूड़े छिल जाने का खतरा बना रहेगा।
- ब्रिसल के नीचे यदि कुछ जमा हुआ महसस हो, ऐसे में तेज धार पानी के नीचे ब्रश रखें। साफ न होने की स्थिति में ब्रश बदल डालें।
- ब्रश को धोने के बाद धूप में न रखें। उसके पानी को छिड़क कर ढक्कन में ब्रश रखें।
- प्रत्येक 15 दिन के बाद टुथब्रश को गुनगुने नमक मिले पानी से धोएं।
- प्रत्येक मुख्य भोजन के बाद दांत अवश्य साफ करें। पहले खाली ब्रश से दांत साफ करें। उससे दांतों में फंसा हुआ भोजन निकल जाएगा। उसके बाद टुथ पेस्ट या मंजन लगाएं।
- जिस प्रकार हम अपने दांतों को चमकदार बनाना चाहते हैं, उसी प्रकार ब्रश को भी साफ व चमकदार रखना चाहिए। (स्वा.द.)

# गर्मी में सेहत

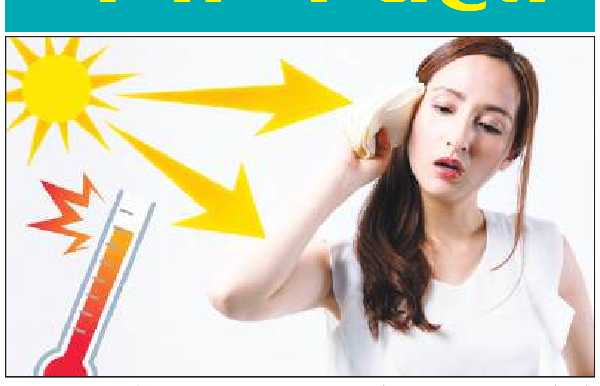

नरेश सिंह नयाल

गर्मी के आते ही परेशानियाँ बढ़ने लगती हैं। दिन की धूप में चेहरा जलना, हाथों की चमड़ी का जलना तथा चक्कर आकर गिर जाना, ये सारी आम बातें हैं। सूरज की तपिश से जब शरीर का तापमान बढ़ने लगता है तो हमारे शरीर का आंतरिक तापमान भी परिवर्तित होने लगता है। पसीना आना उसी का परिणाम है। पसीने के आते ही हमारे शरीर के अंदर जितने भी लवण व खनिज तथा विटामिंस पाए जाते हैं, वे पसीने के साथ शरीर से रिसकर बाहर आ जाते हैं। इन्हीं की कमी के परिणाम स्वरूप चक्कर आना, आँखों के आगे धुंधलापन छाना तथा आलसपन और कमजोरी आना लाजमी है।

शरीर के तापमान को सुचारू रूप से बनाये रखने का काम करता है, पानी यानी शरीर में पाए जाने वाले आयनों से भरपूर द्रव्य। इसको यदि हमने अपने नियंत्राण में ले लिया तो हम उपरोक्त विचाराधीन बातों से आहत होने से बच सकते हैं। उसके लिए निम्नांकित उपायों का प्रयोग करें।

- शरीर को जलने से बचाने के लिए पूरी आस्तीन वाले सूती कपड़ों का ही प्रयोग करें।
- तली हुई वस्तुओं का सेवन कम करें।
- शाकाहारी भोजन को ज्यादा से ज्यादा अपने खाने में शामिल करें।
- फलों व कच्ची सब्जियों का ज्यादा इस्तेमाल करें।
- फलों में भी ऐसे फलों का सेवन ज्यादा करें जिनमें जल की मात्रा अधिक हो जैसे-तरबूज, खीरा आदि।
- पानी खूब पियें। इसके लिए कहीं भी जाने से पूर्व अपने बैग में पानी की बोतल अवश्य रख लें। प्राकृतिक पेय साधनों का ही ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें।
- धूप में शरीर को ज्यादा देर तक न तपाएं।
- भोजन थोड़ा कम ही लें तो ज्यादा बेहतर होगा। (स्वा.द.)

# स्वास्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु है क्रोध

सुरेश कुमार सैनी

वर्तमान समय में जरा-जरा सी बात पर लोगों को क्रोध आना एक साधारण बात हो गई है। लोगों के चेहरों पर सहनशीलता और गंभीरता नाम मात्रा को ही दिखाई देती है। इसका कारण है इस प्रतिस्पर्धा पूर्ण जीवनशैली में मनुष्य का अनेक प्रकार के दबावों से घिरा होना।

सुख, चैन, खुशी और प्रसन्नचित मन वाले चेहरे शायद ही भीड़ में एक या या दो ही दिखाई पड़ें। बाहर से आकर्षक दिखने वाले लोग अंदर से कुंठाग्रस्त हो गये हैं। इसी कुंठा से मनुष्य का मन क्रोध का शिकार होता है। कई लोगों को तो बात-बात पर क्रोध आता रहता है।

क्रोध व्यक्ति को मानसिक क्षति ही नहीं पहुंचाता वरन् व्यक्ति की शारीरिक शक्ति को भी नुकसान पहुंचाता है। मस्तिष्क भी आपात्कालीन क्रियाओं पर से अपना नियंत्राण खो देता है। उसके शरीर में एक अजीब किस्म की उत्तेजना आ जाती है। यही उत्तेजना व्यक्ति से गलत कार्य करवाती है। क्रोध आने पर व्यक्ति किसी से भी भिड़ जाता है और क्रोध की समाप्ति पर वह एक असहाय बालक की तरह हो जाता है।

वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा सिद्ध हो चुका है कि जो लोग ज्यादा क्रोध करते हैं, उन्हें हृदयाघात की आशंका आम व्यक्ति से तीन गुणा ज्यादा रहती है। साथ ही क्रोध के कारण उत्पन्न होने वाली विषाक्त शर्करा उसकी पाचन शक्ति को क्षीण कर देती है। इसके अलावा उसे ब्लडप्रेशर, बेहोशी, मिरगी जैसे गंभीर रोग होने की आशंका बनी रहती है। लगातार 15 मिनट तक क्रोध करने पर व्यक्ति अपने अंदर की ऊर्जा को क्षति पहुंचाता है जिस ऊर्जा से वह साढ़े नौ घण्टे तक कठोर परिश्रम कर सकता है।

क्रोध से होने वाले नुकसान जानने के बावजूद ज्यादातर लोग इसे अपना परम मित्रा समझते हैं। उनका सोचना है कि क्रोध के बगैर जीवन चल ही नहीं सकता। बच्चों को सुधारने के लिए क्रोध करना बहुत जरूरी है। कंपनियों में कर्मचारियों को कन्ट्रोल करने के लिए क्रोध करना पड़ता है लेकिन यह ख्याल गलत भी हो सकता है। जरूरी नहीं कि हर काम क्रोध से ही हो।

बच्चों पर ज्यादा क्रोध करने से वे उद्दण्ड हो जाते हैं और फिर बड़ों पर क्रोध तथा फिर उनका अपमान करने लगते हैं। जिन कर्मचारियों पर आप क्रोध करते हैं वे भी पीठ पीछे आपसे नफरत करने लगेंगे। कहने का तात्पर्य यह है कि क्रोध बने हुये कामों को बिगाड़ देता है।

क्रोध पर नियंत्रण पाने के लिए हमें क्षमा रूपी ज्ञान को अपनाना चाहिए। क्षमाभाव धारण करने से हम करोड़ों लोगों की आंखों में बस सकते हैं। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी सही रहेगा। यदि आपसे कोई गलती होती है तो क्षमा मांगने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिये और यदि किसी और से गलती हो जाये तो समझाकर उसे माफ कर देना चाहिए।

जब भी क्रोध आपको अपना शिकार बनाये, उसी समय क्रोध वाली बात को त्यागकर अच्छे विचार मन में लायें अर्थात् जब भी किसी पर या किसी स्थान पर क्रोध आये तो उस व्यक्ति स्थान को छोड़कर दोस्तों के साथ घूमने, टी. वी. देखने या अच्छी किताबें पढ़ने में मन लगाना चाहिये। अत उस स्थान को ही त्याग देना चाहिए जिस स्थान पर आप क्रोध का शिकार हुये हों।

सहनशीलता ही ऐसा गुण है जो मनुष्य को पशुता से मानवता की ओर ले जाता है अर्थात् नम्रता में ही मानव जीवन का सुख और स्वास्थ्य छिपा है। कुछ समय ध्यान भी लगाएं। इससे मानसिक शांति मिलेगी। यदि क्रोध उफान पर हो तो ठंडा पानी पीना न भूलें। (स्वा.द.)

# जरूरी है गर्मियों में त्वचा की सुरक्षा

सुनीता गाबा

- दिन में दो बार चेहरा अवश्य धोएं।
- त्वचा को साफ रखना जरूरी है क्योंकि गर्मियों में त्वचा पर पसीना अधिक आता है और धूल मिट्टी की समस्या भी ज्यादा होती है, इसलिए त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- 30 एस पी एफ युक्त सनस्क्रीन बाहर जाने से पहले जरूर लगाएं। चेहरे के साथ बाजुओं,गर्दन और पैरों पर भी लगाएं। अधिक देर तक बाहर हैं तो हर दो तीन घंटे के अंतराल में सनस्क्रीन लगाएं।
- ऑयल फ्री माश्चराइजर का प्रयोग करें।
- नहाने से पहले त्वचा पर तेल का प्रयोग कर हल्की मालिश करें ताकि त्वचा हाइडेऋट रहे। नारियल तेल सबसे उत्तम होता है। इसमें एक विशेषता होती है नारियल तेल की ऊपरी कोटिंग नहाने के बाद साफ होती है। कुछ मात्रा त्वचा के भीतर समा कर त्वचा को हाइडेऋट बनाए रखती है।
- नारियल तेल चेहरे पर भी नहाने से पहले लगा सकती हैं, यह एंटी एंजिंग भी होता है। ऑयली त्वचा वाले इसे न लगाएं।
- सनबर्न होने पर चेहरा ठंडे पानी से धोकर कैलामाइन लोशन या मड पैक लगाएं। बाहर से आने पर थोड़ी देर में चेहरा ठंडे पानी से अवश्य धोएं।
- टोनर का प्रयोग करें ताकि रोमछिद्र बंद रहें और त्वचा को ठंडक मिलती रहे। चाहें तो गुलाबजल का प्रयोग भी कर सकते हैं। टोनर त्वचा के अनुरूप लें।
- कोल्ड ड्रिंक्स त्वचा के लिए नुकसानदेह होते हैं। इनका सेवन कम करें। पानी अधिक पिएं। नींबू पानी, नारियल पानी, ताजा फलों का रस, छाछ का सेवन करें।
- सन टैन करने के लिए एलोवेरा जेल, नींबू का रस, ककड़ी का रस, आलू, दही, मलाई, दूध, चंदन पाउडर, मुल-तानी मिट्टी का प्रयोग करें।
- गर्मियों में त्वचा को एक्सफालिएट करना जरूरी है, मृत त्वचा दूर होगी, रक्तसंचार बढ़ेगा। इसके लिए रेडीमेड स्क्रबर या होम मेड स्क्रब का प्रयोग करें।
- छाता लेकर बाहर निकलें और सनग्लास पहनें। (स्वा.द.)

## गंगा में स्नान के दौरान दो बहनों की डूबने से मौत, तीन लड़कियां लापता

**मुंगेर:** बिहार के मुंगेर जिले में बुधवार को गंगा नदी में स्नान करने के दौरान दो बहनों की डूबने से मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लड़कियां लापता हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के श्यामपुर घाट पर हुई। थानाध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '10 से 16 साल तक की पांच लड़कियां श्यामपुर घाट पर स्नान कर रही थीं। इनमें चार सगी बहनें थीं, जबकि एक लड़की दूसरे परिवार की थी। बचाव दल ने अब तक दो शव बरामद किए हैं। बाकी लड़कियों की तलाश जारी है।' उन्होंने बताया कि जिन दो लड़कियों के शव बरामद किए गए हैं, वे 16 वर्ष और 12 वर्ष की थीं तथा क्रांति पासवान की बेटियां थीं। सिंह ने कहा, ' शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया जाएगा।'

## बिहार के पूर्वी चंपारण में टेंपो एवं एक अन्य वाहन की भिड़ंत में चार लोगों की मौत, चार घायल

**मोतिहारी:** बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में बुधवार को एक टेंपो और अन्य वाहन की भिड़ंत में दो महिलाओं एवं सात वर्षीय एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना पूर्वाह्न करीब 12:30 बजे सुगौली थाना क्षेत्र में छपवा-बेतिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलवरिया नयका टोला के समीप हुई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया नगर की आयशा खातून (22), रुबीना खातून (28) और उनके सात वर्षीय पुत्र जायद खान के रूप में हुई है। उसने कहा कि इस हादसे में टेंपो चालक भैरव रावत (32) की भी जान चली गयी जो सुगौली थाना क्षेत्र के छगराहा गांव का निवासी था। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने इस दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया, ''टेंपो यात्रियों को लेकर मोतिहारी से बेतिया जा रहा था, जबकि अन्य वाहन विपरीत दिशा से आ रहा था।

## सरकार ने विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को लागू करने के लिए अंतर-मंत्रालयी बैठक की

**नयी दिल्ली:** सरकार ने एक जुलाई से 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025' के लागू होने से पहले बुधवार को इसके तहत समन्वय ढांचे के मसौदे पर मंत्रालयों के बीच एक उच्च-स्तरीय बैठक की। यहां कर्तव्य भवन में ग्रामीण विकास सचिव रोहित कंसल की अध्यक्षता में हुई बैठक में 18 मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधियों और नोडल अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह परामर्श बैठक उन तैयारियों का हिस्सा है, जो एक जुलाई 2026 से 'वीबी-जी राम जी अधिनियम' के लागू होने से पहले की जा रही हैं। बैठक के दौरान मुख्य रूप से इस अधिनियम के उस दृष्टिकोण को कार्यान्वित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें विकेंद्रीकृत और पंचायती राज संस्थाओं के नेतृत्व वाले नियोजन और समन्वय के जरिये ग्रामीण विकास के लिए 'समग्र-सरकार' वाले दृष्टिकोण को अपनाया जाना है।

## मुजफ्फरपुर में विकसित हुई कैंसर मरीज के देखभाल करने वाली मोबाइल आधारित सहायता प्रणाली

**मुजफ्फरपुर:** बिहार के मुजफ्फरपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएच एंड आरसी) ने कैंसर सर्जरी के बाद मरीजों की देखभाल करने वाले परिजनों की सहायता के लिए 'कैंसर केयरगिवर सपोर्ट सिस्टम' (सीसीएसएस) विकसित किया है। यह कम लागत वाली मोबाइल आधारित सहायता प्रणाली देखभालकर्ताओं को ऑपरेशन के बाद की देखभाल, पोषण, स्वच्छता, पुनर्वास तथा लक्षणों के प्रबंधन से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई है। एचबीसीएच एंड आरसी के निदेशक कुमार प्रभाष ने कहा, सीसीएसएस जैसी पहलें देखभालकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती हैं और उन्हें आवश्यक जानकारी एवं सहयोग प्रदान करती हैं। इससे उपचार के प्रति मरीजों की प्रतिबद्धता, जीवन की गुणवत्ता तथा कैंसर उपचार के समग्र परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार की व्यवस्था अब अधिक मरीज-केंद्रित और परिवार को साथ लेकर चलने वाले दृष्टिकोण की ओर बढ़ रही है।

# बिहार में शिक्षकों के तबादले के लिए नई नियमावली बनेगी, मंत्रिमंडल ने 46 प्रस्ताव मंजूर किये

**पटना:** बिहार सरकार ने प्रारंभिक विद्यालयों से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक के शिक्षकों, प्रधान शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के स्थानांतरण को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और मानवीय बनाने के लिए 'बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, 2026' बनाने का निर्णय लिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमावली अधिसूचित होने के बाद शिक्षकों का स्थानांतरण पोर्टल आधारित प्रणाली के माध्यम से निर्धारित नियमों के तहत किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में कुल 46 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने संवाददाताओं को बताया कि नई व्यवस्था के तहत स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, दिव्यांगता, पति-पत्नी के अलग-अलग पदस्थापन, पारिवारिक परिस्थितियां तथा अन्य मानवीय आधारों को स्थानांतरण में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षिकाओं को गृह पंचायत से बाहर, लेकिन अपने प्रखंड के भीतर

निकटवर्ती पंचायत में पदस्थापन का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को गृह प्रखंड से अलग, जिले के भीतर निकटवर्ती प्रखंड में स्थानांतरण की सुविधा दी जा सकेगी। चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य शिक्षकों की वास्तविक कठिनाइयों और व्यक्तिगत समस्याओं को ध्यान में रखते हुए स्थानांतरण प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील बनाना है तथा जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहां आवश्यकता के अनुसार पदस्थापन कर शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के संतुलित वितरण से विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां अधिक प्रभावी होंगी और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में भी सहायक होगी। सरकार के अनुसार नई नियमावली का उद्देश्य शिक्षकों के कल्याण, विद्यार्थियों के हित और विद्यालयों की आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करना है। इससे स्थानांतरण प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी, नियमबद्ध और प्रभावी बनाया जा सकेगा। अपर मुख्य सचिव के अनुसार मंत्रिमंडल ने राज्य में ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये तथा पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 5,000 करोड़ रुपये तक की वित्तीय व्यवस्था को भी मंजूरी दे दी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप परियोजना के लिए 'हा-उसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (हुडको) से एक लाख करोड़ रुपये के दीर्घकालिक ऋण का मार्ग प्रशस्त किया गया है तथा इसके लिए राज्य सरकार को हुडको के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि इस राशि से टाउनशिप क्षेत्रों में सुनियोजित आधारभूत संरचना और आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि इससे निजी निवेश आकर्षित होगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। चौधरी ने कहा कि मंत्रिमंडल ने बिहार पर्यटन नीति-2023 के तहत पर्यटन आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड को हुडको एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से राज्य सरकार की गारंटी पर 5,000 करोड़ रुपये तक का वित्तपोषण प्राप्त करने की भी मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि इस राशि का उपयोग सितारा होटलों, कन्वेंशन सेंटर, मार्गीय सुविधाओं, स्मार्ट शौचालयों, वाई-फाई जोन, वाटर एटीएम, स्मार्ट पार्किंग तथा पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी विकसित करने में किया जाएगा।

## चंपत राय ने जांच का हवाला देकर राम मंदिर ट्रस्ट की वित्तीय जानकारी देने से किया इनकार

**अयोध्या (उप्र):** अयोध्या में स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में हुए कथित घोटाले की जांच के बीच राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) की जांच का हवाला देते हुए ट्रस्ट की आमदनी, खर्च, दान और बैंक खातों समेत संबंधित जानकारी देने से इनकार कर दिया है। राय ने जानकारी देने से ऐसे समय में मना किया है जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता रजनीश सिंह की ओर से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में दी गई शिकायत को जरूरी कार्रवाई के लिए अयोध्या जिला प्रशासन को भेजा गया। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) विशु राजा को 23 जून को लिखे पत्र में अपर जिलाधिकारी (कानून-व्यवस्था) इंद्रकांत द्विवेदी ने कहा कि उन्होंने शिकायत में मांगी गई जानकारी के लिए राय से संपर्क किया था। पत्र के मुताबिक राय ने उन्हें बताया है कि कथित चढ़ावा चोरी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच अभी जारी है और एसआईटी सभी जरूरी जानकारियां इकट्ठा कर रही है। द्विवेदी ने बताया कि राय ने कहा है कि मामले में जारी जांच को देखते हुए वांछित जानकारी नहीं दी जा सकती।

## झारखंड सरकार विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भर रही है: सोरेन

**रांची:** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भर रही है, सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत कर रही है और युवाओं को अवसर प्रदान कर रही है। सोरेन ने यहां एक कार्यक्रम में 262 खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए नवनियुक्त अधिकारियों को पूर्ण ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'आज झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नयी शुरुआत हुई है। चिकित्सकों, अस्पताल प्रबंधकों और वित्त प्रबंधकों की नियुक्ति अस्पताल प्रबंधन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।' नवनियुक्त लोगों में 151 विशेषज्ञ चिकित्सक, 56 खाद्य सुरक्षा अधिकारी, 29 वरिष्ठ अस्प-ताल प्रबंधक और 26 वित्त प्रबंधक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां चिकित्सक चिकित्सा उपचार प्रदान करते हैं, वहीं अस्पताल के

कुशल संचालन और वित्तीय प्रबंधन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि चिकित्सक अपना अधिकतम समय मरीजों की देखभाल में लगाएं, जबकि प्रशासनिक और प्रबंधन संबंधी जिम्मेदारियां प्रशिक्षित टीमों द्वारा संभाली जाएं। सोरेन ने कहा, 'मैं सभी नवनियुक्त अधिकारियों, चिकित्सकों और प्रबंधकों से आग्रह करता हूं कि वे याद रखें कि उन्हें जो वेतन मिलता है, वह आम नागरिकों के पैसे से आता है। हम सभी जनता के ऋणी हैं। सरकार अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और भत्तों पर खर्च करती है।'

## भरत तिवारी मुठभेड़ प्रकरण: उसके गांव पहुंचे प्रशांत किशोर, न्यायिक जांच की निगरानी की मांग

**आरा:** जले में हालिया कथित पुलिस मुठभेड़ में जान गंवाने वाले भरत भूषण तिवारी के पैतृक गांव पहुंचे और उसके परिजनों से मुलाकात की। वह इस मुद्दे पर चर्चा के लिए ग्रामीणों द्वारा बुलाई गई पंचायत बैठक में भी शामिल होने वाले हैं। जन सुराज पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि भरत भूषण के परिजनों ने न्याय दिलाने में किशोर से मदद की अपील की थी और उन्हें पंचायत बैठक में आमंत्रित किया था। किशोर ने भोजपुर में संवाददाताओं से कहा, ''पीड़ित परिवार की मांग बिल्कुल स्पष्ट है। उन्हें न तो पैसा चाहिए, न मुआवजा और न ही सरकारी नौकरी। उन्हें न्याय चाहिए और न्याय तभी मिलेगा जब उस व्यक्ति की हत्या करने वालों तथा ऐसा करने का आदेश देने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।'' उन्होंने मांग की कि न्यायिक जांच किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश के बजाय कार्यरत न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए और जांच तीन महीने के भीतर पूरी की जाए। किशोर ने कहा कि न्यायिक जांच का दायरा केवल

जिला पुलिस प्रशासन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बिहार के गृह विभाग, विशेष कार्य बल (एसटीएफ), पुलिस महानिदेशक और राज्य के गृह मंत्री की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में बिलौती गांव के भारत भूषण तिवारी की पिछले सप्ताह पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों ने इसे कथित रूप से फर्जी मुठभेड़ बताते हुए पुलिस पर न्यायेतर हत्या का आरोप लगाया है। जन सुराज पार्टी ने रविवार को पटना में मोमबत्ती मार्च निकालकर तिवारी के लिए न्याय की मांग की थी। इस बीच, बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने विपक्ष पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने पटना में संवाददाताओं से कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना सभी को दुखी करने वाली है। सरकार ने मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। विपक्ष को इसका राजनीतिकरण करने के बजाय सरकार और न्यायिक समिति के साथ सहयोग करना चाहिए ताकि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिल सके।'

## भारत और रूस के उच्चतम न्यायालयों ने न्यायिक सहयोग पर एमओयू पर हस्ताक्षर किये

**नयी दिल्ली:** भारत के उच्चतम न्यायालय ने रूस के उच्चतम न्यायालय के साथ न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और रूस के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश इगोर क्रास्नोव ने मंगलवार को मास्को में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उच्चतम न्यायालय के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ गए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने रूस के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश से मुलाकात भी की। एक विज्ञप्ति में कहा गया,

''बैठक मास्को स्थित रूस के उच्चतम न्यायालय के 'मार्बल हॉल' में आयोजित की गई, जहां दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और समकालीन मैत्रीपूर्ण संबंधों पर विशेष जोर देते हुए विचार-विमर्श शुरू हुआ।' विज्ञप्ति के अनुसार, चर्चा के दौरान उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पारस्परिक सहयोग की आवश्यकता, दोनों देशों की न्यायिक प्रणालियों में किए जा रहे डिजिटल बदलाव, विशेष रूप से न्यायिक प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग के माध्यम से न्याय वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने तथा न्याय तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विचार किया गया। उच्च गुणवत्ता वाली न्यायिक शिक्षा के महत्व पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई।'' विज्ञप्ति में कहा गया, 'इसके बाद बातचीत दोनों देशों की न्यायिक संस्थाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के उपायों पर केंद्रित रही, जो संप्रभु समानता के सिद्धांत और अन्य मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाओं पर आधारित होंगे, जिनके दोनों देश पक्षकार हैं।' विज्ञप्ति में कहा गया, विस्तृत विचार-विमर्श के बाद दोनों प्रधान न्यायाधीशों और उनके प्रतिनिधिमंडलों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत आदान-प्रदान यात्राओं, अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा संयुक्त संगोष्ठियों और सम्मेलनों के आयोजन के माध्यम से सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जतायी गई।

# लखनऊ में आग लगने की घटना में मारे गये सभी लोगों की मौत दम घुटने से होने की पुष्टि

**लखनऊ:** लखनऊ के अलीगंज इलाके में गत सोमवार को एक इमारत में आग लगने की घटना में जान गंवाने वाले सभी 15 लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से उनकी मौत होने की पुष्टि हुई है। सूत्रों ने बताया कि किसी भी शव के पोस्टमार्टम में ऐसी कोई गंभीर बाहरी चोट नहीं पायी गयी है, जिसे सीधे तौर पर मृत्यु का कारण माना जा सके। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों को शवों पर बुरी तरह जलने या गहरे घाव के कोई स्पष्ट सबूत भी नहीं मिले हैं, मगर कई मृतकों के चेहरे और आंखों के आसपास सूजन देखी गई। पोस्टमार्टम करने वाले विशेषज्ञों ने मृतकों की नाक के अंदर कालिख और धुएं के कण भी पाए जिससे यह जाहिर होता है कि मरने से पहले उनके शरीर में काफी मात्रा में धुएं ने प्रवेश किया था और दम घुटने से उनकी मौत हुई। सूत्रों ने बताया कि इन तथ्यों के आधार पर डॉक्टरों ने निष्कर्ष निकाला कि आग लगने की घटना में मारे गये सभी 15 लोगों की मौत दम घुटने के कारण हुई है। पोस्टमार्टम करने वाली टीम में शामिल एक वरिष्ठ डॉक्टर ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, ''पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि सभी 15 मृतकों की मौत फेफड़ों में अत्यधिक धुआं जाने से चलते दम घुटने के कारण हुई। शरीर पर जलने या बाहरी चोट के ऐसे कोई गंभीर निशान नहीं मिले जिन्हें मौत की सीधी वजह माना जा सके।' उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के दौरान सामने आयी ये जानकारियां जांच अधिकारियों को दे दी गई हैं। डॉक्टर ने कहा, ''आग से प्रभावित बंद जगहों पर ऑक्सीजन का स्तर तेजी से गिर सकता है और जहरीली गैसें जमा हो सकती हैं, नतीजतन दम घुटने के हालात बन जाते हैं।'' चिकित्सक ने बताया, 'कई मामलों में अंदर फंसे लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त समय या मौका नहीं मिल पाता। मरने से पहले धुएं के कारण वे लोग सम्भवत: बेहोश हो गए होंगे।'

## आग की घटना के सिलसिले में एलडीए के 25 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने यहां अलीगंज इलाके में सोमवार को एक इमारत में आग लगने की घटना में 15 लोगों की मौत के मामले में अपने 25 मौजूदा और पूर्व अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि प्राधिकरण ने इस मामले में अपने अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए एक आंतरिक जांच समिति बनाई थी। उन्होंने कहा, ''हमने प्रान्तीय लोकसेवा (पीएएस) के छह वरिष्ठ अधिकारियों और 19 अभियंताओं की पहचान की है। वे संबंधित क्षेत्र में जोनल अधिकारी, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता के तौर पर तैनात थे तथा इस मामले में उनकी जिम्मेदारी बनती है। हमने सरकार से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की है।' अलीगंज की जिस तीन मंजिला इमारत में सोमवार को भीषण आग लगने से 15 लोगों की मौत हुई उसका नक्शा रिहायशी इस्तेमाल के लिये मंजूर किया गया था लेकिन उसका प्रयोग वाणिज्यिक कार्यों में किया जा रहा था।

## न्यूज अपडेट

### भजनलाल शर्मा ने दी राजस्थान को 631 करोड़ रुपये के 1538 विकास कार्यों की सौगात

**जयपुर:** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार बिजली-पानी एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की सुगम उपलब्धता एवं नागरिक सेवाओं के विस्तार पर प्राथमिकता से कार्य करते हुए अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को राहत प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि जयपुर में परिवहन से लेकर सफाई व्यवस्था को हाईटेक करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जिससे भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। मुख्यमंत्री बुधवार को सांगानेर स्टेडियम में लगभग 631 करोड़ रुपये के 1538 विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास एवं पट्टा वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार एवं उन्नयन होगा, जिससे क्षेत्र के आमजन को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार राजस्थान की आठ करोड़ लोगों की सेवा और कल्याण के लिए पूर्ण रूप से संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास करेंगे। तेरह हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत की इस मेट्रो लाइन में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक के कार्यादेश भी जारी किए जा चुके हैं। यह परियोजना यातायात को अधिक सुगम बनाने, समय की बचत सुनिश्चित करने और शहर के समग्र विकास को नई गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा शहरी आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए स्मार्ट सिटी मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), पीएम स्वनिधि, अमृत मिशन और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं का जिक्र किया।

### तृणमूल, शिवसेना (उबाठा) के मामलों में मानसून सत्र की शुरुआत से पहले निर्णय लेंगे बिरला

**नयी दिल्ली:** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संसद के आगामी मानसून सत्र की शुरुआत से पहले तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) में हुई बगावत के मामलों पर फैसला करेंगे। इन दलों ने अपने बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने तृणमूल के नेता अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल और पार्टी से अलग हुए समूह से मुलाकात कर उनकी बातें सुनीं। इसी प्रकार की प्रक्रिया शिवसेना (उबाठा) के मामले में भी अपनाई गई। उन्होंने बताया कि संसद के विधि एवं संवैधानिक विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श जारी है तथा उनके सुझावों के आधार पर अध्यक्ष अंतिम निर्णय लेंगे। सूत्रों ने कहा कि इसी तरह के मामलों में पीठासीन अधिकारियों द्वारा पहले लिये गए फैसलों और नजीर का भी अध्ययन किया जा रहा है, ताकि सभी संवैधानिक और कानूनी पहलुओं पर विचार कर कानूनी रूप से ठोस निर्णय लिया जा सके। इस बीच, लोकसभा सचिवालय मानसून सत्र के लिए संभावित बैठक व्यवस्था पर भी विचार कर रहा है। तृणमूल और शिवसेना (उबाठा) के बागी समूहों के अलावा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने भी कांग्रेस से अलग बैठने की व्यवस्था का अनुरोध किया है। कांग्रेस ने तमिलनाडु में दशकों पुराने गठबंधन को तोड़ते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) से हाथ मिला लिया है।

### तमिलनाडु गैस रिसाव: मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हुई, 68 लोग अस्पताल में भर्ती

**चेन्नई:** तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक एक निजी समुद्री खाद्य पदार्थ प्रसंस्करण और निर्यात इकाई में अमोनिया गैस रिसाव मामले में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है, जबकि 68 लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने बुधवार को एक बुलेटिन में यह जानकारी दी। यह औद्योगिक रासायनिक रिसाव 21 जून को पेरियापालयम के पास कनिगैपेयर और मंजुंगरानाई इलाके में स्थित इकाई में नियमित औद्योगिक गतिविधियों के दौरान हुआ था। मृतकों में से आठ महिलाएं ओडिशा की और दो असम की हैं। घटना वाले दिन दो लोगों की मौत की खबर मिली, इसके बाद 22 जून को छह लोगों की और 23 व 24 जून को एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। मंगलवार को पांच पीड़ितों के शव हवाई मार्ग से ओडिशा पहुंचाए गए और बाकी पांच शवों को सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद भेजा जाएगा। इस रिसाव से कुल 83 लोग प्रभावित हुए, जिनमें से 68 का अब भी चार अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इनमें से ज्यादातर प्रवासी मजदूर हैं, जिनमें ओडिशा से 33, असम से 16, झारखंड से नौ, केरल से तीन, पश्चिम बंगाल से एक और तमिलनाडु से छह। अस्पताल में भर्ती लोगों में 65 महिलाएं और तीन पुरुष हैं। पांच लोगों को छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल में भर्ती लोगों में 17 जीवन रक्षक सपोर्ट पर हैं, 21 को नाक के जरिए ऑक्सीजन दी जा रही है और 30 की हालत स्थिर बताई गई है।

## नदी में डूबने की घटनाओं में दो सगे भाइयों समेत पांच लोगों की मौत

सोनभद्र/बाराबंकी (उप्र): उत्तर प्रदेश के सोनभद्र और बाराबंकी जिलों में अलग-अलग घटनाओं में नदियों में नहाते वक्त डूबने से दो सगे भाइयों समेत कुल पांच लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोनभद्र के अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि चोपन थानाक्षेत्र के मीतापुर गांव में सोन नदी में नहाते समय डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गयी। उन्होंने घटना में मृत बच्चों के परिजनों के हवाले से बताया कि शादी के बाद चौथी की रस्म पूरी करने के लिए परिजन और रिश्तेदार सोन नदी के तट पर इकट्ठा हुए थे तथा इसी दौरान उनमें से कुछ महिलायें नदी में नहाने चली गयी। कुमार ने बताया कि महिलाओं के साथ बोलबम (16) और दीपक (15) भी नदी में नहाने उतरे लेकिन गहरे पानी में चले जाने की वजह से वे डूब गये और उनकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि इस दौरान पुलिस को पास में ही संदीप नामक 18 वर्षीय युवक के भी नदी डूबने की सूचना मिली। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर तिवारी ने आरोप लगाया कि अवैध तरीक़े से बड़ी-बड़ी मशीनों के माध्यम से खनन होने के कारण नदी के तल में स्थान स्थान पर गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिनके कारण नदी में नहाते समय गहराई का अंदाजा नहीं हो पाता एवं लोग डूब जाते हैं। घटनास्थल पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि शासन पीड़ित परिवारों के साथ है तथा उनकी हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने बताया कि शवों को खोजने के लिए राज्य आपदा राहत बल की टीम को बुलाया गया है और जल्द ही सभी शवों को बरामद कर लिया जाएगा। बाराबंकी से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक जिले के हैदरगढ़ में अवसानेश्वर मन्दिर धाम में गोमती नदी में स्नान करने उतरे दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गयी।

## पाकिस्तान के आतंकी संगठन के साथ संबंध रखने के संदेह में कर्नाटक में एक व्यक्ति गिरफ्तार

**दावणगेरे (कर्नाटक):** पाकिस्तान के एक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने के संदेह में एक व्यक्ति को कर्नाटक के दावणगेरे जिले में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुहेल (20) हाल में अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश से दावणगेरे के हरिहर तालुक आया था, जहां वह पेंटर का काम कर रहा था। उसने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से प्राप्त जानकारी के आधार पर मंगलवार को खुफिया अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान में सुहेल को पकड़ा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''हमने आरोपी को पकड़ लिया और उसे संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दिया।'' पुलिस के अनुसार सुहेल के व्हाट्सअप अकाउंट पर आतंकवाद से संबंधित संदिग्ध सामग्री मिली और कथित तौर पर वह पाकिस्तान में मौजूद कई लोगों के संपर्क में था। इस गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले ही चार जून को तुमकुरु और दावणगेरे जिलों से दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया था। दोनों पर आरोप है कि वे सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में रहने वाले एक व्यक्ति के संपर्क में थे और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों की साज़िश रच रहे थे। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश के रहने वाले जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, वह कुछ पाकिस्तानियों के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच पूरी होने के बाद ही और जानकारी सामने आएगी।

# गिल वनडे में बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर, बुमराह और हेनरी टेस्ट गेंदबाजी में शीर्ष पर

**दुबई :** भारतीय कप्तान शुभमन गिल बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वनडे में बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। गिल अब न्यूजीलैंड के डैरिल मिशेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारतीय कप्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल में समाप्त हुई तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था जिसका उन्हें फायदा मिला है। उन्हें अंतिम मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने पहले दो मैचों में 84 और 154 रन बनाए थे। ईशान किशन बल्लेबाजी रैंकिंग में 21 पायदान ऊपर 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करने का इनाम मिला है। अर्शदीप सिंह 16 स्थान ऊपर 22वें, प्रसिद्ध कृष्णा 34 पायदान ऊपर 58वें और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर 17 स्थान ऊपर संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर पहुंच गए। विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। इससे उन्हें नुकसान हुआ और वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। रोहित शर्मा चौथे स्थान पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर एक स्थान ऊपर 14वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि केएल राहुल दो स्थान नीचे 11वें स्थान पर खिसक गए। इसी बीच इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की 253 रन की जीत में 10 विकेट लेने वाले हेनरी के बुमराह के बराबर अंक हो गए हैं और वे संयुक्त रूप से नंबर एक स्थान पर हैं। जैक कोवी और रिचर्ड हैडली के बाद 36 वर्षों में पहली बार न्यूजीलैंड का कोई तेज गेंदबाज शीर्ष पर पहुंचा है।

## वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड दौरे पर मिलेगा अलग 'चेंजिंग रूम'

**नयी दिल्ली :** किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय दौरे पर एक अनोखे अनुभव से गुजरने वाले हैं जहां इस 15 वर्षीय इस खिलाड़ी को भारत के आगामी इंग्लैंड टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान सुरक्षा संबंधी नियमों के तहत अलग 'चेंजिंग रूम' दिया जाएगा। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहले ही सुर्खियां बटोर चुके सूर्यवंशी पदार्पण का मौका मिलने पर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बन जायेंगे। वह इस मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं, जिन्होंने 1989 में 16 वर्ष और 205 दिन की उम्र में टेस्ट पदार्पण किया था। भारत का ब्रिटेन दौरा शुक्रवार से बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 श्रृंखला से शुरू होगा, जिसके बाद अगले बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेली जाएगी। इंग्लैंड दौरे के दौरान सूर्यवंशी के लिए पहली बार एक विशेष व्यवस्था लागू की जाएगी। ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सुरक्षा नियमों और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के दिशानिर्देशों के तहत अंडर-16 खिलाड़ियों को वयस्क खिलाड़ियों के चेंजिंग रूम का उपयोग करने की अनुमति नहीं होती। रिपोर्ट के मुताबिक, ''सूर्यवंशी मैच के दौरान भारतीय ड्रेसिंग रूम में रह सकते हैं और टीम की बैठकों में भी शामिल हो सकेंगे, लेकिन नियम केवल कपड़े बदलने के समय लागू होंगे।''

### सीएबी ने डिंडा को 'विजन 2028' का प्रमुख नियुक्त किया

**कोलकाता :** बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने बुधवार को राज्य के दो दिग्गज क्रिकेटरों उत्पल चटर्जी और अशोक डिंडा को अपने 'विजन 2028' कार्यक्रम के लिए नियुक्त किया। सीएबी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, '' डिंडा को 'विजन 2028' का प्रमुख तथा तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है, जबकि चटर्जी को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया गया है। दोनों ही खिलाड़ी भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं। 'विजन 2028' बंगाल क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसका उद्देश्य राज्य में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और विकास को बढ़ावा देना है। योजना के तहत अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर पुरुष एवं महिला टीमों के मुख्य कोचों के साथ-साथ सहायक कोचों को भी इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

### अमेरिका ने ईरान की विश्व कप टीम पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी

**वाशिंगटन :** अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका ईरान की विश्व कप टीम पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों में ढील दे रहा है और अब टीम को अगले मैच से दो दिन पहले देश की यात्रा करने की अनुमति दे दी गई है। विभाग के प्रवक्ता ने हालांकि बताया कि टीम को सिएटल में शुक्रवार के मैच के तुरंत बाद ही रवाना होना होगा। ईरान फुटबॉल महासंघ के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि टीम मैक्सिको के तिजुआना स्थित अपने शिविर से बुधवार को सिएटल के लिए रवाना होगी। ईरान की टीम को यात्रा प्रतिबंधों के कारण काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी। उसे लॉस एंजिलिस में खेले गए पहले दो मैच के लिए एक दिन पहले तक यात्रा करने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बाद ईरान के कोच आमिर घलेनोई ने बार-बार इस बात को दोहराया था कि उनकी टीम को इससे काफी नुकसान हो रहा है।

## रोनाल्डो छह विश्व कप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने

**ह्यूस्टन :** दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो छह विश्व कप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को पुर्तगाल की उज्बेकिस्तान पर 5-0 की जीत में दो गोल करके यह उपलब्धि हासिल की। रोनाल्डो ने छठे मिनट में ही इतिहास रच दिया था जब उन्होंने पहला गोल किया। इसके बाद उन्होंने 39वें मिनट में एक और गोल दागा। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इस मैच में गोल करने से वह विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे आगे कैमरून के फॉरवर्ड रोजर मिला हैं, जिन्होंने 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में 42 वर्ष की उम्र में गोल किया था। रोनाल्डो और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी इस साल टूर्नामेंट में उतरते ही छह विश्व कप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए थे। रोनाल्डो ने 2006 में पदार्पण करते हुए गोल किया था। उन्होंने 2010, 2014, 2018 और 2022 में भी गोल दागे। मेस्सी भले ही उनके साथ सबसे अधिक विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड साझा करते हैं, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका में 2010 में खेले गए विश्व कप में गोल नहीं कर पाए थे। मेस्सी हालांकि अभी तक सभी विश्व कप में मिलाकर 18 गोल कर चुके हैं जो रिकॉर्ड है। रोनाल्डो के नाम पर विश्व कप में 10 गोल दर्ज हैं। रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 145 गोल हो गए हैं जो विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने सर्वाधिक 230 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं।

## मुनोज़ के गोल से कोलंबिया ने कांगो को हराकर नॉकआउट में जगह बनाई

**गुआडालाजारा :** डैनियल मुनोज़ ने कांगो की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदते हुए गोल दागा जिससे कोलंबिया ने एक रोमांचक मुकाबले में 1-0 की जीत के साथ विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने शानदार प्रदर्शन करके कोलंबिया को अधिकतर समय गोल से वंचित रखा था लेकिन आखिर में मुनोज़ ने 76वें मिनट में गोल कर दिया जो निर्णायक साबित हुआ। म्पासी ने पहले 20 मिनट में चार मुश्किल बचाव किए थे। डिफेंडर से टकराकर गेंद मुनोज़ के पास पहुंची थी जिनके बाएं पैर से लगाए गए शॉट को रोकने का म्पासी के पास कोई मौका नहीं था। मुनोज़ ने कहा, ''हमने आक्रामक खेल दिखाया और अपनी पूरी ताकत झोंक दी। हमने अपने प्रशंसकों के लिए यह तीन अंक हासिल किए हैं। इस जीत से हमारा मनोबल बढ़ा है। लेकिन हम इससे संतुष्ट नहीं होना चाहते।''

### पराग्वे के अल्मिरोन को मुंह ढंकने पर मिला रेडकार्ड

**अटलांटा :** पराग्वे के मिडफील्डर मिगेल अल्मिरोन को विश्व कप के दौरान मुंह ढकने के कारण रेडकार्ड देखना पड़ा। फीफा ने मंगलवार को पुष्टि की कि अल्मिरोन आस्ट्रेलिया के खिलाफ बृहस्पतिवार को पराग्वे का आखिरी ग्रुप मैच नहीं खेल सकेंगे। फीफा ने यह भी कहा कि इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती है। पराग्वे की 1 . 0 से जीत के दौरान तुर्किये के मर्ट मुल्डर से टकराव के बाद अल्मिरोन ने अपना मुंह ढंक लिया था। नये नियमों के तहत झगड़े के दौरान अपनी बात छिपाने के लिये खिलाड़ियों को मुंह ढंकने की अनुमति नहीं है और इसका उल्लंघन करने पर तुरंत निलंबित किया जा सकता है। फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो ने रीयाल मैड्रिड और बेनफिका के बीच मैच के दौरान हुई घटना के बाद इस नियम के लिये काफी जोर दिया था। बेनफिका के जियांलुका प्रेस्टियानी ने मैड्रिड के विनिशियस जूनियर को अपशब्द कहने के दौरान मुंह छिपाने का प्रयास किया। बाद में उन पर छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया गया था।

## इंग्लैंड और घाना का मैच गोलरहित बराबर रहा

**फॉक्सबोरो (अमेरिका) :** इंग्लैंड और घाना दोनों ने मैच के अंतिम क्षणों में गोल करने के लिए अपनी तरफ से पूरी जान लगा दी लेकिन इसके बावजूद यह मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा जिससे विश्व का फुटबॉल के ग्रुप एल में स्थिति रोमांचक बन गई है। इंग्लैंड और घाना दोनों टीम के अब चार-चार अंक हो गए हैं। इंग्लैंड बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर है। क्रोएशिया के तीन अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड ने मैच में दबदबा बनाए रखा। उसने गोल पर 19 शॉट लगाए जबकि घाना एक बार ही ऐसा कर पाया। इंग्लैंड की टीम हालांकि अवसरों का फायदा नहीं उठा पाई। इंग्लैंड अभी तक कभी विश्व कप में अफ्रीका के किसी भी देश से नहीं हारा है। इंग्लैंड के मिडफील्डर जूड बेलिंघम ने कहा, ''उनके रक्षात्मक खेल और रणनीति से थोड़ी निराशा हुई। उन्होंने अपनी पूरी ताकत गोल बचाने पर लगा दी थी और वह इसमें सफल रहे। गोल पर इतने अधिक शॉट लगाने के बावजूद जीत हासिल नहीं करना निराशाजनक है।'' इससे पहले इन दोनों टीमों ने अपने शुरुआती मैच जीते थे। घाना ने पनामा को 1-0 से और इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया था। इंग्लैंड अगला मैच शनिवार को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी में पनामा से खेलेगा जबकि घाना का मुकाबला भी उसी समय फिलाडेल्फिया में क्रोएशिया से होगा। इंग्लैंड के पास 86वें मिनट में बढ़त बनाने का मौका था जब निको ओरेली का हेडर क्रॉसबार से टकराया। हैरी केन के पास रिबाउंड आया लेकिन उनका शॉट गोल से ऊपर से बाहर चला गया।

### विश्व कप, एशियाई खेलों के लिये एक ही टीम उतार सकता है भारत : महिला हॉकी कोच मारिन

**नयी दिल्ली :** भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने बुधवार को संकेत दिया कि आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों के बीच महज 20 दिन का अंतर होने के बावजूद समान टीम उतारी जा सकती है। महिला और पुरुष हॉकी विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जायेगा जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे। ऐसी अटकलें हैं कि पुरुष वर्ग में भारत दो अलग अलग टीमें उतार सकता है लेकिन मारिन ने कहा कि वह विश्व कप के जरिये एशियाई खेलों की तैयारी करेंगे। उन्होंने पीटीआई से कहा, ''हमने इस पर बात की है। हमें 2018 का भी अनुभव है जब यही स्थिति थी। एक टूर्नामेंट से दूसरे टूर्नामेंट की तैयारी में मदद मिल सकती है। एशियाई खेल सबसे अहम है क्योंकि यह ओलंपिक क्वालीफायर है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन 2018 विश्व कप से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा था और हम उसी सोच के साथ खेलेंगे। विश्व कप को एशियाई खेलों की तैयारी के लिये इस्तेमाल करना है। विश्व कप में हमारे पास 20 खिलाड़ी होंगे जबकि एशियाई खेलों में 18 सदस्यीय टीम रहेगी।''



# क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी मामले में पांच दिन के भीतर 'अस्थायी' तौर पर राशि वापस करें बैंक: आरबीआई

**मुंबई :** भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को कहा कि क्रेडिट कार्ड के जरिये धोखाधड़ी वाले इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन के बारे में ग्राहक से शिकायत मिलने की तारीख से पांच दिन के भीतर 'शैडो रिवर्सल' यानी विवादित रकम अस्थायी रूप से खाते में अंतरित कर देनी चाहिए। आरबीआई ने डिजिटल लेनदेन में ग्राहकों की जवाबदेही को सीमित करने के लिए संशोधित नियम जारी कर यह व्यवस्था दी है। बैंकों में 'शैडो रिवर्सल' का मतलब रकम की अस्थायी वापसी से है। इससे संबंधित ग्राहकों को तुरंत आर्थिक राहत मिलती है, हालांकि जांच पूरी होने तक आम तौर पर इन पैसों को निकाला नहीं जा सकता है। संशोधित नियमों के अनुसार, बैंक को अपनी प्रणाली ऐसी बनानी चाहिए जिससे ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन (ईबीटी) करने में सुरक्षित महसूस करें। ग्राहकों द्वारा किए जाने वाले ईबीटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली और प्रक्रियाएं लागू करनी चाहिए। आरबीआई ने कहा, ''बैंक को 500 रुपये से अधिक मूल्य के सभी ईबीटी के लिए अपने ग्राहकों को तुरंत एसएमएस अलर्ट भेजना अनिवार्य होगा। 500 रुपये तक के मूल्य वाले ईबीटी के लिए, बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार तुरंत एसएमएस भेजने का फैसला कर सकता है, लेकिन ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।'' ये नियम एक जनवरी, 2027 से लागू होंगे। साथ ही, संदेश भेजने और जवाब पाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक की संचार प्रणाली को संदेश की डिलिवरी और ग्राहक के जवाब (यदि कोई हो) मिलने की तारीख और समय रिकॉर्ड करना होगा। आरबीआई ने कहा कि ग्राहक से किसी धोखाधड़ी वाले ईबीटी के बारे में शिकायत मिलने पर, बैंक को ग्राहक के खाते में आगे और अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए।

### बीते वित्त वर्ष में सूचीबद्ध निजी कंपनियों की बिक्री वृद्धि दोहरे अंक में

सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों की बिक्री वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 में फिर से दो अंकों में पहुंच गई है। पिछले दो वर्षों से यह वृद्धि एकल अंक में बनी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरबीआई ने बुधवार को जारी आंकड़ों में कहा कि 2025-26 के दौरान कुल मिलाकर इन कंपनियों की बिक्री में 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों की बिक्री वृद्धि इस दौरान 10.8 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 6.0 प्रतिशत थी। इस वृद्धि में वाहन, विद्युत मशीनरी, खाद्य एवं पेय पदार्थ तथा रसायन उद्योगों का प्रमुख योगदान रहा। हालांकि, पेट्रोलियम उद्योग में बिक्री में गिरावट का सिलसिला 2025-26 में भी जारी रहा।

## कच्चे तेल के दाम में नरमी से बाजार में तेजी लौटी; सेंसेक्स 791 अंक चढ़ा, निफ्टी भी लाभ में

**मुंबई :** कच्चे तेल के दाम में नरमी और बैंक, वित्तीय तथा आईटी शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। बीएसई सेंसेक्स 791 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 197 अंक की तेजी रही। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर की बढ़ती उम्मीद और घरेलू बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के शुद्ध रूप से लिवाल बनने से भी बाजार को समर्थन को मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 790.54 अंक यानी 1.04 प्रतिशत के लाभ में रहा। कारोबार के दौरान एक समय यह 989.69 अंक तक चढ़ गया था। बीएसई में सूचीबद्ध 2,215 शेयर लाभ में रहे, जबकि 2,034 में गिरावट आई। वहीं 181 के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 197.55 अंक यानी 0.83 प्रतिशत बढ़कर 24,021.65 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत, होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही बेहतर होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट और भारत-अमेरिका के बीच जल्द ही व्यापार समझौता होने की उम्मीद के चलते घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।'' सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल एविएशन, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, टाटा स्टील, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

### सोना 1,200 रुपये सस्ता, चांदी 4,000 रुपये टूटी

**नयी दिल्ली :** राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,200 रुपये घटकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। वहीं चांदी की कीमत 4,000 रुपये टूट गई। ऐसा कमजोर वैश्विक रुख के बीच डॉलर के मजबूत होने की वजह से हुआ। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत मंगलवार के 1,49,300 रुपये के बंद स्तर से 1,200 रुपये घटकर 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। चांदी की कीमतों में भी लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही और यह 4,000 रुपये टूटकर 2,31,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 10,500 रुपये की भारी गिरावट के बाद 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी, जो दो सप्ताह से ज्यादा समय में सबसे बड़ी गिरावट थी।

### अमेजन के सीईओ जेसी भारत यात्रा पर, 300 से अधिक शहरों में 'अमेजन नाउ' के विस्तार की योजना

**नयी दिल्ली :** ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी भारत दौरे पर हैं। कंपनी ने बुधवार को बताया कि वह अपनी त्वरित वाणिज्य सेवा 'अमेजन नाउ' का विस्तार 300 से अधिक शहरों तक करने की योजना बना रही है और देश का सबसे बड़ा 'कुछ मिनट में आपूर्ति' नेटवर्क स्थापित करने का लक्ष्य रखती है। जेसी ने बुधवार सुबह मुंबई में अमेजन नाउ के एक 'माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर' का दौरा किया। यह उनके भारत दौरे का पहला चरण है। अमेजन ने हाल ही में 2030 तक भारत में 35 अरब अमेरिकी डॉलर के अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह कंपनी द्वारा अब तक किए गए 40 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अतिरिक्त होगा। इस निवेश का उद्देश्य कारोबार विस्तार, कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात संवर्धन और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।

## भारत-अमेरिका ने की व्यापार समझौते पर प्रगति की समीक्षा, अंतरिम करार को लेकर चीजें अभी साफ नहीं

**नयी दिल्ली :** भारत और अमेरिका ने दो दिवसीय मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हुई प्रगति की समीक्षा की और बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार तथा गैर-शुल्क बाधाओं जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, अगले महीने समाप्त हो रही एक महत्वपूर्ण शुल्क समयसीमा से पहले सभी मतभेद सुलझने का कोई संकेत नहीं मिला है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर वार्ता की, जिसे दोनों पक्ष इस वर्ष की शुरुआत में बनी रूपरेखा के बाद से आगे बढ़ा रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को वार्ता समाप्त होने पर जारी बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख तत्वों की व्यापक समीक्षा की, जिनमें बेहतर बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, गैर-शुल्क बाधाओं में कमी और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के मार्गों पर चर्चा की और इस बात की पुष्टि की कि वे एक ऐसे समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं जो 'संतुलित और व्यावसायिक रूप से सार्थक हो। ग्रीर की 22 से 24 जून की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश 24 जुलाई को समाप्त हो रहे अस्थायी 10 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क ढांचे से पहले अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, बयान में कहा गया कि महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन दोनों पक्षों ने यह नहीं बताया कि लंबित मुद्दों को सुलझा लिया गया है या नहीं। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह यात्रा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को संतुलित और दोनों देशों के लिए लाभकारी स्वरूप देने तथा सात फरवरी, 2026 के संयुक्त बयान के अनुरूप अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान के अनुसार, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के बीच कई दौर की वार्ता हुई, जिसमें बाजार पहुंच बढ़ाने, डिजिटल व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, गैर-शुल्कीय बाधाओं को कम करने और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने जैसे मुद्दों पर व्यापक समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति जताई कि व्यापार समझौता संतुलित, व्यावसायिक दृष्टि से सार्थक और दोनों देशों के कारोबारियों, किसानों, श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं के लिए ठोस लाभ पहुंचाने वाला होना चाहिए।

### दूरसंचार क्षेत्र में नई मंजूरी आधारित व्यवस्था लागू, सरकार ने जारी किए नियम

**नयी दिल्ली :** सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र में पुरानी लाइसेंस व्यवस्था को समाप्त कर उसकी जगह एक नई 'मंजूरी आधारित रूपरेखा' को लागू करने वाले नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 'टेलीकॉम ई-सर्विसेज पोर्टल' को भी अधिसूचित किया है, जो दूरसंचार अधिनियम के प्रावधानों को डिजिटल रूप से लागू करने में सक्षम बनाएगा। दूरसंचार अधिनियम के तहत अधिसूचित नियमों में 'दूरसंचार (मुख्य दूरसंचार सेवाओं के प्रावधान के लिए मंजूरी) नियम, 2025' शामिल हैं। ये नियम दूरसंचार कंपनियों को पुरानी लाइसेंस व्यवस्था से नए मंजूरी आधारित ढांचे में स्थानांतरित करते हैं। दूरसंचार विभाग की अधिसूचना के अनुसार, इस नए ढांचे से जुड़े नियमों का मसौदा पांच सितंबर, 2025 को प्रकाशित किया गया था और हितधारकों से सुझाव मांगे गए थे।

### गोयल ने निर्यात बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा के लिए निर्यातकों के साथ की बैठक

**नयी दिल्ली :** वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को निर्यातकों के साथ बैठक की। इसमें निर्यात बढ़ाने और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लाभ उठाने के तरीकों पर चर्चा की गई। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) के लिए समर्थन मजबूत करने, एफटीए के जरिये ज्यादा मौके बनाने, नवोन्मेष और क्षमता को बढ़ावा देने, निर्यात में सुगमता लाने और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई।'' इस चर्चा में अलग-अलग निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसी) और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में भारत के निर्यात परिवेश को आगे बढ़ाने, बाजार में विविधता लाने और देश की वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धी क्षमता को बेहतर बनाने की रणनीतियों की समीक्षा की गई। कई निर्यात संवर्धन परिषद ने अपने क्षेत्र विशेष निर्यात प्रदर्शन और प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी।

## भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2026-27 में सुस्त पड़कर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान: एसएंडपी

**नयी दिल्ली :** ऊर्जा की कमी, सामान्य से कम मानसून और वैश्विक वृद्धि में सुस्ती के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बुधवार को यह अनुमान जताया। भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2025-26 में 7.7 प्रतिशत और 2024-25 में 7.1 प्रतिशत रही थी। एसएंडपी ने एक रिपोर्ट में कहा, ''ऊर्जा की कमी, औसत से कम मानसून का अनुमान और वैश्विक वृद्धि में सुस्ती के बीच, हमारा अनुमान है कि मार्च, 2027 में खत्म होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.7 प्रतिशत थी।'' एसएंडपी का वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 6.6 प्रतिशत के अनुमान के अनुरूप है। अल नीनो के कारण मानसूनी बारिश प्रभावित हुई है। 22 जून तक बारिश की कमी बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई है। कम बारिश की स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने राज्यों के लिए योजनाएं बनाई हैं। इसके तहत कम बारिश वाले हालात के हिसाब से वैकल्पिक फसलों की सिफारिश की गई है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 88 प्रतिशत आयात करता है और वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी से उसका आयात बिल बढ़ता है और कुल मिलाकर महंगाई बढ़ती है। एसएंडपी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस क्षेत्र का परिदृश्य मजबूत वैश्विक गतिविधियां, ऊर्जा बाजार में दबाव और एआई-संचालित प्रौद्योगिकी के निर्यात में उछाल से तय हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए ऊर्जा संकट का असर दिख रहा है। उद्योग को कच्चे माल की लागत और आपूर्तिकर्ता के डिलिवरी समय में काफी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, खाद की ऊंची कीमतें खाद्य उत्पादन पर असर डालती हैं और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ाती हैं। एसएंडपी ने कहा कि बढ़ती महंगाई लोगों की खरीद क्षमता को कम कर रही है। इससे वृद्धि पर असर पड़ रहा है। एसएंडपी ने कहा कि उर्वरक कीमतों में तेज बढ़ोतरी खाद्य उत्पादन पर असर डाल सकती है और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ा सकती है। एसएंडपी ने कहा कि भारत में तीसरी तिमाही में उपभोक्ता महंगाई 0.5 से 0.6 प्रतिशत अधिक होगी और चालू वित्त वर्ष में यह बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो जाएगी।

वर्ष 11, पूर्णांक 3633 अंक 099 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in